हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 1993

खण्ड 1 अंक 10

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 9 मार्च, 1993

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न उत्तर	(10) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकत प्र नों के लिखित उत्तर	(10)35

अतारांकित प्र न उत्तर	(10)36
विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओं के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित सदस्यों को सूचना	(10)38
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–	
जिला फरीदाबाद कें 'चेपा' बीमारी के कारणसरसा की फसल नश्ट होने सम्बन्धी	(10)40
वक्तव्य–	
कृशि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ता सम्बन्धी	(10)40
सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन	(10)43
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनररारम्भ)	(10)44
बैठक का समय बढ़ाना	(10)95
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(10)96

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 9 मार्च, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न उत्तर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, the Question Hour.

Opening of 10+2 System Schools

401 Sh. Amar Singh: Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open 10+2 system schools as Shiaraw,. Kanwari, Jamalpur of District Hisar and Bhiwani During the Year 1992-93; and

(b) Whether it is fact that the Govt. has constricted new buildings for 10+2 system schools at Jamalpur and Kanwari in the year 1986-87?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी):

(क) जी नही।

(ख) जी नही।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया को ''नो'' में जवाब देने की आदत बनी गयी है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया के नोटिस में लाना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से कंवारी ओर जमालपुर गांवों के स्कूलों की बिल्डिगज को, 10+2 का स्कूल करने के लिए 10.41 लाख रूपये फी गांव में देकर तैयार की है। इन गांवों के स्कूलों की बिल्डिगर, 10+2 के सारे नर्म्ज पूरे करती हैं लेकिन फिर भी इन स्कूलों को अपग्रेड नही कर रहे है, यह बात समझ नही आती कि ऐसा क्यो है?

श्रीमती भागनि देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बताना चाहूंगी कि जिन गांवों के स्कूलों की बिल्डिगज को इन्होने नाम लियाहै, उन की बहुत ही जर्जर हालत थी, इसलिए उन को सरकार की तरफ से ठीक करवाया गया हैं अगर मुरम्मत करवाते समय इन स्कूलेां को 10+2 करने का कही पर वायदा किया गया हो तो ये मेरे भाई हमें बता सकते हैं

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम `स फिर इनके निोटिस में लाना चाहता हू कि इन दोनों गावों जमनलपुर और कंवीर के स्कूलों की बिल्डग सरकार की तरफ से ठीक करवायी गयीहै जो पुरानी बिल्डिग, सरकार की तरफ से ठीक करवायी गयी है ंजो पुरानी बिल्डिगज है, उनमें लड़कियों का स्कूल खोलने की योजना है। और जो नई बिल्डिगर बनाई गई है उनमें 10+2 स्कूल खोलने की स्कीम थी। मुरम्मत करने केबाद जारे नई बिल्डिगर तैयार की गई है, वह 1986–87 और 1987–88

में ओ0 के0 कर दी गई थी। अतः मै पुनः मंत्री महोदया से आ वासन चाहूंगा कि इन स्कूलों को कब तक अपग्रेड कर दिया जायेगा ताकि बच्चों की पढ़ाई का नुक्सान न हो?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मै अपने भाई जी को बताना चाहती हूं कि यह बात ठीक है कि इन स्कूलों की बि?लडगज की मुरम्मत भी हुई है ओर कुछ नई बिल्डिग भी बनी है। यह कही पर कोई औचित्स नहीहै। यदि किसी पुरानी बिल्डिगर को ठीक कर दिया जाये तो वहां पर 10+2 स्कूल खोला जाए। जहां तक नार्म्ज की बात है, यदिनार्म्ज पूरी भी हो तो भी हमें किसी स्कूल को अपग्रेड करते समय अपनी वित्तीय स्थिति देखनी होती है। जब तक हमारी वित्तीय स्थिति ठीक नही होगी। जब तक हमर स्कूल अपग्रेड नही कर सकते। अगर ये चाहे तो मै इनको डिटेल भी बात सकती हूं कि कितने करने नए ने है ओर कितनी की मुरम्मत हुई हैं

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, अमर सिंह जी ने अपने सवाल के जवाब में यह पूछा है कि क्या वर्श 1992–93 के दौरान जिला हिसार तथा भिवानी के ि ायारवा, कंवारी तथा जमनलपुरमें 10 जमा 2 प्रणाली स्कूल खोलने कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है? तो मै इनको बताना चाहता हूं कि 1992–93 को समाप्त होंने में तो सिर्फ 20 दिन ही रह गए है। आपनेयह सवाल करना चाहिएथा कि क्या 1993–94 में इन स्कूलों को 10 जमा 2 करने की कोई परपोजल है?

Sh. Amar Singh: Part (b) of my question says—

"Whether it is fact that the Government has constructed new building for 10+2 system schools at Jamlpur and Kanwari in the Year 1986-87?

चौधरी भजन लालः वर्श 1986–87 की बात आप ठीक कर रहे है, लेकिन जो प्र नहै वह ताआपने 1992–93 का पूछा हैं

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर सर, मै अपने माननीय साथी को यह बताना चाहूंगी कि ये दोनों विद्यालय 10 जमा 2 के लिए नही बनाए गए थे, ये केवल उच्च विद्यालयों के लिए बनाए गये हैं इन दोनो विद्यालयों के भवन खराब स्थिति में होने के कारण सरकार ने वर्श 1985–86 में प्र ाासकीय स्वीकृति दी थी ओर वर्श 1986–87 में ये बन कर सम्पन्न हुए थे। सरकार ने कही पर भी यह वायदा नही किया था कि इन विद्यालयों को दस जमा दो बनाया जाएगा।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, मै माननीय मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि यिद ये विद्यालय दस जमा दो के नार्म को पूरा करत हों ओर वहां पर बिल्डिग भी हो तो क्या इन विद्यालयों को दस जमा दो करने के बारे में विचार करेगे?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर सर, इस बारे में अपले वर्श में योचा जा सकता है। लेकिन इस वित्तीय वर्श में ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि इनका वित्तीय नार्म क्या हे, क्योंकि इनकी सरकार अपने से पहले पिछली सरकार ने जिन स्कूलों को अपग्रेड किया था, इस सरकार ने उनकों तोड़ दिया। भिवानी के सिलसिले में किसी भी सवाल में इनका यह कहना कि वित्तीय स्थिति ठीक नही है, भिवानी जिले के साथ सौतेला व्यहवार है क्योंकि पिछले साल भी भिवानी में कोई स्कूल अपग्रेड नही किया गया ओर इस बार भी नही किया गया है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि क्या अगले वित्तीय वर्श में जिला भिवानी में किसी हाई स्कूल को दस जमा दो का स्कूल और किसी मिडल स्कूल को हाई स्कूल अपग्रेड करने बारे सरकार विचार करेगी?

श्री अध्यक्षः वर्श 1977 में भी कुछ स्कूलों को डी–ग्रेड कर दिया गया था जब कि वहां पर एक दो महीने क्लासिज बैठ चुकी थी।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर साहब, हमने ऐसा कोई काम नही किया है। कि साढ़े तीन सौ के करीब स्कूल, यामने बैठे भाई बन कर तो जरूर चले गये थे, लकिन उनके लिए बजट में पैसे की व्यवसाि करना, वे चूक गए या भूल गए थे। ऐसा कोई कारण नही था कि इस प्रकार ने स्कूलों के स्तर गिराये। यह सरकार जो वायदा करती है उसको पूरा करती हैं स्पीकर साहब,

इस वित्तीय वर्श में स्कूलों का स्तर बढाने का कोई प्रावधान बजट में नही है।

Shortage of Medicines in Hospital

419. Sh. Ram Bhajan Aggarwal: Will th eMinister ofr Health be pleased to state—

(a) Whether the Government is aware of the fact that there is great shortage of Medicines in Government Hospitals and Dispensaries in the State; and

(b) If so, the steps taken or proposed to be taken to remove the said shortage of medicines?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करता देवी):

(क) दवाईया मांग के अनुसार उपलबध नही करवाई जा रही है।

(ख) 41350000 रूपये की दवाईया खरीदी जा चकुी है ओ दवाईया खरदी जा रही है।

साथी लहर सिंहः स्पीकर सर, अभी बहन जी नं बताया है कि दवाईयों की जितनी मांग है, उतनी उपलबध नही करवाई जाती है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि दवाईयों की कमी कब तक पूरी हो जायेगी, क्योंकि अस्पातलों में जो दवईयां मिलती है या तो कम होती है या एक्सपयरी डेट की मिलती है?

बहिन करतार देवीः स्पीकर साहब, मेरी माननीय भाई जानते है कि रोगियों की मांग के मुताबिक दवाईया कोई भी सरकार उपलबध नही करवासकती है, फिर भी हमारी कोि ा ा है कि आम आदमी की साधारण मांग के लिए दवईया जरूर उपलब्ध हो ओर लाईफ सेविग ड्रग्ज प्राईमारी हैल्थ सैन्टर्ज तक जरूर उपलबध है। जैसे सरकार की वित्तीय स्थिति अच्छी हाती जायेगी, उसे मुताबि अधिक दवाईदया रोगियों को उपलब्ध करवाई जायेगी। स्पीकरसाहब, इस बजट में दवाईयों के लिए पिछले बजट की अपेक्षा अधिका पैसे का प्रावधान किया गया है। और इस बारे में और अधिक ध्यान दिया जाएगा।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहूंगा कि दवाईयों खरीदने के क्या नार्मज है? कुछ हास्पीटल्ज में तो ए0 पी0 सी0 को गोली भी मिलती और कुछ में बहुत महंगी दवा भी मिल जाती है। तो दवाईयां उपलब्ध करवाने का क्या क्राईटेरिया है?

बहिन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, किसी खास हास्पीटल के लिए खास नार्मज नही है। सी0 एस0 सी0 में 50 हजार रूपये की प्रतिवर्श दवाईया दी जाती है ओर पी0 एच0 वी0 में एक या डेढ़ हजार रूपये के प्रतिवर्श दर्वाया दी जाती है। जहां तक ई0 एस0 आई0 डिस्पैन्दसरीज का सवाल है। वह ई0 एस0 आई0 ही कवर करता है। इनका यह कहना बिल्कुल गलत है। कि कही दवाईया खूब मिलती है। और कही बिल्कुल ही नही मिलती।

लेकिन जहां पर दूसरी जगहों से केस रैफर हो कर आते है, वहां पर ज्यादा दवाईया उपलबध करवाई जाती है।

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्षम होदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया को बतानाचाहता हूं कि पिछले साल के मुकाबले में इस साल दवाईयों की मात्रा कम की गई है। मत्री महोदया ये बातए कि 1991–92, 1992–93 में पर–कैपिटा दवाईया पर कितना खर्चा किय गय ाहै और इन दोनों सालों में लाईफ सेविग दवाईयो पर कितना खर्च किया है।

बहिन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, 1990–91 में 6.81 करोड रूपये 1991–92 में 7.70 करोड़ रूपए ओर 1992–93 में 6. 18 करोड रूपए, 1की खरदी की गई है। इन्होन जा पर–कैपिटा के बारे में पूछा है, वह इस प्रकार हैः 1990–91 में 4.18 रूपये, 1991–92 में 4.72 रूपये और 1992–93 में 4.80 रूपये प्रति वर्श कुल खर्चा हुआ है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने लाईफ सेविग ड्रग्ज के बारे में भी पूछा है।

श्री अध्यक्षः इतनी डिटेल्ड बात तो इस वक्त नही होगी।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि बताया गया है कि 41350000 रूपये की दवाईया खरीदी गई है। उनमें से कितनीदवाईयां एप्रूव सोसिज से खरीदी गई है। और कितनी बाहर से खरीदी गई है?

बहिन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, ओपन मार्किट से कोई दवाई नही खरीदी गई है। सभी दवाईयां एप्रूव्ड सोसिज से खरीदी गई है। इसके अलावा जो दवाईया हाई कावर्ड कमेटी एप्रूव करती है वे दवाईया ही रेट कंट्रक्ट पर खरीदी जाती है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै तो यह कहता हूं कि एप्रूव्ड सोसिज से दवाईया नही ला जाती, यहां तक एम0 एल0 ए0 होस्टल में भी दवाईया ओपन मार्किट से खरीदी जाती है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानकारी चाहूंगा कि 1991–92, 1992–93 में दवाईया के लिए पैसों की मात्रा कम होती चली गई है जबकि मरीजों की संख्या बढ़ गई है। क्या मंत्री महांदय भविश्य में मरीजों की संख्या को देखते हुए दवाईयों के लिए पैसे बढ़ाने की व्यवस्था करेगे?

बहिन करतार देवीः स्पीकर सर, जैसे जैसे रकार की वित्तीय स्थित मजबूत होती जाएगी, वैसे वैसे दवईया हम ज्यादा पैसे की लै रहेगे। जितनी भी कल्याणकारी योजनाए। हे, उन पर ज्यादा खर्च किया जाएगा। (विध्न)। जैसा माननीय सदस्य कह रहे है, मै इनके नोटि में लाना चाहती हूं कि 1982 से लेकर आत तक मेरा एक भी मैडिकल बिल नही है। मै कभी भी डिसपैन्सरी से दवाईया नही लेती।

श्री हरि सिंह नलवाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि चार रूपए कुछ प्वायंट पर कैपिटा हरियाणा स्टेट में मेडीकल परजो खर्चा बहिन जी ने बताया है, क्य इस खर्चे में वी0 आई0 पीज0 का खर्च भी भाामिल है, जैसे औफिसर्ज वगैरह है?

बहिन करतार देवीः स्पीकरसर, विवरण के अनुसार इस समय यह खर्चा इसमें भाामिल है।

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ऐलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाईयों पर जो खर्चा किया गया है, क्या वह अलग अलग है या इनके साथ ही खर्च हुआ है। इसके अलावा क्या आयुर्वेदिक दवाईयों लेबेारेटरी से टैक्स्ट करवा कर खरीदी जाती है, अगर टैक्स करवा कर खरीदी जाती है तो टैस्ट की हुई दवाई का नाम बतायेगे?

बहिन करतान देवीः स्पीकर सर, यह सवाल अंग्रेजी दवाईयों के बारे में था आयुर्वेदिक दवईयोंाक खरीद अगल से की जाती है। इसके लिए माननीय सदस्य अलग से नोटिस दे सकते है।

Purchase of New Buses

483 Sh. Ram Pal Singh Kanwar: Will the Minister of state for Transport be pleased to state—

(a) The total number of new buses purchased by the Transport Department during the financial year 1992&93 (to date); and

(b) The number of buses out of those referred in part (a) above met with an accident and the extent of damage caused to each bus and the cost of repair thereon?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह):

(क) छः सौ छत्तीस।

(ख) उपरोक्त में से 96 बसे छोटी/बड़ी दुर्घटनाओं में ग्रसत हुई। इस दुर्घटनाओं के कारण बसों की मुरम्मत पर लगभग 365000 रूपये खर्च हुए।

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर सर, मंत्री जी ने बताया है कि 96 बसिज ऐसी है। जिनके माईनर और मेजर ऐक्सीडे।ट हुए हैं मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि ये मेजर ऐक्सीटेडट किसेा मानते है ओर माईनर ऐक्सीडेट किसको मानते है? इसके अलावा मेजर या माईनर ऐक्सीडै अमें कितनी मौते हुइ है? साथ ही जो पब्लिक के आदमी मारे गये है क्या उनकी गवनमैंट ने कोई कम्पनसे ान दिया है या नही?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर सर, बसिज के जो 96 एक्सीटैडट हुए है, उनमें से 19 तो मेज ऐक्सीडेट है। मेजर ऐक्सीडेट वे हाते है जिनमें आदमी मारे जाते है तथा माईनरऐक्सीडेट वे होते है जिनमें बसिज का भी ाा वगैरह टूट

जात है या कोई छोटी मोटभ टूटफूट हो जाती है। या और कोई थोड़ी बहुत रिपेयर हों जिन बसिज की मुरम्मत पर 13 हजाररूपये से कम लगते है,उनको तो हम माईनर ऐक्सीडेंट गिनते है। और इससे जयादा जिन बसों की रिपेयर पर कौस्ट आती है उनको हम मेजर ऐक्सीडैट गिनते है। इन ऐक्सीडेट में 26 व्यक्ति मारे गये हैं इन्होने यह भी पूछा है कि ड्राइवर्ज की कितनी मौते हुई है। उसके लिए ये अलग से नोटिस देगे तो बता दिया जायेगा।

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर सर, जुलाई 1991 से लेकर अब तक दादरी डिपों को 37 और भिवानी डिपों में भी 37 बसें दी है। वर्श 1992–93 में भिवानी डिपों को 22 और दादरी को भी 22 बसें अलाट की है। जहां तक ऐक्सीडेंट का सवाल है, उसके लिए अलग से डेटा अवेलेबन है, जेा ये डिपोवाईज डिटेल चाहते है। यदि आज इजाजत दें तो मै सदन की टेबल पर स्टेटमैंट रख देता हूं।

श्री अध्यक्षः सदन की टेबल पर डिटेल रख दे।

Statement

Statement showing No. of New buses receiving during 1992-93, No. o buses out of these bused met with an accident, damage caused of each bus, cost of repairs

Sr.	Nam of the Depot	1992-93 reg. No. of buses received after fabrication	Regd. & Chassis no. of buses which met which an accident	Detail of damage caused to each bus.	Cost of repairs of each bus.
1	2	3	4	5	6
1.	Sirsa	14	(i) HR-24A/8857 (282818)		1627.75
			(ii) HR-24A/2823 (880518)		1673.45
			(iii) HR-24A/8830 (279697)		1570.70
2.	Bhiwani	11	(i) HR-16/5143 (282811)	1. RHS. FT. W. Screen Glass Broken	2832.00
		(7+4 from H.R. Delhi)		2. Ft. Bumper damaged	

				3. L.H.S. Show damaged	
			(ii) HR-16/5145(281930)	1.RHS W. Screen Glass broken	1120.00
				2. Side Mirror broken	
			(iii) HR-16/5147(287558)	1. LHS Ft. Screen Glass broken	1830.00
				2. LHS Light Assy. Damaged.	
				3. LHS Ft. Show damaged	
3.	Rewari	28	(i) HR-36/5868(282424)	1. H.L. Assy.	8942.40
			(ii) HR-36/5861(281950)	2. Triplex Galss	
				3. Ligh Assy.	

				4. Allm. Sheet	
				1. Electric Welding Rods	160.00
4.	Faridabad	27	(i) HR-29B/387(289014)	D/S Ft. Glass Borken	1100.00
			(ii) HR-29B/429(281615)	D/S Ft. Glass	1100.00
			(ii) HR-29B/423(272127)	1. D/S R. Glass borken	2444.00
				2. Body Show damage	
				3. D/S Ft. Glass Borken	
				4. D/S Show damage	
				5. Front Bumper Bent	

			(iv) HR-29B/4903(279060)	1. Ft. Glass Borken	9807.00
				2. H.L. Broken	
				3. Radiator Broken	
			(v) HR-29C/4902(281949)	1.D/S Glass Broken	2651.00
				2. D/S show damaged	
				3. H.L. Broken	
				4. D/S Bumper Bent	
5.	Gurgaon	33	(i) HR-26/1210(281635)	1. Both Ft. Glass Borken	13709.95
				2. Battery & Ft. Show damaged	
				3. Side Glass Broken	

			(ii) HR-26/1137(280245)	1. H.L. Broken	16171.07
				2. Show Bent	
				3. Both Ft. Glass Borken	
				4. Ft. Show badly damaged	
6.	Hisar	19	NIL	NIL	NIL
7.	Rohtak	44	(i) HR-12/8606(280504)	Collieded with eah other back glass broken	2305.00
			(ii) HR-12/8619(282813)		
			(iii) HR-12/9614(281232)		27135.00
			(iv) HR-12/8605(280240)	No damage	NIL
			(v) HR-12/9608(280250)		742.50

			(vi) HR-12/9618(286964)		18200.00 (Oppr.)
			(vii) HR-12A/1123(286587)		1006.00
8.	Charkhi Dadri	12	(i) HR-19/239(279974)	(i) Both Ft. Glass Broken	16805.50
				(ii) Ft. Sho damage	
				(iii) Gond. Side H.L. Borken	
				(iv) 10 side Glass Borken	
				(v) Two Batteris Cracked	
				(vi) Six seat damage	
			(ii) HR-19/12396(276017)	No damage	NIL

			(iii) HR-19/2941	1. Front Both Glasss Broken	6132.50
				2. Cod. side show damaged	
				3. 5 side Glass Broken	
			(iv) HR-19/2942(281617)	1. Ft. Glass Broken	1775.00
				2. H.L. Broken	
				3. Show damaged	
			(v) HR-19/2943(281639)	1. Dr. side Ft. Glass broken	1000.00
				2. Ft. Jhalli damaged	1775.00
			(vi) HR-19/2944(287550)	(i) Ft. Glass Broken	700
			(vii) HR-19/2945(2945)	(i) Ft. Glass Broken	1775.00

				(ii) Ft. Show damaged	
				(iii) Jali Bent.	
			(viii)HR-19/2996(287427)	(i) Cond. Side Ft. Glass broken	700.00
9.	Fatehabad	12	(i) HR-22/6080(282903)	1. Cond. side show bent	2758.00
			(ii) HR-22/6081(28903)	1. Cond. side show bent	3804.00
			(iii) HR-22/6082(281956)	1. cond. Gt. Glass and side glass broken	3925.00
			(iv) HR-22/6083(281932)	1. Ft. show % Jaili (Grill)	2106.00
			(v) HR-22/6084(281236)	1. Cond. Side glass	156.00

				broken	
10.	Ambala	44	(i) HR-01B/4013(72871)	1.Ft. show was damaged	18259.00
				2. Ft diesel tank body was broken	
				3. All the seatw were broken	
				4. Break padel etc. broken	
				5. Ft. glass, 4 sdie glass H. ligh & Indicator broken	
			(ii) HR-01B/1955(548617)	No damage	NIL
			(iii) HR-01B/9919(571136)	No damage	NIL
			(iv) HR-01B/1947(568422)	No damage	NIl

11.	JInd	24	HR-13/4870(356350)	No damage	NIL
			(ii) HR-31/4885(359350)	1. Ft. show broken	1000.00
				2. H.L. Glass broken Major Accident	13023.00
12.	Kaithal	15	(i) HR.-08/7685(573888)	1. Triplex Glass	997.00
				1. H.L. Glass broken	
13.	Sonepat	27	(i) HR-10/419(859356404)	1. Cond. Side Ft. Glass broken	2500.00
			(ii) HR-10/422(35635051362)		
				1. D/Side Ft. Glass broken	2540.00
				2. Again	2984.00
			(iii) HR-10/423(35935057113)	1. D/Side Ft. Glass broken	3444.00

				2. 4 No. D/Sdie Glass broken	2500.00
				3. Ft Glass broken	
				4. Show broken	
			(iv) HR-10A/424(359350572742)	1. Both Ft. Glass broken	5711.00
				2. Both H.L. & Radiator	
			(v) HR-10A/426(359350571129)	1. Show Bent	5731.00
				2. Both H.L. & Radiator	
			(vi) HR-10A/427(359350571092)	1. D/Side Ft. Glass Indicator	1298.50
			(vii) HR-10A/1672(359350573880)	1. Both Ft. Glass	13626.00

				2. Both H.L. Assy.	
				3. Front Bumper Bent	
				4. Radiator Assy.	
			(viii) HR-10A/1673(359350573868)	1. Ft. Glass	1133.00
				2. Show bent	
14.	Yamunagar	37	(i) HR-20A/8858(575735)	1. Ft. Show & Bumper bent	700.95
				2. H.L. indicator & Kiran Light broken	
15.	Kurukshetra	36	(i) HR-07A/289(572588)	1. Bus Shett damaged	85.00
			(ii) HR-07A/2197(572722)	No damage	NIL

			(iii) HR-07A/3067(572721)	1. Ft. Wind screen broken	18007.00
				2. Side show bent.	
				3. Ft. Door damaged	
				4. Radiator damaged	
				5. Engine & Bonnet bent	
			(iv) HR-07A/3063(572592)	1. Ft. Glass & Head Light	5224.00
				2. Ft. show bent	
			(v) HR-07A/3065(573802)	1. Back Glass broken	1425.00
			(vi) HR-07A/3062(572615)	1Ft. Glass Broken	
				2. D/Side H.L. & Show bent	12388.00

				3. Starring damaged	
			(vii) HR-07A/1581(562665)	1. Cond. side Glass Broken	2788.00
				2. Show & Grill bent	
				3. H.L. Broken	
16.	Karnal/Panipat	54	(i) HR-05A/9801(568418)	1. LHS show bent	2727.00
				2. LHS Head Light	
				3. Ft. Wind Screen Glass broken	
			(ii) HR-05B/1475(72609)	1. Ft. Wind Screen Glass Broken	7678.30
				2. Ft. Show & Jalli Bant	
				3. Head Light Glass	

				Broken	
			(iii) HR-05B/2252(738000)	1. Ft. Winding screen Glass broken	1000.00
				2. LHS show bent	
				3. Angle & Desh Board Bent	
			(iv) HR-20B/2459(73819)	1. Cond. side Glass broken	2000.00
				2. Cond. Side bhow bent	
				3. Cond. side show bent	
			(v) HR-05B/1474(72652)	1. Bumper bent-Angle broken	200.00
16	Karnal/Panipat		(vi) HR-05B/147(72652)	(i) Ft. Wind Screen	

				Broken	
				(ii) RHS show Battery Box totally broken	
				(iii) LHS Bumper bend	
				(iv) Radiator damaged, water body, steering wheels & Meter Board damaged	
			(vii) HR-05B/2575(75205)	(i) Ft. wind screen Glass Broken	
				(ii) Ft. Bumper bent & side show bent	
			(viii) HR-05B/2251(72653)	(i) RHS front glass	

				broken	
				(ii) RHS show, indicator and glass broken	
			(ix) HR-05B/2459(73819)	(i) RHS show bend	
				(ii) Head ligh & indicator also broken	
			(x) HR05B/2798(576986)	(i) RHS glass, show, front face damaged	
			(xi) HR-05B/2251(572653)	(i) Back side corner bended	
				(ii) Sex seater floor removed	
				(iii) Back bumper bended	

			(xii) HR-05B/525(571096)	(i) Ft. wind screen Glass broken	
				(ii) Head light broken	
				(iii) Jalli ad bumper bended	
			(xiii) HR-05B/9811(568400)	(iI Cond. side glass broken	1000.00
				(ii) Cond. shide show bended	
			(xiv) HR-05B/9002(68544)	(i) Ft. wind screen glass broken	25000.00
				(ii) Ft. bumper & indicator broken	
				(iii) Water body & radiator broken	

				(iv) Ft. Face sheet bended	
				(v) Ft. side door completely damaged	
			(xv) HR-05B/3123(79383)	No damage	NIL
17.	Chandigarh	54	(i) HR-03/7931(56231)		
			(ii) HR-03/8669(571135)	(i) Ft. glass broken	3494.00
				(ii) Bothe Head light broken	
				(iii) Ft. bumper bent etc.	
			(iii) HR-03/8680(572436)		
			(iv) HR-03/8165(566546)		
			(v) HR-03/8680(572736)		

			(vi) HR-03/8669(571135)	Head ligh, Ft. show etc broken	417.05
			(vii) HR-03/9248(572619)	Bumper bet alluinium	720.00
			(viii) HR-03/9248	Ft. glass of driver side broden	1331.00
			(ix) HR-03/9237(572614)		
			(x) HR-03/9244(572564)	Rear glass bumper damaged, rear light etc.	1679.20
			(xi) HR-03/9912(553181)		
			(xii) HR-03/8684(513229)	(i) Ft. both glass broken	4398.25
				(ii) Bumper & showbent	

			(xiii) HR-03/9239(572656)	T/S show damaged and indicator broken.	985.00
			(xiv) HR-03/9251(573874)	(i) Ft. glass head light glass broken	1425.00
				(ii) Show damaged etc.	
			(xv) HR-03/9919(576855)	(i) Rear glass broken	744.75
				(ii) Rear bumper bent and side glass broken	
			(xvi) HR-03/8673(571091)		
			(xvii) HR-03/8166(342025)	(i) Rear glass broken etc.	770.00
			(xix) HR-03/9249(572728)		

18.	Delhi	48	(i) HR-26A/1248(82307)	(i) C/side Ft. wind screen borkent	1000.00
				(ii) Back bumper of C/side bent and stari was also bent	
			(ii) HR-26A/1258(79378)	(i) D/side H.L. Beam broken	700.00
				(ii) Ft. show Dr./side bent	

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया है कि 3 लाख 65 हजार रूपये बसिज की रिपेयर पर खर्च हुए है। मै मंत्री महोदय ये यह जानना चाहूंबा कि ये जो नयी नयी बसों के ऐक्सीडेंट हुए है, इनमें कया मंत्री महोदय इस किस्म का प्रावधान करने के लिए सोचेगें कि एक एक्सीडेंट हो तो ड्राईवर को वानिग दी जाए, दूसरे ऐक्सीडेंट पर उस ड्राईवर की एक इन्क्रीमैंट और तीसरे ऐक्सीडेंट पर दो इन्क्रीमैंट बन्द की जाए ओर चौथे ऐक्सीडेंट पर उसे सर्विस से रिमूव करें?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर सर, हम पूरी कोि ा ा करते है कि कम से कम एक्सीडैंट हो लेकिन बदकिस्मती से इस साल जी0 टी0 रोड पर अम्बाला से लेकर अमृतसर के बीच कुछ ज्यादा ऐक्सीडेंट हुए है, वह भी नई बसों के हुएहैं क्येांक ज्यादातर बसें इन्ही रूटों से जाती है। इसलिए जब तक फोरलेनिंग पूरी नही हाती तब तक थोड़ी समस्या रहेगी। वैसे हमने इसबारे में स्ट्रिक्ट मेयर लिए है। जिन ड्राईवर्ज ने पांच साल हरियाणा रोडवेज में सर्विस पूरी कर ली है उस बस पर जितना खर्चा आता है, वह उससे रिकवर किया जाताहै। स्वीयर ऐक्सीडेंट में सर्विस भी टमिनेट करते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मै आपके माध्य से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन्होने अपने जवाब में बताया है कि बसों के ऐक्सीडेट की वजह से 3 लाख 65 हजार रूपये की क्षति हुई हैं इन बसों की रिपेयर परजा खर्च हुआ है, वह ए0

आई0 एस0 आर0 टी0 यू0 (AISRTU) के तहत खर्च हुआ है। अथवा सीधे खरीद फरोख्त की गई है। अगर सीधे खरीद फरोखत की गई है, तो इनके अधिकारियों ने खरीद–खरोख्त में जो नमाज का वायलेशन् यिकाहै, उनके खिलाफ कया कारवाइ की गई?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर सर, बसों की रिपेयर तो हम डिपों में ही कराते है जहां तक रूपयों के खर्च का सवाल है, यह तो टोटल खर्च है। इसमें डिफरैन्ट डिपों में माईनर व मजर दोनों किस्म की रिपेयर ाामिल है और इसमें नार्मज का कोई वायले ान नही है।

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर सर, अभी मंत्री जी ने बताया कि जो स्वीयर एक्सीडेंट होते है, उनमें ड्राईवर्ज की सविसिज ट्रमिनेट कर देते हैं मै पूछना चाहूंगा कि जो 96 ऐक्सीडेंअ हुएहे, उनमें 19 स्वीयर ऐक्सीडें अै, इनमें से कितने ड्राईवर्ज को सर्विज से हटा दियाहैओर कितनी के खिलाफ ऐक ान लिया है?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर सर, माननीय सदस्य अगर डिटेल चाहते है तो अलग से नोटिस दें।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने एक्सीडेट्स के बारें में बताया है। मै इनमें पूछना चाहता हूं कि किस डिपों में सबसे ज्यादा एक्सीडेट्स हुए है। और उसके कारण क्या है? कही इसका कारण यह तो नही कि नये ड्राईवर्ज जो भर्ती

किये गये थे, उनकी वजह से एक्सीडेट्स हुए है? क्या इस बात की इन्क्वायरी करवाई गयी है कि ये एक्सीडेट्स किस कारण से हुए है?

श्री बलबीर पाल भााहः मैने पहले भी बताया है कि इस बात के के लिए बाकायदा एक कमेटी बनी हुइ है, जिसमें यूनियन के मैम्बर्ज भी है। उनकी कन्सैट से पुराने ड्राईवर्ज को ही नहयी गाड़िया दी जाती है। डनही को दी जाती है जिनका पिछले पांच साल का क्लीन रिकार्ड हो, केसल ऐसे ड्राईवर्ज को ही नयी गाड़िया दी जाती हैं जहां तक एक्सीडेट्स के कारणों का जिक्र है, उसके कई कारण है। सारे ड्राइवर्ज ऐ जैसे नही होते। कई बार तूडी की गाड़ी आगे आ जाती है, कई बार रोड पर बारि ा की वजह से रो स्लीपरी होती है। और एक्सीडेंट हो जाताहै। इसके अलाव आजकल फास्ट मूविग ट्रेफिक रोड चला है। मारूति कल्चर है। लोगों ने जिन लॅपस लगाये है जो रूल्ज के वायले ान हैं हम उनके चालान भी कर रहे। लोगों का बकायदा एजूकेट भी करना पड़ेगा कि वे रात को डपरका प्रयोग करे। ये हैलोजन लैम्पस आंखा की चौधिया दते है जिससे कई बार एक्सीडेंअ हो जात ाहै। हमने इसकी रोक के लिए स्ट्रिन्जैन्ट मैईयर्ज लिये है। हमारी कोि ा ा यह है कि इस मामले में सुधार किया जाये। आन दी एवरेज इस साल अक्तूबर, नवम्ब और दिसम्बर में पिछले साल के मुकाबले में नौ डाउट एक्सीडैटस कुछ ज्यादा हुए है लेकिन उन एकीडैन्ट्स में फैटेलिटी का रेट अब भी लो है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री पीर चन्द्रः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया हैं

श्री बलबीर पाल भााहः अध्यक्ष महोदय, नये ड्राईवर्ज के बारे में` जानना चाहे है, वहा जैसे मैने बताया है, हम उनाके नयी गाड़िया नही देते।

चौधरी सूरजभार काजलः स्पीकर साहब, जैसे इन्होने कहाहै कि हम कैजुएलिटी होने पर 25000 रूपये मुआवजे के तौर परदेते है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय ये यह जानना चाहता हू कि अभ पिछले लगभग 3 महीने पहले लाखनमाजरा के पास एक ड़ा ही भयनाक ऐक्सीडेंट हुआ था। इसके बारे में मंत्री महोदय ने भी ओर वहं के डी0 सी0 महोदय ने भीयह कहा था कि मुआवजे के तौर पर 25000 रूपये दिए जायेगेलकिनआज तक मृतकों के पेरैन्ट को यह पैसा नही मिला है। लोग जी0 एम0 आफिस के चक्कर काटते काटते थक लिए है। क्या उनको मुआवजा दिलाया जायेगा?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर साहब, इसमें थोडी सी लीगल हिच्च होती है। कि उनका लीगल हेयर कौन है। (व्यवधान व भाोर) उनका उत्तराधिकारी कौन है, उसकों जांचने में कई बार समय लगता है। जब वह आईडैन्टीफाई हो जाता है तो उसका पैसा दे दिया जाता है। इस प्रोसीजर में थोड़ा समय जरूर लगता है।

चौधरी सूरज भान काजलः स्पीकरसाहब, मै एक ओर बात मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जैसा कि लाल बत्ती की बात आयी है, क्य मंत्री जी बतायेगे कि लाल बत्ती कौन लगा सकता है, कौन नही लगा सकता, हम रोजना लाल बत्ती लगी गाड़िया देखते है। उनमें अगसर गलत तौर पर लाल बत्ती लगा रखी होती है। क्या मंत्री महोदय उनके खिलाफ ऐक ान लेगे या उनकी लाल बत्ती उतरवायेगे?

श्री अध्यक्षः यह सवाल इस क्वै चन से अराईज नही होता।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने एक्सीडेंटस के बारे में सदन में विवरण दिया हैं हमारा पर्सनल एक्सीपीरियैन्य हैं कि जितने भी एक्सीडैन्ट्स होते है, उनमें से ज्यादातर सरकारी बसों और सरकारी गाड़ियों के होते हैं इनके चलाने में काफी लापरवाही बतीर जाती हैं आम तौर परदेखने में यह आत है कि ड्राईवर किसी को साथ में बिठाकर बातें करता रहता हैं आप यह भी देखे कि नो स्मोकिग का बोर्ड लिखा हात ाहै, लेकिन वहां पर सिगरेट और बीड़ियां पीते रहते है। आमतौर पर ड्राईवर्ज चलाते समय बाते करते रहते है। ऐसा करना एक्सीडेट्स को बढ़ावा देने वाल बात है। क्या सरकार इस बात का आ वासन देगी कि कंडक्टर्ज और ड्राईवर्ज के लिए कोई रिफरे ार कोर्स चलाया जायेगा। जिससे उनको बोलने की तमी

भी आ सके और वे आपस में बाते न करे, इससे एक्सीडेंट को बढावा मिलता है?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से अपने साथी को यह बताना चाहता हूं कि हमने इसके लिए एक ट्रेनिग स्कूल मूरथल में चालू कर रखा है।

हम ड्राईवर्ज को ट्रेड कर रहे है और ड्राईवर्ज तथा कंडक्टर्ज को यह भी सिख रह`है कि उनको लोगों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए और कैसे पे ा आना चाहिए। हमारा महकमा कौमि ालय डिपार्टमैंट है और इसमें व्यवहार अच्छा होना बहुत जच्री है। स्पीकर साहब, पिछले दिनो कुछ चालक ऐसे भर्ती हो गए थे जिन्होने बहुत ज्यादा ऐक्सीडेन्ट किए है। स्पीकर साहब, जो चालक मैडीकली अनफिट है उनको सारे बैनिफिट देकर रिटायर किया जा रहा हैं इसके साथ साथ पीरियोडीकल चैकपा भी किया जाता है। उनकी आइज भी टैस्ट होती है ओर इसी तरह से जो रै ा ड्राईविग करते है इसको अवाएड करने के लिए स्पीड गवर्नर्ज सभी बसों में लगावा दिए है। जो नई बसिज आनी है। उनके लिए भी कम्पनीज का कहा गया है। ि उनमें स्पीड गवर्नर्ज लगाए जाए। जो ड्राईवर्ज इनको तोड़ते है, उनके खिलाफ ऐक ान लिय ाहै। अब तक 1365 चालान उनके किए है और जुर्माने के तौर पर 81900 रूपया वसूल किय गया है। हमने स्पीड राडार भी लगाए हुए है। स्पीकर साहब, स्पीड आदि और दूसरी चीजों को चैकिग के लिए हम काफी ध्यान दे रह`है ओर हम इ सबात के

लिए सेचत है कि कम स कम एक्सीडेट होने चाहिए इसके लिए जो भी कोि ा ा हमसे होती है वह हम कर रहे है ओर समय समय पर इंस्पैक ान भी करते रहते है।

Provision of drinking water to village Goli

464 Sh. Kirshan Lal: Will the Minister for public Health be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that there is a great shortage of drining water invillage Goli od Distric Panipat; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Government to provide more drinking water to the said village?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री निर्मल सिंह)

(क) जी हां।

(ख) अलग से नलकूप लगाने का प्रस्ताव स्वीकृत हैं

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में इस बात को माना है क हरियाणा के सभी गांवों का पानी नही पहुंच। वैसे वे हाउस में पहले कई बार कह चुके है। कि हरियाणा के सभी गांवों में पीने का पानी पहुंच चुका है। लेकिन जो जवाब दिया है उसे मुताबि गोली गांव मे ंपानी नही पहंचा है। मंत्री जी ने जवाब में कहा है क गोली गांव में अल से नलकूप लगाने का प्रस्ताव स्वीकृत है। क्या मंत्री महोदय बताने की

कृपा करेगे कि जो स्कीम विचारधीन है उस पर कितना अमाउन्ट लगेगा और वह कब तक पूरी हो जाएगी?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, मै फिर दोहराना चाहूंगा कि हरियाणा के सभी गांवों मे ंपीने के पानी पहंचु गया है। जहां तक गोली के गांव का बात है, यह गांव डिडवान के पास पड़ता है। और गोली गो के लोगों को एतराज था कि हम डिडवाना से पानी नही लेगे। वहां के लोगों के पानी के पाइप उखाड़ दिए। इस बारे में वहां के लोगों के खिलाफ मुकदमें दर्ज हुए लकिन दोबारा पाईप लाईन बिछाई गई लेकिन वहां के लोगो ंने झगड़ा किया। इसलिए उनकी जिदको मानते हुए अगल से नलकूप लगाए जा रहे हैं और इसके लिए डेढ लाख रूपया दे दिया है। और अगर और पैसे की जरूरत होगी तो वह भी दे देगे। जहां तक इस स्कीम के कम्पलीट होने का सवाल है। वह इस नए वित्त वर्श में पूरी हो जाएगीं

Sick/Lock out unites in Faridabad

495 Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for labiout & Employemnt be pleased to state—

(a) The number ofIndustrial Units declared “Stick Unit” in Faridabad during the last five years; and

(b) The number for industrial units declared lock out during the ydar 1991-92 in Faridabad?

श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (श्री कृश्ण मूर्ति हुड्डा):

(क) दस, श्रीमान जी।

(ख) सात, श्रीमान जी।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, एक तरफ ता सरकार कहती है कि उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। और इसके लिए मुख्यमंत्री जी विदे ाों में भी गए है। मै सरकार को कहना चाहता हूं कि अगर उसके नोटिस में यह आताहै फि फला यूनिट सिक है। तो उसका ग्रांट आदि देकर या और सहायता करके चालू क्यों नही किया जाता? मै मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जो सिक यूनिटस है, क्या उनके बारे में सरकार अलग से कोई कार्यवाही करके उनको दोबारा चालू करवाएगी?

श्रीकृश्ण मूर्ति हुड्डाः स्पीकर साहब, इन्होने जो फरीदाबाद के बारे में क्वै चन किया है, उसक बारे में जवाब दिया गयाहै। कि दस यूनिटस सिक थे, लकिन आठ यूनिटस के बारे ेंक ार्यवाही हा चुकी है ओर बाकी क जोदो चूनिटस हे, उनके बारें में एक महीने में कार्यवाही हो जाएगी। जिन आठ यूनिटस में कार्यवाही हुई है, वे सुचारू रू५ से काम कर रहे है।

श्री अमर सिंहः स्पीकरसाहब, के 'बी' पार्ट मैं पूछ गया था– "The umber of industrial units declared lockout during the year 1991-92 in Faridabad" और जवाब यह दिया है कि सात में लौक आउट डिक्लेयर किया गया था। मै यह पूछनाचाहता

हूं कि इन साता मेंसे कितनेकाम कर रहे है। और कितनां में अभी भी लौक आउट है?

श्री कृश्ण मूति हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, जब सात के सात काम कर रहे है। अगर माननीय सदस्य उनकी डिटेल चाहे है तो मै बता देता हूं—मै0 सोवरिन निट वर्कस और इनकीसहयोगी संस्था मै0 फैन्सीनाइलोन फैबक्सि मैनुफैक्चरिग फरीदाबाद उनमें तालाबन्दी का कारण श्रमिकों द्वारा अनु ाासनहीनता थी, मै कैल्वीनेटर आफ इंडिया लि0, फरीदाबाद में लगभग 90 श्रमिकों को निलम्बित करने के कारण श्रमिकों ने टूटल डाउन हड़पाल की। यह तालाबन्दी 25.05.91 से 17.05.91 तक रही। उसके बाद 03.10. 91 से 03.02.91 तक तालाबन्दी रही। उस समय प्रबन्धकारिणी के अधिकारीगणों को श्रमिकों द्वारा घेरवा किया गया। उनकी हिन्सात्मक धमकियों के कारण प्रबन्धों को तालाबन्दी घोशित करनी पड़ी।

मै खेतान इलैक्ट्रीकल्ज फरीदाबाद में 05.08.91 से 08. 01.92 तक तालाबन्दी रही। इस का कारण यह था कि श्रमिकों द्वारा आ वासन दिये जाने परभी उत्पादन लक्ष्य पूरा नही किया तथा अनु ाासनहीनता भी की।

मै0 के0 जी0 खासला कम्प्रसेर्ज लि0 फरीदाबाद तथा इसकी दो सहयोगी संस्थाओं में मै0 दीपक न्यूमैटिकस प्रा0 लि0, फरीदाबाद तथ ामै0 के0 जी0 खोसला फाऊन्डरी, फरीदाबाद में

श्रमिकों ने मांग की थी कि बरखास्त श्रमिकों को काम परवापिस लिया जाए लेकिन श्रमिकों ने सुरक्षा अमले पर हमला किया। तदप चात प्रबन्धकों ने उनसे अच्दे व्यवहार के बारे में लिखित आ वासन मांगा। जिसके लिए श्रमिक सहमत नही हुए ओर जबरदस्ती संस्था में प्रवे ा कर गए। इन्ही कारणों से प्रबन्धों ने दिनांक 05.09.91 को तालाबन्दी घोशित करदी।

मै0 एलसन काटन मिल्ज, मथुरा रोड़ फरीदाबाद में 19. 10.91 से 1902.92 तक तालाबन्दी रही। श्रमिकों ने सामूहिक मांग पत्र को मनवाने के लिए धीमी से उत्पादउन करना। आरम्भ कर लिया,तब प्रबन्धों ने तालाबन्दी घोशित कर दिी। मै हितकारी पोट्रीज लि0 फरीदाबाद में 12.01.92 से 15.05.92 तक तालाबन्दी रही। जिसमें श्रमिकों द्वारा निदे ाक,वक्स के साथ हाथापाई की गई।

मै ओसवाल स्टीलज एण्ड जनरल वर्कस फरीदाबाद में 13.01.92 से 11.02.92 तक तालाबन्दी रही। प्रबन्धकों द्वारा समय पर वेतन न देने के कारण श्रमिक ने छः घंटे तक उनका घेराव किया। इस कारण से प्रबन्धकों ने तालाबन्दी घोशित कर दी।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अभी मत्री महोदय ने जिन सात उद्योगों का नाम लिया है। वे फरीदाबाद जिले के माने हुए उद्योगपतियों में से हैं स्पीकर साहब, अगर श्रमिकों को अपना पूरा हक नही मिलेगा, मजदूरों को समय पर अपना वेतन

नही मिलेगा तो बेचारे अपनी फरियाद प्रबन्धकों को किसी न किसी ढंग से ही करेगे। वे अपने रिजन्टमेंटन ही भाो करेगे। मै मंत्री होदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या प्र ाासकों और अधिकारियों की मिलीभगत के कारण ही इन सात उद्योगों में इस तरह कावातावरण पैदा हो गया था? यदि ऐसा है तो क्या सरकार ने ऐसे अधिकरियेां केखिलाफ भी कोई कार्यवाही की है या सिर्फ मजदूरों और श्रमिकों के साथ ही इसतरह के भेदभाव की नीति बरती गई है? दूसरे क्या सरकार दोशी अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही करने का विचार रखती है। ओर क्या इसके लिए किसी अधिकारी को भी जिम्मेवाद ठहराया गयाहै या नही?

श्री सतबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने 7 उद्योगों का यहा ंपर जिकर किया, जहां जहां आउट हुआ था। मै इनसे यह जानना चाहता हूं कि ये सातों के सातों यूनिटस जिनका अभी इन्होनें नाम लियाहै क्या फैक्टरी एक्ट के तह, प्रदूशण के रख रखाव के तहत सभी प्रकार की फरमैलिटीज पूरी करते है या नही और उनमें सारा काम ठीक तरीके से हो रहा है या नही?

श्री अध्यक्षः इस प्र न का मूल प्र न से कोई सम्बन्ध नही है।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपनी लिखित उत्तर में यह बताया है कि पिछले 5 सालां से 10

औद्योगिक इकाईयां ऐसीा है जिनको सरकार ने बीमार घोशित कर ररखा हैं और 1991–92 के दौरान 7 औद्योगिक इकाईयों में तालाबन्दी हुई। दूसरी तरफ पिछले दिनों मुख्य मी महोदय बाहर के दे ाों में हो कर आये हैं ओर एन0 आर0 आई0 इकाईयों कै बारे में बाहार के दे ाों में रहने वाले भारतीयों से रिक्वैस्ट करके आये है कि हमारे प्रांत में जाकर इकाईया लगाए तो मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इनकाजो लिखित उत्तर है सह मुख्य मंत्री जी की घोशणा और वे बाहर के मुल्कों में जा कर के आए है। उससे कोई मेल खाती है? क्या यह इनकी कथनी का प्रतिवाद नही है?

श्री कृश्ण मूर्ति हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, हम पहल ही क चुके है जिन जिन औद्योगिक इकाईयों में लौक आउट हुआ था, वे अब सारी की सारी सुचारू रूप से चल रही हैं अब सारी सटेट में इसवक्त कम्पीट पीस है।

श्री राजेन्दे सिंह बिसला: स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि फरीदाबाद में कैलवीनेटर तथा एलसन काटन मिल्ज जैसे फैक्ट्रीज में कई कई हजार मजदूर काम करते है। जिन गरीब मजदूरों को कई कई महीनों और वर्शो से तनखाह नही मिली है तो उनके लिए इनके विभाग ने क्या कदम उठाए है? क्या ये कोई ठीक निर्णय लेकर उनको तनखाह दिलानक का इतजाम करेगे?

श्री कृश्ण मूर्ति हुड्डाः स्पीकर साहब, यह सवाल मेल सवाल से संबंधित नही है लेकिन फिर भी अगर इनके नोटिस में ऐसीकोई बात है कि इन इन मजदूरों को तरखाह नही मिली है, तो हमे बता दे, अगर लीगली उनका हक बनता होगा तो हमउन्हें दिलएंगे। वैसे लौक आउट के दौरान तनखाह नही मिलती।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः स्पीकर साहब, वहां पर एलसन काटन मिल है, वहां के मजदूरों को बहुत लम्बे समय तक तरखाह नही मिल। मै जानना चाहता हूं कि आखिर लेबर डिपार्टमैंट की कोई पोलिसी होगी कि जा मजदूर 1500 रूपये महनी पर काम करताहै और अगर उसको 6 महीने तक तनखाह नही मिलेगी तो उसकी रोटी कपड़े का क्या इन्तजाम होगा। क्या इसके बारे में आपके महकमें की कोई पालिसी है, अगर है तो क्या वह इम्पलीमैंट हुई है या नही?

श्री कृश्ण मूर्ति हुड्डाः स्पीकर साहब, अगर कही बोनस की वजह से या स्ट्राईक की वजह से लौक आउट हो गया तो डिपार्टमैंट मामले को लेबर कोर्ट/ इंडस्ट्रिलय ट्रिब्यूनल को रैफर कर देता है। वंहां से प्रोहिब्ट होने पर लौक आउट खुल जााहै। आगे डिपार्टमैंट उसे अनुसार काम करती है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जब लौक आउट हो जाता है तो बाकायदा उसमं देखा जात है कि लौक आउट लीगल है या इल–लीगल है। अगर लौक आउट

लीगल हो तो पे नही मिलती ओरअगर लोक आउट इल लीगल होतो पिछले पीरियड की भी बाकायदा तरखा दी जाती है। तो इसमें लीगल और इल लीगल वाली बात है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि लौक आउट होने के बाद मामला ट्रिब्यूनल को रैफर करते है और अगर लौक आउट गलत हो तो उसको प्रोहिब्ट कर देत है। अभी मुख्य मंत्री जी ने क्लीयर किया कि अगर लौक आउट इल लीगल हो तो पीछे की भी तनखाह मिलती है। तो मै यह जानना चाहता हूं कि ये जो सारी लौक आउट हुए इनमें ज्यादा नही तो 20 हजार लेबर जरूर होगी। ये लौक आउट कितने दिनतक रहे है ओर ये लीगल थे या इललीगल थे। जो लौक आउट इल लीगल थे क्या वहा पर मजदूरों को उन दिनों की तरखाह मिल गई है या नही?

श्री कृश्ण मूर्ति हुडडाः स्पीकर साहब, इनमें सोवरिन निट वर्कस व इसकी सहयोगी संख्या में 215 श्रमिक प्रभावित हु। इसमें 27.02.89 को लौक आउट आरमी हुआ और 19.10.92 को समाप्त हुआ। केवल इसी संख्याका लौक आउट इल लीगल था बाकी 6 संस्थाओं के लौक आउट लगी थे। राज्य सरकार ने अपने आदे ा दिनांक 19.04.89 द्वारा सोवरिन निट वर्कस में तालाबन्दी के जारी रहने पर प्रतिबन्ध लगा दिया। प्रबन्धक इस मामले को उचच न्यायालय में ले गए तथा तालाबन्दी पर प्रतिबन्ध लगाने को आदे ाों पर स्थगन आदे ा प्राप्त कर लिए। श्रम विभाग ने

मध्यस्थता करके श्रमिकों तथा प्रबन्धकों के मध्य एक समझौता करवाया तथा समझौते के अनुसार प्रबन्धकों ने याचिका को वापिस ले लिया। समझौते के अनुसार श्रमिकों ने प्रबन्धकों से अपना हिसाब चुकता कर लिया तथा वे अपनी इच्छा से सेवाए छोड़ कर चले गए।

Upgradation of Schools

504. Ch. Balwant Singh Maina: Will the Minister for Education be pleased to state whetehr there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Middle School for Boys and Girls of villages *Sampla Kharwar and Ismaila* into 10+2 system school; if so, the timeby which aforesaid schoosl are likely to be up-graded?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): जी नही।

चौधरी बलवंत सिंह मैना: स्पीकर साहब, मेरा जो भी कैवै चन लगात है, उसके बारे में बहन जी, का 'न' में जवाब होता है। स्पीकर साहब, सरकार की पालिसी है कि हरि लडत्रकीाको ि ाक्षित करना है तै बहन जी से जानना भी चाहूगा और बहन जी यह आ वासन भी देगी कि इस साल नही तो क्या अगले साल साम्पला के लड़कियों के स्कूल का दर्जा बढ़ा कर 10 जमा 2 प्रणाली के नार्म्ज भी पूर नही करता, फिर भी चल रहा है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठी: स्पीकर साहब, मेरे माननीय भाई ने मेन सवाल में यह पूछा है कि लड़कियों के माध्यमिक

विद्यालय का दर्जा बदा कर 10 जमा 2 प्रणाली में करनका कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन हैं मै इनकों बताना चाहूंगी कि माध्यमिक विद्यालय 'मिडल' स्कूल को कहते है और मिडल स्कूल पहले हाई स्कूल में अपग्रेड होता है। और हाई स्कूल 10 जमा 2 प्रणाली में अपग्रेड होता है। माननीय सदस्य की बात मेरीसमझ में नही आई कि ये वहा पर क्या बनवानाचाहते है।

चौधरी बलवंत सिंह मैनः स्पीकर साहब, बहन जी मेरे हल सवाल का जवाब 'न' में देती है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः यदि आप हर बाल सवाल ही गलत पूछते है तो हम क्या करे?

श्री धीरपाल सिहः बहन जी माननीय सदस्य ने 10 जमा 2 प्रणाली के स्कूल के बारे में पूछा है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः मेन सवाल में क्या लिखा है आप वह पढ़े।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जो सवाल लिख कर आपके आपिफस में दिया था वह सवाल आप मंगवा क देख लो उससे पता लग जाएगा कि इन्होने असली सवाल क्या पूछा था।

Opening of High Schools for Girls

Sh. Ram Kumar Katwal: Will the Minister for educatio be pleased to stae whether there is any proposla under consideration of the Government to open High Schools for Girls at Alewa an dNagura in Distric Jind; if so, the time bywhich the said schools are likely to be opned?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): जी नही।

श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर साहब, अलेवा में उच्च विद्यालय बना हुआ है, लेकिन बहन जी ने जवाब में 'न' में दिया है। यह बडे कमाल की बात है, स्पीकर साहब बहन जी रात को सवाल पढ़ती नही और जवाब लिख दिया कि नही जी। वहां पर स्कूल पहले सही बना हुआ है।

श्री धीरपाल सिंहः सरकार की तरफ से बहन जी के पास इस सवाल के बारे में जो सूचना आई है, वह हाउस को गुमराह करने वाली है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, इन्होने सवाल पूछा है कि क्या जिला जींद के अलेवा तथा नगूरा में लड़कियों के लिए उच्च विद्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है, यदि ऐसा है तो कथित विद्याय कब तक खोले जाने की संभावना है? इसके जवाब में मैने बताया ह किवहां पर लड़कों का उच्च विद्यालय पहले से ही है। (विध्न एवं भाोर) ये यह सवाल करते कि क्या अगले साल कोई स्कूल अपग्रेड करने का विचार है या नही, तो बात अलग थी। इनको मै तबा देना चाहती हूं कि

चालू साल यानि 1992–93 में कोई स्कूल अपग्रेड करने का विचार नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हूं कि सवाल भी गलत पूछा गया है और जवाब भी गलत दिया इन्होने यह पूछ है क्या नूगरा तथा अलेवा में लड़कियों के लिए उच्च विद्यालय खोलने का विचार है या नही, जवाब इन्होने 'नही' में दिया है। मेरी गुजारि ा इसमें यह है कि विभाग या तो सवाल को अच्छी तरह से पढ़ता नही। (विध्न) इसमें बहन जी को कोई कसूर नही हैं यदिसवाल को ठीक तरह से पढ़ कर विभाग जवाब तैयार करता तो यह बात न हाती। यह बड़े अफसोस की बात है कि विभाग सवालों को ठीक तरह से नही पढ़ता। इसलिए मेरी मुख्यम ंत्री जी से और बहन जी से गुजारि ा है कि विभागों को कहे कि वे सवालों को अच्छी तरह से पढ़ कर जवाब तैयार करें बहन जी ने तोवही जवाब दे दिया जो विभाग ने तैयार करके दिया है। (ाोर एवं विध्न)

श्री अध्यक्षः इसमें 50 प्रति ात सवाल ठीक नही पूछा गया और 50 प्रति ात जवाब ठीक नही दिया गया।

मुख्य मंत्री (चोधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, वीरेन्द्र सिंह जी ने भ और अपने भी यह कहा कि 50 प्रति ात सवाल गलत है ओर 50 प्रति ात जवाब ठीक नही दिया। अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह सवाल किया है है कि क्या जिला जींद के अलावा तथा

नगूरा में लड़कियों के लिए उच्च विद्यालय खोने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है, यदि ऐसा है, तेा कथित विद्यालय कब तक खोले जाने की संभावना है? इसके जवाब में इन्होने कहाहै कि कोई विचार नही है। इसलिए इनकी तरफ से जो जवाब दिया गया है, वह ठीक है। ये यह सवाल करते है कि क्या वहां पर 10 जमा 2 स्कूल अपग्रेड करने का सरकार का विचार है या नही, तो बात समझ आ सकती थी। (ाोर एवं विध्न)

Samples of Insecticides

Ch. Om Parkash Beri: Will the MInister for Agricultue be pleased to state—

(a) The year wise total number of samples of insecticides taken in the state during the period from 1988-89 to date;

(b) Wheter any samples out of the samples as referred to in part (a) above found sub-standard; if so, the number thereof; and

(c) Whether any samples out of the samples referred to in part (b) above were sent tothe Central Laboratoryfor analysis on the request of the Manufactures; if so, the year wise details thereof together with the action taken against those manufactures whose samples were found sub-standard?

Agriculture Minister (Sh. Harpal Singh: (a) to (c) The information is placed on the table of the House.

SATEMENT

Year	No. of samples drawn	No. of samples found sub standard	No. of samples referred to Central Insecticide Laboratory	Persection Lanuched	State of Prosecution			Under Porcess
					Discharged	Penalised	Under Trial	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1988-89	1010	157	70	143	56	5	82	
1989-90	971	128	42	87	29		58	
1990-91	918	79	28	71	22		49	
1991-92	788	16	54	125	21		104	16
1992-93 (Till February,	940	269	56	69	1		68	171

1993								

प्रो राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, अभी कृशि मंत्री महोदय ने सदन के पटल पर जवाब रखा है। स्पीकर साहब, कीटना ाक दवाईयों बहुत महंगी होती है। तथा बड़े पैमाने पर सब–स्टैडर्ड और घटिया दवाईयां मार्किट में मिलती है। कई बार कीटना ाक दवाईयां सरकारी संस्थानों में भी उपलब्ध हाती है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय कृशि मंत्री से जानना चाहता हूं कि हरियाणा में सब स्टैडर्ड कीटना ाक दवाईया मिलने की कोई ि ाकायत करने नोटिस में आई है? यदि ऐसी कोई ि ाकायत आई है, तो कया इन्होन जांच करने के बाद कोई कार्यवाही की है?

श्री हरपाल सिंह: स्पीकर साहब, मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हरियाणा में सबस्टैडर्ड दवाईयां मिलने की कोई ि ाकायत फारमर्ज की तरफ से मेरे पास नही आई है। वैसे गवर्नमैंट का एक सिस्टम है। जिसमें रैगुलरली सैम्पलज की चैकिग की जाती है। जो कीटना ाक दवाईया सब–स्टैडर्ड पाई जाती है, उनकी रिपोर्ट करते है और दोशियों के खिलाफ प्रोसिक्यू ान की जाती है।

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोद ने अपने जवाब में बताया है कि वर्श 1988–89 में 1010, 1989–90 में 971, 1990–91 में 918, 1991–92 में 788 और 1992–93 में 940 सैम्पल लिये अये ओर साथ ही उन्होने यह भी बताया कि 1988–90 में 128 में से 87 के खिलाफ, 1990–91 में 79 सब

स्टैडर्ड में 71 के खिलाफ, 1991–92 में 165 सब–स्टैडर्ड में से 125 के खिलाफ और वर्श 1992–93 में 269 सब–स्टैडर्ड में से 69 के खिलाफ केस कोट्ट में लांच किये गये है जिनमें से 143 में से 56 डिस्चार्ज हो गऐ है और 5 को पैनेलाईज्ड किया गया हैं वर्श 1988–89 में 87 में से 29, 1990–91 में 71 में से 22, 1991–92 में 125 में से 21 और 1992–93 में 39 में से 1 डिस्चार्ज हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो केस डिस्चार्जड हुए है क्या उनकी पैरवी ठीक ढंग से नही की गई ओर जो केसिज अण्डर डिस्चार्जड हुए है क्या उनकी पैरवी ठीक ढंग से नही कीग और जो केसिज अण्डर ट्रायल है वे किस स्टेज पर है, क्या वे अण्डर अपील है, इनि ियल स्टेज परहै य किस स्टेज पर है? अध्यक्ष महोदय, इकेस साथ ही मै मंत्री महोदय के नोटि में हय भी ाना चाहता हूंकि कीटना ाक दवाईयों कै बारे में किसानों की आम ि ाकायत है कि कीट ना ाक दवाईया सब–स्टैडर्ड मिलती है। स्पीकर साहब, मै यह भी जानना चाहता हूं कि जो सैम्पल सब–स्टैडर्ड मिलती है। स्पीकर साहब, मै यह भी जानना चाहता हूं कि जो सैम्पल सब–स्टैडर्ड पाए गए है, उनकी संख्या जो प्रोसिक्यू ान केसिज जांच कि ए गए है, उनसे ज्यादा है, बाकी के सब स्टैडर्ड केसों के बारें में क्या स्थिति है?

श्री हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, बेरी साहब ने कहा है कि इस साल सैम्पलज के ज्यादा नम्बर है और पैन्डिग भी कुछ

ज्यादा है। मै कहना चाहता हूं कि हमने जो आंकड़े दिए है, उससे सरकार की पोजि ान बड़ी स्पश्ट होती है। सरकार ने पिछले साल से ज्यादस सैम्पल लेने की कोि ा ा की है। इस बात का भी ध्यान रखा है कि जिस सैम्पल की रिपोर्ट आये, उस पर कार्यवाही हो। इसमें जो केसिज पैन्डिग है, वे महकमे को कोर्ट में प्रोसीक्यू ान के लिए दे दिए गए हैं प्रोसीक्यू ान के बाद जजिज का जो फैसला आता है, वह हमें मान कर चलना पड़ता है।

Mr. Speaker: Hon. Members, the question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Percentage of Plant Load

Ch. Birender Singh: Will the Chief Minister be pleased to state th epercantage of Plant Load Factor in the Thermal Power Plants of State Electricity Board during July, 1991, to-date?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): जुलाई 1991 से जनवरी, 1993 तक थर्मल पावन स्टे ानों का प्लांट लोड फैक्टर निम्नलिखित था:–

I	फरीदाबाद थर्मल पावरस्टे ान	60.06%

II	पानीपत थर्मल पावर स्टे ान	
	(1) 210 मैगावाट यूनिट	80.14%
	(2) 4X110 मैगावाट यूनिट	31.46%
	(3) समस्त प्लांट का	47.12%
III	राज्य का औसत	49.74%

Construction of a New Bridge

Sathi Lehri Singh: Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) Whethere there is any proposal under consideration of the Government to construct a new bridge on Western Jamuna Canal inVillage Dhanaura, District Karnal; and

(b) If so the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed?

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) हां।

(ख) नए पुल के निर्माण का कार्य 1993–94 के दौरान धन की उपलब्धि पर आरम्भ किया जायेगा।

Ladwa Canal

Dr. Ram Parkash: Will the Minister for Irrigation be pleased to stae whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Ladwa Canal; if so, the time by which it is likely to be constructed/Completed?

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): लाडव नहर को बनाने का परियोजना अनुमान हरियाणा सरकार द्वारा मंजूर कियाजा चुका है, अब तक भारत सरकार द्वारा स्वीकृत नही किया गया। यदि धन की उपलब्धि हुई हौ तो यह कार्य भारत सरकार की अनुमति के उपरान्त भाुरू कर दिया जायेगा।

Construction of Road from Village Hajrawa Khurd to Haripura

Sh. Pir Chand: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a link road from village Hajrawa Khurd to Haripura in district Hisar: if so, the time by which it is likely to be constucted?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): जिला हिसार के गांव हजराव खुर्द से हरिपुरा तक योजक सड़क के निर्माण का इस समय कोई प्रस्ताव नही है।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Construction of Subzo Mandi at Pehowa

Sardar Jaswinder Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposla under consideration of the Government to construct a Subzi Mandi at Pehowa; if so, the time by which the said mandi is likely to be constructed?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिह): जी। उपयुक्त स्थल का चयन किया जा रहा है और मण्डी का निर्माण स्थल अर्जन के प चात किया जायेगा। इस समय यह कहना असंभव है कि कितने निर्धारित समय में मण्डी का निर्माण हो सकता है।

Constructio of a Bridge

Sardar Jaswinder Singh: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on the canal falling on the road from village Meghamajra to Jalbehra in district Kurukshetra; and

(b) If so, the time by which the said bridge is likely to be constucted?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) जी हां

(ख) जिला कुरूक्षेत्र के गांव मेघामाजरा से जलबेहड़ा तक सड़क पर पड़ने वाले पुल का धन रा ि ा की उपलब्धि अुनसार पूरा किया जाएगा।

Construction to Approach Roads in Pehowa Constituency

Sardar Jaswinder Singh: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the metalled approach roads of the following villages of district Kurukshetra?

(i) Sudhpur to Ajrani;

(ii) Salpani Kalan to Bhusatla;

(iii) Jheevarheri to Hasanpur;

(iv) Jandola to Gumthala;

(v) Bherian to Rasu;our Via Madanpur; and

(b) If so, the time by which the aforesaid roads are likely to be constructed/metalled?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) जी नही।

(ख) प्र न उत्पन्न नही होता।

Construction of an Approach Road

Sardar Jaswinder Singh: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state—

(a) Whethere there is any proposal under consideration of the Government to construct an approcach

road from village Ajrank Kalan to Dhirpur Railway Station in Kurukshetra District; and

(b) If so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) जी नही।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

विभिन्न ध्यानकर्शण सूचनओं के बारे में माननीय अध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित सदस्यों को सूचना

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक काल अटैन ान मो ान थी उसके बारे में क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः यह आपने कब दी थी और इसका क्या सब्जैक्ट है?

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह मैने 4 तारीख को दी थी और इसका सब्जैक्ट 10+2 के बच्चों को रोल नम्बर न देने के बारे मं है। रोल नम्बर न मिले तो बच्चों को एक साल खराब हो जाएगा।

श्री अध्यक्षः यह डिस–अलाउ कर दी गई है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैने 2 मार्च को काल अटैन् ान मो ान दी थी। वह मेवात के बारे है क्योंकि वहां पर बहुत भारी तनाव है ओर तीन महीने से उस पर कार्यवाही नही हुई है।

श्री अध्यक्ष: यह डिस अलाउ कर दी गई हैं

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, आपने मुणे कहा था कि मुझे बोलने का टाईम दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसमें मोहम्मद इलियास जी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज है और अजमत खां जी के विरूद्ध भी 307 का मुकदमा दर्ज है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: राम बिलास जी आप बैठ जाए। आपको बोलने का टाईम दिया जाएगा (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतबीर सिंह कादयान: स्पीकरसर, मैने भी पानीपत थर्मल प्लांट के बारे में कालिग अटे ान मो ान का नोटिस आपकी सेवा में दिया है। सर, यह बहुत जरूरी मो ान है।

श्री अध्यक्ष: कादयान साहब, आपने यह मो ान आज 8. 55 पर दिया है, इसलिए यह मो ान अभी अन्डर कंसीड्रे ान है।

प्रो राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, आपने मेरा मो ान डिस अलाउ कर दिया और मैने इसे मान भी लिया.............(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आपको बोलने का टाईम मिलेगा।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकरसाब, यह बहुत अहम मसलाहै, इसलिए हाउस में इस पर आप चर्चा करा दीजिए। (विध्न) स्पीकरसाहब, मंत्रियों ने मन्दिरों को तुड़वा दिया। स्पीकरसाहब, हम पाकिस्तान में नही रह रहे है, हम हरियाणा में रह रहे है। मंत्रियों की यह धक्के ाही नही चलेगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आप बैठिये।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैने और मेरी पार्टी के दूसरे अन्य सदस्यों ने 25 तारीख को एक काालिग अटें ान मो ान का नोटिस दिया था जा कि हरियाण गवर्नमैंट इम्पलाईज को पंजाब के बाराब वेतनमान देने के बारे में था। मुख्य मंत्री जी जहां कही भी इम्लाईज को पंजाब के बराबर वेतनमान देने के बारे में था। मुख्य मंत्री जी जहां कही भी इम्लाईज की मीटिग्ज में जाते है, वहां पर यह अनाउंस कर देते है कि आपकी मांगे मान लेगे और इसके लिए इन्होने कम कमेटी के गठन की बात भी कही थी? लेकिन अब ये कहते है कि इम्पलाईज को ये वेतनमान नही मिलेगे

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आपकय मो ान डिस अलाउ कर दिया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकरसर, इसके अलावा मेरा एक और कालिग अटें ान मो ान थाजो कि ऐड्स की बीमारी के बारें में है। यह भ बहुत अह्म मसला है। आज इन्टरने ानल लैवल पर ऐड्स के बारे में चिन्ता हो रही है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आपकय यह मो ान आज ही 1.55 पर अया है, इसलिए यह अन्डर कंसीड्रे ान है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैने और मेरी पार्टी के दूसरे सदस्यों ने एक कालिग अटें ान मो ान का नोटिस दिया था कि आज हरियाणा स्टेट कोआपरेटिव बैक आथिक संकट से गुजररह हहै और इस पर लोगों का वि वास उठता जा रहा है। आज हरकों बैक पंजाब सहकारी बैक से 17.5 प्रति ात ब्याज पर रूपया लेकर लोगों को डिस्ट्रीव्यूट कर रहा है। इसबात से जि का सहकारी इकाईया और मिनी बैक्स सभी चिन्तित है। कि हको बैक के चैक डिसओर हो रहे है। किसान भी बातबात का लेकन चितित है। कि भविश्य में हय जो कर्ज की कि त देगातो कर्ज दुबारा मिल पाएगा या नही। स्पीकर साहब, इसलिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण विशय है।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बैठिये। आपका यह मो ान अन्डर कंसीड्रे ान है।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

जिला फरीदाबाद में 'चेपा' बीमारी के कारण सरसों की फसल नश्ट होने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of calling attentionmotion No. 14 frp, Sj/ LaramSomgj Dalal, M.L.A. regarding damage of sustared crop dude to "chepa" disease in District Faridabad, I admit it. He may please reads his calling attention notice.

श्री कण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै इस समहान सदन का ध्यान कए अत्याव यक लोक महत्व के विशया की ओर दिलाना चाहता हूं कि जिला फरीदाबाद में पलवल, हथीन एंव होडल के इलाके में सरसों की फसल में 'चेपा' नामक भंयकर रोग लग गया हैं जसके परिणामस्वरूप सरसों की फसल को बड़ा भारी नुकसान हो रहा है। सरकार द्वारा इस भयंकर बीमारी को रोकने के लिए अभी तक कोई भी उपाय नही किए गए है। इसके कारण जिला फरीदाबाद के लोगों में भय व्याप्त है। अतः मै सरकार से निवेदन करता हूं कि सरकार द्वारा इस बीमारी को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों के संबंध में वह सदनप में एक वक्तव्य दे।

वक्तत्वय–

कृशि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now, I would request the Agriculture Minister to make a state mend.

Agriculture Minister (Sh. Harpal Singh): Sir, the total area under mustered crop in Haryana during the current year is about 7.0 lakh hectare. The area covered under mustard crop in district Faridabad is 22000 hectare.

The State have provided subsidy at the rate of 50% of recommended pesticides. The state Government has made a provision of Rs. 20.00 lakhs for Plant Protection equipments which is quite adequate to meet any exigency of pests and diseases.

The Agriculture Department, Haryana Agricultural University Hisar and Central Integrated Pest Management Centre, Faridabad are keeping a surveillance to protect mustered crop from aphid in particular and other pests and disease in general. The Agriculture Department has constituted surveillance teems consisting of Assistant Plant Protection Office and Entomologist of CCS., Haryana Agricultural University, Hisar at district level. This team sends weekly report to the Directorate of Agriculture on the incidence of pests and decease on mustered crop. These weekly reports are coming regularly. The incidence of aphid on mustard crop in Faridabad district has not crossed economic threshold level. The pest of aphid had been under control and there is no damage of any significance due to this pest.

The department has brought out posters and issued warning about the possible spread of aphid to the farmers. The field officers of Agriculture Department have taken timely action and advised the farmers to spray phosphanmidon, dimethoate and Metasystox on mustard crop and the aphid

has been effectively controlled. Therefore, it is incorrect to say that the mustard crop has been damaged badly be aphid.

Thus, the state Government has made adequate arrangements for necessary input for the oilseeds crop this year well in time and it is hoped that there will be a record production of oilseeds.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी के विभाग के अधिकारियों ने जैसी रिपोर्ट भेजी है, वैसी ही पढ़ दी। मै आकपे माध्यम से ंमंत्री जी को बताना चाहता हूं कि अगर ये वकाई सही तरीके से इस इलाके का मुआयना कराते तो पता चलता कि जितना सरसा की फसल को 'चेप' की वजह से नुकसान इस साल हुआ है, वह भाायर पहले कभी नही हुाअ। इन्होने एक बात कही कि कृशि वि ववविद्यालय, हिसार की तरफ से एक टीम किसानों की सुविधा क लिए है। कृशि ज्ञान केन्द्र की कुछ क्षाखाएं पलवल में हुआ करती थी, जो किसानों को समय समय परफसलों में होने वाली बीमारियों के बारे में बताया करती थी। ये भााखाएं पलवल में पिछले 10–15 साल सक कमा कर रही थी, उन्हें अधिकारी मिली भगत से पलवल से फरीदाबाद ले आए। मै दावे के साथ कसता हूं कि पलवल में पहले की तरह यह कृशि ज्ञान केन्द्र होता तो हमारी सरसों की फसल को नुक्सान न होता। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि कृशि ज्ञान केन्द्र को, जो अधिकारी पलवल से फरीदाबाद ले आए है, उनके खिलाफ कोई कार्यवाही होगी?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर सर, दलाल जी ने जा`बात कहीळ, उसके बारे में सरकार ने सारे आफिसर्ज को टाइमली इंस्ट्रक ांज दी थी कि सरसो की फसल खराब न हो, इसकी तरफ ध्यानदेना हैं फारमर्ज को टाइमली एडवाइज करना है। एवं कौन से पेस्टीसाइड इस्तेमाल करने है। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्र न यह है कि कृशि केन्द्र पलवल से फरीदाबाद ले आए, उसकी क्या वजह है?

श्री हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह जो कृशि ज्ञान केन्द्र की बात करते है, यह कब बलजा है,म`रे नोटिसम` ंनही हैं जहां तक फारमर्ज को सहूलियतें देनक ी गात है। फैसिलटीज देने की बात है, जितने भी वहां मिनी बैक है, उनकी यूनिट है, वहां पेस्टीसाइड्स अवेलेबल है। हैफैड की तरफ से और एग्रो–इंडस्ट्रीज की तरफ से भी अवेलेबन हैं बाकायदा एक दो ओफिसर्ज की डियूटी भी लगी हुई है। वे किसानों को बाकायदा दवाईयों के बारे मं रिकोमैडे ान करते रहते है। इसके लिए एक डिस्ट्रिक्ट में प्लांट प्रोटैक ान अफसर होता है। और दूसरा युनिवसिटी का साइंटिस्ट है, ये हर डिस्ट्रिक्ट में हाते है, इन दोनों औफिसर्ज की बाकायदा यह डियूटी होती है कि वे इस बारे में डयरैक्टोरेट को वीकली रिपोर्ट भेजे कि फसल का क्या पोजी ान है ओर अगर नुक्सान है तो इसके लिए सरकार ने क्या करना हे? कुछ परसैन्ट नुक्सान तो होता ही है। वैस्टर्न कन्ट्रीज में भी पाच–दस परसैट नुक्सान तो

क्राप्स में डिजीजिज की वजह से होता ही है। चाहे आप कितनी भी कार्यवाही कर लो। मै अब यह कहना चाहता हूं कि सरसार की फसल कट गयी है। इससाल की फसल में पिछले साल के मुकाबले नुक्सान कम हुआ है। और प्रोडक ान पिछले साल से ज्यादा हुई है।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पुनः अनुरोध करना चाहता हूं कि अब की दफा हमारे इलाके मेंसरसो की फसल में महज इस वजह से नुक्सान हुआ है कि कृशि ज्ञान केन्द्र, जो पहले पलवल में 10—15 साल सेथा, वह अब वहां से फरीदाबाद चलागया है। पहले तो किसान पलवल भाहर में आकर अपनी फसल में हो रहे नुक्सान से बचने के लिए जानकारी ले लिया करते थे ओरदवाई वगैरह डाल लेते थे लेकिन अब वहां पर कृशि ज्ञान केन्द्र न होने की वजह से यह पता नही चलाता कि उन्हें क्या करना ळै। इस बारे में अब उनकीो जानकारी देने वाला कोई नही है क्योंकि कृशि ज्ञान केन्द्र फरीदाबाद में चला गया है। फरीदाबाद में कोई किसान जाता नही है वहां पर भी है या नही, इस बारे मं लोगों का पता नही है। उनको यह भी पता नही है कि यह कृशि ज्ञान केन्द्र पलवल से फरीदाबाद में चला गया है या कही और चला गया है। दूसरा मेरा अनुरोध यह है कि 'चेपा' की वजाह से अब की दफसा सरसों की फसल को काफी नुक्सान हुआ है। मै कल ही गांव में गया था, वहां देख कर आया हूं कि अग की बारजो सरसों खेत से कटर

आयी है वह बहुत घटिया किस्म की है। वहां का किसान जब उसे मंडी में लेकर गया तो व्यापारियों ने उसकी कम कीमत लगायी, जिसकी वजह से किसान अपनी सरसों को उठाकर अपने घरों में वापिस ले आये। मै मंत्री महोदय से यह अनुराध करना चाहता हूं कि 'चेपा' की वजह से ओर अफसरों के गैर जिम्मदाराना व्यवहार के कारण सरसों की फसल का जो नुक्सान हुआ है, क्या सरकार उसके लिए किसानों को राहत देने बारे विचार करने के लिए तैयार है?

सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन

प्रो0 सम्पत सिहः सर, मेरी एक सबमि ान है। मेरी सबमि ान यह है कि बजट पर चूंकि आज डिस्क ान का लास्ट दिन है। ओर फाईनैस मिनिस्टर साहब ने भी आज जवाब देना है, इसलिए मै आपसे अपील करता हूं कि हाउस के टाइम को बढ़ाया जाय। बजट पर हमारी पार्टी का कोई एक आध मैम्र की आज तक बोला है ओर आज के फाइनैस मिनिस्टरसाहब ने जवाब भी देना है। इसका मतलब यह हुआ कि अब बजट पर डिस्क ान ही नही हुई तो रिप्लाई में भी आनन्द नही आयेगा क्योंकि बजट तो केवलइस हाउस में पढ़ा ही गया है और उस पर कोई बहस तो हुई नही है। इसलिए मै आपेस अनुरोध करता हूं क हाउस की कान्फीडैंस में लेकर कम सक कम दो दिन के लिए हाउस को आगे बढ़ा दिया जाए। अगर आप ऐसा करेगते तो दो दिन के लिए बजट पर डिस्क ान हो जायेगाी ओरऐसा करना बहुत अच्छा

रहेगा। आखिर बजट सै ान है, बजह सै ान में बजट पर डिस्क ान न हो, यह कोई अच्छी बात नही है। फिर अखबारों में भी आब्जलवे ान आयी है। कि बजट पहली बार बिना डिस्क ान के पास हो रहा है। इसलिए मेरी आपसे गुजारि ा है कि दो दिन बजट परि डिस्क ान करवा ले।। तब फाईनैस मिनिस्टर साहब, अगर जवाब दे दें तेा ज्यादा फ्राूटफुल रहेगा।

श्री बंसी लालः जो भी लीडर आफ दि अपोजी ान ने कहा है वह ठीक है। क्योंकि बजट के ऊपर पहले तो श्री बलवन्त सिंह बोले है। ओर अब बहिन चन्द्रावती बोल रही है, और कोई नही बोला है। न तो ट्रेजरी बैन्चिज का कोई मैम्बर बोला है और नह ही अपोजी ान का कोई मैम्बर बोला है। मै समझता हूं कि सै ान को दो दिन बढ़ा देना चाहिए ताकि सभी मैम्बर्ज को अपनी कांस्टीचुएन्सी के बारे में कहने का मौका मिल जाए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, यह हाउस कितने दिन चलेगा, इसके बारे में बाकायदा बिजनैस एडवाइजरी कमेटी में डिस्क ान करने के बाद तय किया गया था। चौधरीसम्पत सिंह भी उसमें भााामिल थे। इनके सामने सारी बातें तय हुई थी लेकिन माहौल ऐसा हो गया हो गया था कि बजट पर डिस्क ान का टाईम कम मिला है। मेरा सुझाव है कि हाउस का एक एक घंआ रोज बढत्रा दिया जाए। मेरा एक ओर सुझाव भी है कि जैसे बृहस्पतिवार दिनांक 11 मार्च, 1993 को नौन औफि ियल डे है, उस दिन वाही पिछले वाला मामला डिस्क्स

होना है। इसलिए उस दिन को औफिि ायल डे मेंब दला जा सकता है।

श्री बंसी लालः ठीक है हमें कोई एतराज नही है। मै यह भी कहना चाहता हू कि एक घंटे की बजाए रोजाना दो घंटे का समय बढ़ा दिया जाए। ऐसा करने से मैम्बर्ज को अपनी कांस्टीचुएन्सी के बारे में समस्याएं सामने रखने का मौका मिल जाएगा।

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि एक घंटा रोजाना बढ़ा दिया जाए और यह यह भी सुझाव आया कि दो घंटे का समय बढ़ा दिया जाए लेकिन स्पीकर साहब, फाईनैन्स मिनिस्टर का रिप्लाई तो आज आ जाएगा।

चौधरी भजन लालः रिप्लाई एक दिन आगे चला जाएगा। नौन–औफिि ायल–डे को अगर औफिि ायल डे में बदल दिया जाए तो रिप्लाई एक दिन आगे चला जाएगा।

श्री अध्यक्षः क्या यह बात सक बाक मंजूर है? ऐसा कर ले?

आ**वाजेः** ठीक है जी, करलो।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि डिमाण्डज तो कुल के लिए रखी हुई है, अगर रिप्लाई कल पर जाएगा तो डिमांड अगले दिन के चली जाएंगी। मतलब यह है कि कल दिनांक 10 मार्च, 1993 को

जवाब आएगा तो डिमाड पर बहस 11 मार्च, 1993 को परसो की जाएगी।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, जो बजट का रिप्लाई है वह कल की बजाए परसों दे दिया जाए तो अच्छा रहेगा। ऐसा करने से बस को मौका भी मिल जाएगा।

वर्श 1993–94 के बजट परसामान्य चर्चा (पुनराम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Member, now general deiscussion on budget estimates for the year 1993-94 will take pleace. Smt. Chandrwati was on her legs. She may please reesume her specch.

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): स्पीकर साहब, बेकारी दूर करने के लिए इन्होने 46500 नवयुवक और नवयुवतियों को जौब देने के बारे में कहा है। स्पीकरसाहब, इससे क्या होगा। जब एक लाख नवयुवक ओर नवयुवतियां बेकार है तेा इतने थोड़े से जौब देने से समस्या कैसे हल होगी। स्पीकरसाहब, बजट में फोकल गांवों में उद्योग–कुंज स्थापित करने की बात कही गई है। फोकल विलेजिज मैं बेकार लड़के लड़कियों के लिए कुछभी नही किया गया है। यह बात ठीक है कि उद्योग कुंज नाम बहुत खूबसूरत लगता है। लेकिन काम कुछ भी नही होगा क्योंकि इसके लिए अलग से कोई रूपया नही रखा गया है।

स्पीकर साहब, अब मै ट्रांसपोर्ट के बारे में कहना चाहती हू। इसमें कहा गयाहै कि हमारी ट्रांसपोर्ट हिन्दुस्तान में

सब से अच्छी है। स्पीकर साहब किसी जमाने में थी, यह बात ठीकहै लेकिन मै कहना चाहती हूं कि लोहारू कांस्टीचुएन्सी में दादरी आताहै। दादरी डिपों में हरियाणा की जितनी टूटी फूटी बसजि थी, वे सब दादरी डिपों में भेज दी गई। जब लोग उनबसजि में चढ़ने लगते है। तेा उनके कपड़े फअ जात`है। उस बसिज में खिडकिया ओर दवाजे तक नही है। लोग सर्दी में ठिठुरते रहते हैं स्पीकर सहाब, हरियाणा प्रदे ा में जितनी खराब बसिज थी, वे सभी रद्दी बसिज दादरी डिपों में भेज दी। अगर मेरा कहना गलत हो तो मुख्यम ंत्री जी वहां जाकर इंस्पैक ान करसकते है। स्पीकर साहब, वहां पर जो बेकार लडत्रके है, उन्होने बैन और जीप्स चला रखी है लकिनवे चार दिनचालती है और छः दिन ख़ी रहती है। इसका कारण यह है। कि पुलिए वाले उनको तंग करते है। मेरी गुजारि ाहै। कि उन वैन्ज को रैगुलइज कर दे।, उनके परमिट रैगुलर कर दें। जो लडके उनजीपस व वैन्ज को रैगुलराइज कर दें, उनके परमिट रैगुलर कर दें जो लड़के उन जीपस व वैन्ज को चलाते है, सरकार उन्ही को रूट्स परमिट दे लेकिन रूट्स परमिट की जो भार्ते सरकार ने लगा रखी है, वे बहुत ही ज्यादा हैं बहुत से लोग जीपस व वैन्ज को चला रहे है, वे बिना किसी कानून के ही चला रहे और और जिस कारण से पुलिस वाले भी उन से पैसे खाते है। ओर ट्रांसपोर्ट वाले भी पैसे खाते है। इसलिए मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है जो जो लोग नवयुवक अपनी जीपस या वैनज चला हरे है, चहो कैसे भीवे चाल रहै, उन्ही को हभ सरकार लीगेलाइज कर दे ताकि जिन बेरोजगारों

ने दो दो लाख रूपये में फाइनैन्स करके या कही ओर से पैसे ल ले कर अपनी गाड़ियां डाली है, वेअपनी रोटी रोजी आराम से, भाराफत से कमा सके ओर पुलिस वालों से ट्रांसपोर्ट वालें से बच सके। उनका अपना रोजगार कासाधन बन सके। सरकार अव य इसओर ध्यान दे क्योंकि ऐसे नौजवानों को परे ाानिया सब से ज्यादा होती है। मेरा इसके साथ साथयह भी कहना है कि ट्रांसपोर्ट में भी इसी करणसे घाटा रहताहै। वरना ट्रांस्पोर्ट विभाग भी घाटे में कभी नही जाएगा। यह जो मेरे पास किताब है इसका मै रैफरेन्स देना चाहती हूं कि यह किताब करप ान और इंऐफी ाीऐन्सी की कहानी स्वयं ही कहती हैं कम्पट्रोलर एंड औडिटर जरनल की रिपोर्ट है। बजट में पैसा नही हैं स्पीकर साहब, ब्रिवरीज इनका अपना कारखाना है। अगर वहां पर किसी वजह से लाईट फेल हा जताी है तो सरकार को वहा पर डीजल ईजन चालने पड़ते है। जिस पर हजारों रूप्ये का रोज का डीजल का खर्च है जोकि फिजूल में चला रखा है। मै मुख्य मंत्री महोदय जी ये यह हूंगी कि उनके पास बहुत से विभाग है। अगर उनके पास समय हो तो वे स्वयं एक बार वहां महीने में एक आध दिन जाकर के देखे कि वहां पर बिजली फेल होने के क्या कारण है जिस की जगह पर उन्हें डीजल इंजनों का इस्तेमाल करना पड़ता है। जिसकी वजह से सरकार को रोज का हजारों रूपये का डीजल का खर्च करना पड़ता है। उनको पता चलेगाकि किस प्रकार वहां पर सरकार कओर से म ाीनरी के ऊपर लाखों रूपया बरबाद किया जा रहाहै। बिजली फेल होने या उसमें घाटा रहने के मुख्यम

कारण करप्‍ ान औश्र इंऐफी ीऐन्सी ही है जिसको सरकार रोकने में नाकाम रही हैं इसीक कारण से सरकार कोनुक्सान भी हो रही हैं एक बात मै और बतानाचाहती हूं। अगर सरकार एक टेन्डर मांगती है। 6 हजारसे ऊपर किलोमीटर के तार का लाइन के कंडक्टर का तो उसमें कोई न कोई कमी छोड़ देगे क्योंकि दोबारासे फिर टेन्डर मंगवाना है। इस तरह से टेन्डश्र काल करने में भी हेराफेरी की जाती है। एक जगह बेईमानी की बात हो तो मै आपको बताऊं लेकिनऐसा तो हर जगह पर ही है। अगर सरकार, यह कहे कि बिजली का रेट पर यूनिट बढद्या देने से कमी पूरी हो जाएगी तो गल्त भावना है चोरी रोक दे, बेईमानी रोक दी जाए ता कभी भी घाटे वाली बात नही रहेगी।

स्पीकर साहब, इसी तरह से आप ऐग्रीकल्चर की ओर देख ले। मेहनाचाहती हूं कि खेती की कोई बात इस बजट स्पीच में कही पर भी नही की गयी हैं सरसा का बहुत बुरा हाल जहै लेकिन मुझ ताज्जुब हाता है कि जब मंत्री जी कह रहे थे कि अब की बार हपले से भी ज्यादस सरसों हुई हो लेकिन सदी के कारण सरसों का ज्यादा नुक्सान हुआ है। बरसात में थोड़ा बहुत गेहूं का जरूर फायदा हुआ हैं थोड़ा बहुत जो चना बोया था, सरसों बोई थी, उसमें तो काफी जगह पर, लोहारू का तो मुझे पता ही है, सर्दी के कारण काफी नुकसान हुआ है। सरसो के पौधे पर मान लीजियेगा कि 1000 फली लगी हुई है तो उसमें से 500 फलों कादाना खराब हो गया है तो वह बेकार हो गई। इसलिए मै

कहती हूं कि अब की बारसरसों अच्छी बोई गई अै क्योंकि किसानों को उससे काफी पैसे मिलते है लकिन उसमें भी इस बार नुक्सान हुआ। दलाला साहब का इसी सम्बन्ध में एक काल अटैन ान मो ान भी था, इसके लिए सरकार लोगों को रियायते दे, यह मेरी सरकारसे रिकवैस्ट है।

ि ाक्षा के बारे में मै कहूंगी कि वोलन्टरी बेसिज पर हर बच्चे को स्कूल जाना चाहिए। सब से पहले तो सरकार को यह चाहिए कि जो रिटायर होने वाले अफसर है, उनको सरकार जिलों में न भेजे क्योंकि न तो वे लोग ऐफी ीिऐन्ट है और न ही वे लोग लास्ट स्टेज में कोई काम ही करना चाहते है क्योंकि उनको केवल रिटायरमैंट का ही फिक्र लगा रहता है। नये रयंग लड़कां को एस0 डी0 एमज0, ए0 डी0 सीज0 वगैरह को जिलों में इसकाम के लिए नियुक्त कीजियेगा। रिटायर होने वाले अफसर चाहे वह एस0 डी0 एमज0, ए0 डी0 सीज0 उनकों जिलों में मत लगाइयेगा। रिटायर होने वाले अफसर की अपने काम में कोई रूचि नही होगी और इससे लोगों को भी और सरकार का भी नुक्सान होगा। उनकी अपना व्यक्तिगत काम करने के अलावा और कोई (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) रूची नही होतीं उनके दिल में लोगों की भलाई की बात नही हरती। इसलिए जो नए लड़के आई0 ए0 एस0 में आए है उनको आप जिला लैवल और डिवीजनल लेवल पर लगाए। उनके अन्दर यह उमंग है कि अगर हम अच्छा कमा करेगे तो हमारा रिकार्ड अच्छा होगा। इसलिए मेरा

सुझाव है कि एडमिनिस्ट्रे ान को ठीक करने के लिए जलां और डिवीजनों मं एफीि ाएंट और ईमानदार लड़कों को लगाना चाहिए। हमारे इलाके में एक लड़का खुराना नाम का था जो कि एस0 डी0 एम0 लगा हुआ था मै एक दो बार ग्रीवैसिज कमेटी की मीटिग में ई थी, वह लड़का बहुत अच्छा था लेकिन उसकों वहां से बदल दिया। कहते है पूत सूपत धन संचय–

अगर आप लड़कों को सपूर बना देगे तो वह क्राइम की तरफ नही जाएगा। इसलिए सपूत बनाने के लिए ईमानदार अधिकारियों की आव यकता है। आज जिसकों आप ि ाक्षा कर रहे है। असल में वह ि ाक्षा नही है। जो मन मं आतौ वैसी किताब लगा देते है। मै तो यह कहती हूं कि जो विदे ाी से किताबों आती है उन्ही की लकर मार यहां पर किताबें छाप देते है। ऐसी किताबों में पूछते है कि टुडरा का रीछ कैसा हाता है। मै कहती कि आप यह क्यो नही पूछते कि हरियाणा का गीदड कैसा होता है। मै चाहती हूं कि अैक्सट बुक्स के लिएबाकायदा एक बोर्ड होना चाहिए जिसमें विद्वान लोग हों और उनका इस जमीन से ताल्लुक हो। वरना तो सारा दे ा बिगड रहा है और बच्चे खराब हो रहे है। अगर हाप यह सोच रहे हैं कि दूसरों के बच्चे खराब होगे हमारे नही होगे तेा यह आपकी भ्ज्ञूल है। इसके बाद मै वित्त मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि आपने म्यूनिसिपल कमेटियों ओर पंचायतों के लिए बहुत ही कम पैसा रखा है। मैने पिछली बार भी कहा था कि कस्बों का बहुत बुरा हाल है और बड़े बड़े गांवों का

भी बहुत बुरा हाल है। चाहे रोहतक के गांव हों, जींद के गांव हो या भिवानी के गांव हों जिन गांवों की 10–15 हजार की अबादी है, अगर उनमें आप सैनिटरी सिस्टम नही करेगे तो काम कैसे चलेगा। गन्दगी की वजह से वहां पर बीमारियों फैलती है। वहां पर आज कोई भी और कैसा भी डाक्टर बैठ जाता है तो उसकी चांदी हो जाती है। इतरी बीमारियों फैल रही है जिनकी कोई हद नही है। मेरा वित्त मंत्री जी से निवेदन है कि सफाई और स्वास्यिक लिएआपको ज्यादा पैसा देना चाहिए। सफाई ओर स्वास्थ्य दो इकट्ठी बातें है जिसके लिए पैसा बहुत कम रखा गया है। मैने यह पहली बार देखा है कि बिना पैसे का बजट पे ा किया गया है। सरकार पर 6845.44 लाख रूपये कर्जा है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगी। जो मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया था उससे मेवात का कोई भला नही हुआ लेकिन उस बोर्ड में जो लोग है उनका जरूर भला हुआ हैं मेवात में एजूके ान नही हैं वहां पर दिल्ली फण्डामैटलिस्टस आ जाते है लेकिन मेवात एरिया में ि ाक्षा बहुत कम है। मुझ पता नही मेवात डिव्ैल्पमैंट बोर्ड किस लिए बनाया है। वह बोर्ड वहा पर डिवैल्पमैंट के कोई काम नही करता है। इसी तरह से डिप्टी स्पीकरसाहब, सरकार ने सो ाल वैलफेयर बोर्ड वीमैन औरचाइल्ड का अलग किया हैं लेकिन उसमं भी किसी का भला नही किया जा रह ै। आंगनवाड़ियों में बच्चों की खुराक के लिए पैसा रखा जाता है, वह

ऊपर ही बंट जात है, बच्चों में किसी भी आंगनवाड़ी में कोई खुराक नही बंटती है।बच्चों के खाने के लिए जो खुराक खरीदी ाजती है, वे पैसा खरदेन से पहले ही बंट जाता है। आंगनवाड़ी का काम बहु अच्दा है। उसके लिए बजट में ज्यादा पैसे का प्रावधान करना चाहिए था।

इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहाबा, मै एक बात वाइल्ट लाइफ और फोरैस्ट के बारे में कहना चाहूंगी। फोरैस्ट जितना लगे उतना ही थोड़ा हैं इजराइल जैसे दे ा के अन्दर कोई पेड़ पौधा नही थाा, वहां पर भी आज हरियाणाली है। हमारे यहां तो जंगल के जंगल काट लिए जाते है। डिप्टी स्पीकरसाहब, गांवों में मुरबाबंदी हो गई हैं इसलिए गांवों में महिलाओं और बुजुगों को भौच आदि जाने के लिए भी गह नही हें गांवों ं जोड़ नही रहे। बरसात का पानी जोहड़ों में इकट्ठा होता था लेकिन अग जोहड ही नही है। मै कहना चाहूंगी कि उसक लिए सरकार को बजट में पैसे का प्रावधान करना चाहिए था ताकि लोगों के काम आ सके। इसके अलावा डिप्टी स्पीकरसाहब मै एक बात यह भी कहना चाहूंगकि हरियाणा के अन्दर दो जी0 टी0 रोड हैं उन पर इतना ज्यादा ट्रैफिक है। कि अगले पांच साल में कोई आदमी उनके ऊपर से लंग नही सकेगा। मैने हमे ाा इस बात पर जो दिया है कि उन दोनों रोड्ज के साथ कैटल कोसिंग्र होनी चाहिए। अगले पांच साल में उन पर से आदमी ही नही को कर सकेगा प ा तो अलग रहा । अपगने रोडज के लिए बजट में

जितने पैसे का प्रावधान किया है, आप मुण्े बताएं कि उससे कितने किलोमीटर लम्बी रोड़ बनेगी। आप ज्यादा करेगे तेा उस पैसे से हिसार और सरिसा में कुछ रोड़ज को चौड़ा कर देगे। रतिया तक कर देगे या रनवाना में बना देगे। इससे ज्यादाऔर कुछ होने वाला नही है। जी0 टी0 रोडज पर कैटल कोसिग का होना बहुत ही जरूरी है। मै कहती हूं कि जिस पतर से भाराबबंदी के लिए एजीटे ान करने पड़ेगे। इन भाब्दों के साथ डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहरण करती हूं। धन्यवाद।

श्री अमर सिंह (बवानी खेडा अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, आज हमारा दे ा बड़े नाजुक दौर से गुजर रहा है। वित्त मंत्री जी ने यह बजट अगेन्ट कोम मैन, अगेन्सट हरिजन ओर अगेन्सट फारमर पे ज्ञ किया है क्योंकि इसमें किसी भी वर्ग का ख्याल नही रखा गया। डिप्टी स्पीकर साहब, आज हर जगह क्रप् ान का बौलबाला है। क्रप्शन कीवजह से दे ज्ञ में आज हाहाकार मच रही हैं आज पौलिटिकल आदमियों की कोई कीमत नही रह गई है People have no faith in political persons जब लोगों को पोलिटिकल आदमियों पर से वि वास उठ जाता है तो वायलेंट रैवोल्यू ान आता है। मै क्रप्शन का बोलबाला इसलिए कह रहा हूं कि आज के दिन हर काम पैसे से हो रहा हैं मिनिस्टर साहब के टैलीफोन से काम नही होता बल्कि 50/– देने के काम हो जाता है। कहने का मतलब यह है कि टैलीफोन एक तरफ और

पैसे एक तरफ। जब पैसा ही हर काम के लिए एक फार्मुला बन जाये तो यह बहुत ही गम्भीर चिन्ताजनक विशय हो जाता है। हम पोलिटिकल आदमियों को एम0 एल0 ए0 या मिनिस्टर बन कर खु ा नही होना चाहिए। हमें इस बात को गहराई से सोचना चाहिए कि हम भविश्य में यूथ को ओर आने वाली पीढ़ी को कया देने जा रहे है। एकवक समय था जब दे ज्ञ के लिए औलाद कुर्बान की जाती थी ओर आज औलाद के लिए प्रांत व दे ा को कुर्बान किया कजा रहा है। अगर कोई मंत्री है तो कहता है मेरे बच्चे के पास एक कार है तो दो कार होनी चहिए, एक कोठी है तो दूसरी कोठी होनी चाहिए पैसा देकर हर काम हो जाता है। इसलिए लोगोंा का पोलिटिकल आदमियों से वि वास उठा गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, हाउस का काफी समय आरोप–प्रत्यारोप में ही जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, एक वह समय था जब डिप्टभ मिनिस्टर दौरे पर जाता था, बैण्डबाजे के साथ स्वागत होता था और आज लोगों को ट्रकों में भर कर लाया जाता हैं, डिप्टी स्पीकर साहब, एक वह समय था जब डिप्टी मिनिस्टर दौरो पर जाता था, बैण्डबाजे के साथ स्वागत होता था और आज लोगों को ट्रकों में भर कर लाया जाता है, अपनी मर्जी से पालिटि ान को कोई सुनने नही आता। (विध्न) इस बात को नेहरा साहब भी अच्छी तरह से जानते है।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक बजट का ताल्लुक है, उस बारे में मै बताना चाहूंगा कि आज जो बच्चेा पैदा होता है,

वह 3076 रूपये कर्जा लेकर पैदा होगा। इसके अलावा 87.37 करोड़ रूपये का बजट में नैट घाटा दिखाया गया है। एक सुझाव वित्त मंत्री ने खर्च कम करने के लिए दिया था कि 10 मिनिस्टर कम कर देगे, जिससे बजट का घाटा कम होगा। इन्होने मिनिस्टर तो कोई कम नही किया, उल्टै यह सुनने में आ रहा है कि 3–4 और मिनिस्टर बढ़ा रहे है। अगर वित्त मंत्री जी पहल कर देते तो भाायद इनके पीछे 9–10 और आ जाते। अब ो सकता है कि ये अपना जवाब देते समय स्थिति कलियर कर देगे।

डिप्टी स्पीकर साहब, अग मै इरीगे ान डिपार्टमैंट के बारे में बोलना चाहता हूं इरीगे ान के लिए 20 करोडऋ रूपये SYL के लिए रखा है। जब यह सरकार जुलाई 1991 में बनी थी, तब भी इनता ही रखा गया गया था, उसके बाद के वर्शो में भी इतना ही रखा गया है। और इस साल कभी इतना ही पैसा रखा गयाहैं जुलाई, 1991 में हाउस के अन्दर मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि राबी व्यास का पानी एस0 वाई0 एल0 कैनाल बनाकर हरियाणा की प्यासी धरती को एक साल में पानी दे देगे लेकिन आज तक वह एस0 वाई0 एल0 नहर नही बन पायी है। हरियाणा मं 1 करोड़ एकड़ जमीन है, जिसमें से 30 लाख एकड जमीन को पानी मिल रहा है। और इस जमीन को भी पर्याप्त मात्रा मं पानी नही मिल रहा। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब चौधरी बंसी लाल जी डिफैस मिनिस्टर थे, तो उस वक्त इन्होनें हरियाणा को 3.5 मिलियन एकड़ फीट पानी 1976 मं

दिलवाया था। वह पानी अगर हमारी प्यासी धरती में जाता तो हमें एक अरब रूपये का सालाना फसल मिलती। एस0 वाई0 एल0 कब बनेगी। इसकी कोई तारीख निर्धारित नही की गई है। लेकिन अब तो यमुना के पानी का भी हमं खरता पड़ गया है डिप्टी स्पीकर साहब, नेहरा साहब ने जो पटिकुलर फिगर्ज एक सवाल के जवाब में दी है, उसके मुताबिक हमारी भोयर 2/3 नही बनता, लेकिन मुख्य मंत्री जी ने औन दिफलोर आफ दि हाउस बा वासन दिया है कि हमें 2/3 के कम पानी मिलेगा। डिपि स्पीकर सर, मै आन दि फलोर औफ दि हाउस यह कहना चाहता हूं किय यिद हरियाणा को एस0 वाई0एल0 का पानी न मिला या यमुना का पी कम किया गया और चण्डीगढ़ के बादले अबोहर फाजिल्का साहिब 105 गांव हरियाणा को न मिले तो हरियाणा में एक तुफान खड़ा हो जाएगा। हरियाणा का कोई आदमी इस बात का बर्दा ात नही करेगां। सरदार बेअन्त सिंह जी ने पंजब में बहुत भाानदार काम किया है, इसमें कोई भाक नही है, लेकिन इस का मतलबय यह हरगिज नही हैं कि इसकी वजह से किसी भी प्रकार से हरियाणा के हितों का नुकसान पहंचुया जाएं यह किसी भी कीमत पर हरियाणा के लोग बर्दास्त नही करेगे। डिप्टी स्पीकर साहब, मैने बजट को बड़े गौर से देखा है। नवम्बर, 1986में इसी प्रकार से खनक माईनर, लिनाई माईनर बूरा माईनर और गैडावास माईनर के फाउंडे ान स्टोन्ज उसी दोरान रख गए थे इनमाईनरज को पूराक रने के लिए मुरू बजट में कोठ/पसा दिखाठ नही दिया। अगरसरकार लोगों की मु कल का महसूस करती है तो जिन माईनरों का फाउंडे ान

स्टोन 1986 में रखा गया था, उनको पूरा करने के लिए बजट में पैसे का प्रावधान होना चाहिए ताकि पानी का मसला हल हो सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै बहुत ज्यादा समय नही चाहूंगा और कण्ट्रोवर्सी में नभी नही पड़ना चाहूंगा (विध्न) डिप्टी स्पीकर साहब, जब कोई भी बात पूछी जाती है तेा जवाब होता है कि चौधरी बंसी लाल ने यह किया। चौधरी `वी लाल ने यह कियाऔर चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने यह किया। सता पक्ष के भाईयों को अपने गिरेबान में मुंह डाल कर देखना चाहिए, अब जो कुछ भक करना है इन्होने ही करना क्यों अब सत्ता इन्के हाथ में है। अगर पहले किसी भी मुख्य मंत्री जी ने कोई गलत काम किया है तो मौजूदा सत्ता पक्ष की रिस्पोंसिब्लिटी है, ये उसकी जिम्मेदारी दुसरों पर मत थोपे। अगर उन्होन कोई गलत काम किया है तो आप उनके खिलाफ रिपोर्ट दीर्ज कीजिए ओर ऐक ान लीजिए। (विधन) डिप्टी स्पीकर साहब, मै इलेक्ट्रीसिटी के बारे में कहना चाहूंता हूं कि लाईन लोसिज बहुत ज्यादा है ओर बिजली थैफ्ट के केसिज भी बहुत ज्यादा है। एक सवाल का जवाब देते हुए माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि हमारे पास बिजली के ट्रांसफारमर सरप्लस है। ट्रांसफारमर जल जाने की वजह से कंवारी गांव में 7 दिन तक बिजली नही आई और सारा गांव अधेरे में डूबा रहा है। लोगों ने मजबूर होकर रोड बालाकिंग किया, जब कही से एस0 डी0 एम0 हांसी ने ट्रांसफारमर ला कर वहां की बतजली चालू की। इसी प्रकार डिप्टी स्पीकर साहब, रूपाना पम्प

हाउस हपर चार पम्प चलने चाहिए लकिन ट्रांस्फारमर छोटा होने की वाजह से केवल 2 पम्प चलते है। जिसकी वजह से पानीआगे टैल पर नही आता है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा, मै आपकों एग्रीकल्चर के बारे ं में बताना चाहूंगा। पता नही आदरणीय गुप्ता जी एग्रीकल्चरिस्ट की प्रौब्लम को क्यो नही समझते, भाायद वे एग्रीकल्चरको भी बजनैस की तरफ से सोचते हैं एग्रीकल्चर से हम कितना लाभ उठा सकते है यह हमें सोचना पड़ेगा। उपाध्यक्ष्ज्ञ महोदय, यह ठीक है कि 1966–67 में जब हरियाणा बना, उसवक्त हामरी एग्रीकलचर में पैदावार कम थी, लेकिन अब बढ़ी है, वह किसानों की मेहनत की वजह से बढ़ी है। अगर किसानों को उस वक्त इतनी हीसहूलियत मिल जाती तो प्रोडक ान उसवक्त ही बढ़ जाती। आज भी किसनों को पानीह मल जाए तो वह सारे दे ा को अनाज खिला सकता है और बहर से मंगवान की जरूरन ही पडेगी। लेकिन आज खाद नही मिलती, बीज नही मिलताा ओरगुप्ता जी ने कीटना ाक दवाईयों पर दो परसेन्ट सेल्ज टैक्स लगा रखा जबकि किसी और प्रदे ा में यह टैक्स नही है। मै गुप्ता जी से कहूंगा कि आप इसे माफ कर दे। अगर यह माफ हो जाता है तो किसानों को बहुत राहत मिल जाएगी। आज जो किसान अनाज लेकर आताहै, उस पर टैक्स लागते है चाहे वह आढ़तियों पर लगाते है लेकिन वह किसी न किसी तरीके से प्रोड्यूसर पर लग जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हूं कि दिल्ली में जो टीकरी बोर्डर बना हुआ

है, वाहं परकिसनो कीखल खीची जाती है, लूटा जाताहै, उसको भी खत्म किया जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट के बारे में कहना चाहूंगा। महम में भूगर मिल अरली कमि ानिग करने की वाजह से वहां पर लाखों का नुकसान हुआ और भूना में लेट कमी ानिंग करने की वजह से नुकसान हुआ है। मै वित्त मंत्री जी से इसका भी जवाब चाहूंगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै हांसी में काटन स्पीनिग मिल के बारे में भी पूछना चाहता हूं कि स्पीनिकग मिल हांसी में जनवरी के महीने में दो गिनिग फैक्टरीज से कंट्रक्ट किया कि हम आप से काटन बेलज बनवाएंगे लेकिन उनका पैसों को लेन देन ठीक न होने की वजह से मामला बिगड गया और उनकी काटन बेलज लेने की बाजए दूसरों से बिना कांटन बेलज लेने की बाजए दूसरों से बिना कांट्रैक्ट एि, पैसे लेकर ले दि। उन पार्टीज ने इस खुल लूट के बारे में गवर्नर साहब को, मुख्य मंत्री जी को और को–आप्रे ान मिनिस्टर को भी जनवरी के महीन ं लिखा था। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नही हुई। मै यह जानना चाहूंबा कि जनवरी ओरनवनम्बर 1992 में हांसी में ाकटन परचेज तथा बेलज के मामले में जो लाखो का घौटाला हुआ है और उसकी इन्कवायरी सरकार के पास ाअई है उसकस भी वित्त मंत्री जी जवाब दे कि उस बारे में अब तक क्या हुआ है और जो इस

घोटले मे अफसर चाहे एम0 डी0 हो, चाहे जी0 एम0 हो, सख्त कार्यवाही होनी चाहिएं

डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक अहम मसले की ओर इस महान सदन काध्यान दिलाना चाहता हूं। इस बारे में एक डी ओ0 लैटर के जवाब मे प्रधान मंत्री जी का जो जो उत्तर आया है, वह पढ़ कर सुनाता हूं।

"D.O./560/52C/1/92-ES-II Prime Minsiter House

New Delhi

September 9, 1992

Dear Sh. Amar Singh,

This is to acknowledge your letter of August 31, 1992 addressed to the Prime Minister.

Prime Minister has noted the contents of theletter. Some of the suggestions made by you are already being considered by the Ministry of Welfare. The Prime Minister appreciates your interest in th welfare of the weaker sections and sends you his best wishes.

with regards Sincerely,

(AKHIL BAKSHI)

Sh. Amar Singh, MLA

Advicate Colony,

Hansi, Haryaha

This letter is in response to my letter which I had written to the Prime Minister डिप्टी स्पीकर साहब हरिजनों में बहुत ज्यादा बेचैनी है। रिजनो ंऔर बी0 सीज0 में 153 कम्पयूनिटीज है, रमदासिया, चमार,धानक और बालमिकी आदि। मै जात–पात को नही मानता लेकिन इस बात का जिक्र तथा चर्चा रहती है मै आपके सामने 27 नवम्बर, 1963 का जवाब, जो भारत क`प्रधान मंत्री ने मुझे हरिजनों के बारे में लिखा था, वह मै इस हान सदन मं पढ़ कर सुनाना चाहता हूं:–

Prime MInister House

New Delhi.

November 27, 1963

Dear Amar Singh Ji,

I have received your letter of the 26th November. Thanks you for it. I am firmly convinced that India's progress is tied up with the progress of the socially and economically bacward persons in India. That was the lesson repeatedly emphasised by Mahatma Gandi. Hence his great compaign on behalf of the Harjjans.

I further think that the easiest method of raising any soially backward group is thourght education. Every other methos is temporary and does not lay a firm basis for advance.

You state that among the Harijans, the Chamars have had an advantage ojver othe rHarijans. I think this is largerly correct, and we should try to encourage the others.

You wish to see me. I shall be glad to meet you, but I am very heavily occupied during the next ten or twelve days. You can see me, if you so wish, on the 11th December at 10-00 A.M. in my office in the external Affairs Ministry.

Your sincerely,

JAWAHAR LALA NEHRU.

Sh. Amar Singhk MLA

Advocate, Hansi, Haryana

This letter was written on November, 27 1963 (ाोर एवं व्यवधान) सम्पत सिंह जी, हम आपका बहुत आदर करते है, हमें आप इंटरप्ट न कों।

श्री उपाध्यक्षः भााायद सम्पत सिंह जी ने इस बात का अहसास नही किया कि मैम्बर साहिबान कितनी महत्वपूर्ण इंफरमे ान हाउस को दे रहे है। भााायद इसबात को ये नही समझते है। (विध्न)

श्री अमर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, भााायद मंत्री जी भी हरिजनों की बात सुनना पंसद नही करते। (विध्न)

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): डिप्टी स्पीकर साहब, ये इस बात को कह सकते है कि बजट में हरिजनों के लिए

इतना पैसा रखा है तथा इससे ज्यादा पैसा रखना चाहिए था लेकिन यहां पर ये कह रहे है कि चमान और हरिजन जातियां सामाजिक,राजनैतिक व आर्थिक तौर पर उठ गये है। क्या ऐसी बातें करने से हरिजनों का फायदा होगा? (विध्न) यह बात हाईली ओब्जक ानेबल है।

श्री अमर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, ये हमें भड़काना चाहते है लेकिन मै इनको बताना चाहता हूं कि हम एक है। (विध्न) जब हम इनका इंटरप्ट नही करते तो ये हमें क्यों इंटरपट करते है? (विध्न) डिप्टी स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि मेरे पास एस0 सीज0 के बारे में सो ाल वैल्फेयर डिपार्टमैंट के आंकड़े है, हरिजन कलयाण निगम के आंकड़े है, सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने ानल ि ाडयूल्अड कास्टस कारपोरे ान के तथा नोकरियों के भी आंकड़े है जो मै इनको बात देता हूं, लेकिन मै हाउस का ज्यादा टाईम नही लेना चाहता मै ताते कहता हूं कि गुपतासाहब ने बजट में हरिजनों के लिए जो प्रोवीजन किया है, वह माईनस जीरों फार हरिजन है। डिप्टी स्पीकर साहब, इनहोने अपने बजट में कहा कि हम अधूरीचौपालां को पूरा करेगे। लेकिन जब इन्होने बजट में पैसा ही नही रखा है तो इन अधूरी चौपालों को पूरा करेगे? पिछली बार भी इन्होनं यही कहा था और इस बार भी यही कहा है कि अधूरी चौपालों को पूराक रेगे। मै वित्त मंत्री जसे पूछनाचाहता हूं कि इस समय हरियाणा में कितना अधूरी चौपाल है और कितनी नयी चौपाल बनाना चाहता हूं कि इस समय हरियाणा

में कितनी अधूरी चौपाल है और कितनी नयीचौपाल बनाना चाहते है? डिप्टी स्पीकरसाहब, मै यह बात इसलिए कह रहाहै कि इस दे ा में हरिजनों के नाम से राज किया जाता है। जब यह उल्क कर देते है तो अजोजी ान काराज आ जाता है। और जअ ये सुलट कर देते है तो कांग्रेाक राज आ जाता है। लेकिन भाायद नेहरा साहब अब यह नही समझते कि हरिजनों को अब उदनका हम देना पड़ेगा, हरिजनों के लिए ंकस्ट्रक्टिव प्रोग्राम देना पड़ेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, जब चौधरी बंसी लाल जी पहली बार मुख्य मंत्री बने थे तो उनहोने आर्थिक आधार पर एक रेस्ट्रक ान लगायी थी कि 30 परसेंट बजट चमार भाईयों के लि और 70 परसैनट बजट जो आर्थिक दृश्टि से कमजोर हरिजन है, उनके लिए होगा। इसी तहर से सांझे पंजा बमें एक इवैल्यूए ान कमेटी बनी थी। इा कमेटी ने सारा सर्वे किया था, मै भी उसका मैम्बर था। सर्वे करने के बाद कमेटी नेपचास परसेट चमार (रामदायिों) के लिए ओर पचास परसेंट नौन चमार हरिजनों के लिए रिजवे ान लागू किया था। इसी तरह से चौधरी देवी लाल जब मुख्यम मंत्री थे, उन्होने सर्वे करवाया था जबकि सर्वे इससे पहले हो चुका था लेकिन जहां तक मै समझता हू, कंपाइल नही हुआ थ। गुपता जी इसे कम्पाइल कराए उसके बाद उसके बाद गवर्नमैंट जो डिसीजन ले उसके मुताबिक हरिजनों को कोन्फीडैंस में लेकर फैसला कर दे। आपस में लड़ाने की बात गांव गांव में चला रही है इसलिए हम चाहते है कि इसका निर्णय सरकार करे ओर इसे क्लीयर करे। अगर सर्वे नही हुआ तो होना चाहिए और यदि हुआ है ते उसकी रिपोर्ट

हाउस में रखनी चाहिए और सरकार बाकायदा इस बात का निर्णय करे, पंजाब पैटर्नन लागू होना चाहिए।

भाराब बंदी के बारे में आंदोलन हो रहा है। डिप्टी स्पीकर सर, आप तो बड़े सो ाल हैं भाराब का जिक्र किया गया हैं इसके बारे में एक पुरान प्रोवर्ब है:—

If money is lost, nothing is lost.

If health is lost, somethng is lost.

If character is lost, everything is lost.

मै तो इस बात में यकीन करता हूं कि अगर करैक्टर गिराकर आमदनी की जाए then it is of not use. For this purpose, I propose the alternative source of income, reduce the number of Ministers, abolish the posts of chariman, reduce the top heavy administration and nationalis the minerals sources. अगर भाराब की आमदनी का आल्टरनेटि हल निकलनाहै तो मेरे ऊपर वाल `सुझावों को सरकार माने ओर ऐग्रीकल्चर बेस्ट इंडस्ट्रीज भाुरू कर दे। गेहूं से मैदा बनवाए, डबल रोटी बनवाएं, फिर उसे माकिग में लाएं, उससे टैक्स मिलेगा और आमदनी होगी। लकिन हमारे वित्त मत्री जी व ऐक्साईज एंड टैक्से ान मनिस्टरसाहब बार बार यही कहते है कि भाराबबंदी से 400—450 करोड़ रूपये का नुकसान हो जाएगा। मै यह कहता हूं कि आप करैक्टर को खत्म करके नै ान का बार्बाद करने की बात कर रहे है। मै भगवान को मानने वाला आदमी हूं ओर मेरा यह

दावा है कि अगरगलत सोसिज से पैसा इकट्ठा किया जाएगा ओर बिल्डिंग नाएंगे तो वह क्रेक हो जाएंगी, जो भ काम करेगे उसमें नुकसान होगा। पहले लोग रि वत लै हुए डरते थे लेकिन आज रि वत लेने में फख्र महसूस करते है। पहले सोचते थे कि अगर मै रि वत लूगा तो मेरी औलाद लंगड़ी हो जाएगी, अंधी हो जाएंगी लेकिन आज फख्र से रि वत लेते है। मै कहता हूं कि इंसाफ जरूर होगा और इस बात का चमत्कार अगर देखना है तो जो लोग लत काम करते है उनको अव य ही एक दिन गलत नतीजा मिलता है।

डिप्टी स्पीकर सर, सड़कों के बारे में काफी कहा गया है कि 110 कि0 मी0 रोड 1993–94 में बनाएंगे। अभी तक कही कोई वर्क भ्रारू नही हुआ। भिवानी जिले में तो रोडज की कोई मरम्मत भी नही हुई। मेरा सुझाव है कि अम्बाला से कोटपुतली ओरनंगल चौधरी तक जो स्टेट हाईवे है, उसे ने ालन हाईवे बना दिसा जाए क्योंकि पंजाब ओर हिमाचल के ट्रक इसरास्तें से गुजरते है, दिल्ली के रास्ते से कम जाते है। इससे स्टेट हाईवे की सड़के बिल्कुल टूट जाती है ओर यह हैवी एकसल लोड का बर्दा ात नही कर सकता। इसलिए इसको ने ानल हाइवे में बदला जाए।

इसके अलावा, मै पब्लिक हैल्थ के बारे में भी कुछ जिक्र करना चाहूंगा परन्तु इससे पहले क्रे ार्ज और माइनिग के बारे मं जिक्र करना चाहता हूं हमारे यहां खानक में आज भी

क्रेशर्ज लगे हुए है। 1991 में एक एकट इस बारे में जरूर बनाया गया है। उसका फरीदाबाद मे ंतो बे ाक असर नही हुआहैं गुप्त जी नोट कर ले ओर जवाब देते वक्त बताये कि वहां पर क्रे ार्ज क्यो लगाये जा रहे है। वहां के रहने वालों को एवरेज लाईफ कम हो गयी है नौर्मल लाईफ 60 साल की है। भिवानी डिस्ट्रिक्ट में तो ाम के पास खानक है ओर वहां के लोगों का उम्र आज घटकर 30–40 साल ही रह गयाी हैं कुछ लोग 40 साल की उम्र में ही अंधह ेा जो है। मजदूरलोग वहां पर रहत ेहै। इसबात काइलाज अव य ही किया जाना चाहिए। मैने माइनिग को न ालेलाईज करने की बात कीा कही हैं रूरल डिवैल्पमैंट के लिए बहुत ही कम पैसा रखा है। एग्रो बेस्ट इंडस्ट्रीज काओर प्राइवेट रूट परमिट्स का भी मैने जिक्र किया है। अब जमीन ज्यादा वजन नही उठा सकती। गुप्ता जी ने इस बातट को पे ा करने से पहले सर्वे किया है। “Haryana Fiscal front not Bright” हरियाणा का फयूचर ब्राईट नही हैं किसी भी दे ा का प्रदे ा का फयूचर नापने के लिए उसकी आर्थिक हालत, उसकी राजनैतिक स्थिति ओर उसकी सामाजिक स्थिति देखनी पड़ती हैं साथ ही वहां का ला एण्ड आर्डर की स्थिति भी देखनी पड़ती है क्या है। आज जो स्थिति है, वह यह है कि आर्थिक तौर पर तो हम अपंग है। हम अपने नौकरों को तनख्वाह भी नही दे पाते। कभी मार्किटिंग बोर्ड से उधार लेते है। तो काभी किसी दूसरे से लेते है। श्री धर्मबरी गाबा जी लजोकर बोडीज के मिनिस्टर है, वे वित्त मंत्री जी के पास आकर कुछ पैसा मांगने आये क्योंकि कमेटीज की हालत का

`सुधरना हैं श्री मांगे राम गुप्ता ने कहा कि खजाना खाली पड़ा हैं खजाना खाली है तो उसको भरने के लिए भी मैने आपको रास्ते इससे पहले सुझाये है। उन रास्तों कोसरकार अपनाये। भाराब कोसरकार बन्द रके।

इसके अलावा डिपटी स्पीकरसाहब, मै एक बात पब्लिक हैल्थ के बारे में भी कहना चाहूंगा। नलके तो सब जगह दे दिये। इसमें कोई भाक नही है। कि नलके लग गये है। मुख्य मत्री जी भी कहते है और भीाई निर्मल सिंह पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर भी कहते है। हम इस बात को मान लाते हैं कि नलके तो सब जगह पर आपने टांग दिये लेकिन सवाल तो इस बात का है कि इसका असर क्या है? नलका अब ऐसा हो गया है कि जिसके घर से मसाने लग जाये, उसकी हो जो जाता है। मेरा अपना तजुर्बा है कि इजिसके घर के आगे लग गया, उसी का नलका हो गया। दूसरे लोग ु ि कल से 10–12 घटे पानी भतरे है ओ जिसके घर के आग्र नलका लगा होतौ, वह अपने 5–10 घडे रख देता हैं जिसकी वजह से बाकियों का नम्बर नही नही आत। इस वजह से वहां पर कई बार लट्ठ बजते है। किसी को चोट आती है, किसी का हाथ टूटता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है औरभाई निर्मल सिंह जी, बे ाक नोट कर ले। एक डाक्टर पांडे जो पटना हके है, ने सक सुलभ भौचालय की ससकीम चलायी हैं उसमें गांवों के चारों तरफ गांवों के तरफ गांवों के बाहर एक टंकी बना दी जाती है ओर गांवों के बीच को जो गलियों में नलके आपने

लागये है, वह बे ाक न लागाये। वह सारा पानी इकटठा करके उनसुलभ भौचलयों के लिए दें। हमारी माताएं, बिहने तडपती रहती है कि कब रात को, कब दिन छूप, कब वह बाहर ाजये, इस तरह की स्थिति से उनको उभारा जा सकता है। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, में आपकी घंटा का आदर करताहूं लेकन केवल 5 मिनट के लिए मुझे और समय दे दे।

अब मै हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे में थोड़ा जिकर करना चाहूंगा। हम तो यह समझते है कि डाक्टर का पे ाा बड़ा ही नोबल पे ाा हैं और मै तो डाक्टर को धरती पर भगवान का रूप समझता हूं। वह तो धरती पर भगवान हैं लकिन आह यह पे ाा भी कमि ायलाईज हो गया है। पहला जब बच्चा पैदा हाताहै, चाहे नौर्मल कोर्स में डिलीवरी होती हो लेकिन वह सरर्जरी जरूर करते है क्योकि ऐसा करने से 8–10 या 15–20 हजार रूपया उनको मिल जात है। नार्मल डिलीवरी में पैसा थोड़ा मिलता है। एक केस फतेहाबाद का है ंनिर्मल नाम का नौजवान औरत को जो श्री भगवान दास की पत्नी है। उनको अनैसथिसिया की हैवी डौज दे दी गयी। हैवी डोज देने के बाद वह वही परकौलेप्स हो गई। उपाध्यक्ष महोदय, उसकी डैथ वही होगई थी लकिन उसको डैड डिक्लेयर नही किया गया ओर उसको से का ये कपड़े में लपेट दिया गया और उसके सिविल अस्पताल ले जाया गया औश्र वहां जाकर उसको डैड डिक्लेयर किया गया। मै समझता हूं कि इसके बारें में जांच पड़ताल होनी चाहिए। वित्त मंत्री जी से मेरी प्रार्थना

है कि हैल्थ मिनिस्टर महोदया के नोटिस में यह बात लाए। हैल्थ मिनिस्टर का तो स्वास्थ्य ठीक है लकिन वे हरियाणा की जनता के स्वास्थ्य की ओर भी कुछ ध्यान दे तो अच्छा रहेगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै ला एण्ड आडर के बारे में कहना चाहता हूं। इस प्रदे ा में ला लैसनैस बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं 27.12.1992 को रूपाना जा सिवानी माइनर के पासहै,वहां पर एक जे0 ई0 के ऊपर किसानों द्वारा फायरिग की गई और किसानों ने फायरिग करने के बाद उस जे0 ई0 को उल्टा लटका दिया। कारण यह था कि जे0 ई0 नहर का पानी आगे टेल पर ले जाना चाहता था। वह मुख्य मत्री जी के कहने से या मंत्री जी के कहने से टेल तक ले जाना चाहता था। मै पूछना चाहता हूं कि उस जे0 ई0 पर फायरिग हुई, उसके ऊपर क्या कार्यवाही हुई? डिप्टी स्पीकर साहब, 03.02.1993 को सिवानी नगरपालिका के चेयरमैन ने तहसीलदार को थप्पड़ मारा क्योंकि तहसीलदार उससे रिकवरी करने के लिए गया था। उसने कहा कि तू हमारे घर में क्या आय, तेरीहमारे घ्ज्ञर में घुसने की हिम्मत कैसे हुई? उस चेयरमैन ने लोन लिया हुआ था और उसकी रिक्वारी के लिए वह तहसीलदार ग्या था। मै तो कहना चाहता हूं कि ला एण्ड आर्डर को ठीक रों वरना हम एम0 एल0 एज0 भी पिटेगे। अगर इसी तरह से छूट दी गई तो ला लैसनैस का इलाज करना मु कल हो जाएगा। हम बायलैस रैवोल्यू ान की तरफ बढ़ रहे है। आज हालत यह है कि एक गरीब आदमी का काम बगैर पैसे दिए नही

होता। आज मिनिस्टर की कुछ पावर नही हैं जिले में डिप्टी कमि ान और पुलिएकप्तानडिस्ट्रिक्ट के किंग है। उनसे एक एस0 एल0 ए0 नही मिल सकता। हमारे एक मिनिस्टर रैस्ट हाउस में बैठे थे। मैने पूछ कि कब से बैइे हो तो मिनिस्टर ने कहा कि दो दिन से बैठा हूं। मैने पूछा कि क्या इन दो दिनों मे ंनायब तहसीलदार भी पूछने आया है। उन्होन कहा कि कोई नआया। इसलिए मै कहना चाहता हूं क अगर आप ला लैसनैस दूर नही करोगे तो हालात और भी खराब हाते चले जाएंगे। मै एक मंत्री के पास उसके दफ्तर में चला गया। मैने पूछा कि क्या हाल है। वह कहने लगा कि मेरा एक रि तेदार था, वह भर्ती होना चाहता था। दो बार मैने उसकी सिफारि ा की लेकिन उसका काम नही हुआ। तीसरी बार वह मेरे पास आया और कहने लगा कि अब की बाक मेरी सिफारि ा न करना, अब की बाम मै खुद ही अपनी सिफारि ा कर लूंगा और तीसरी बार वह ले देकर नौकरी पर लगा गया। उपाध्यक्ष महोदय, जब चौधरी भाम ोर सिंह को ऊपर भेज दिया ओर नेहरा साहब को पानी का महकमा दे दिया तो हम समझते है थे कि हर टेल पर पानी पहुंचेगा। लेकिन पानी क्या पहुंचना था, हमारे यहां तो पहले जितन भी पानी नही रहा। मेरे हल्के बवानी खेड़ा में तालू माइनर, खानक माइनर, घमाना माइनर, सिवानी माईनर और निलोई माइनर की टेलों पर पानी नही पहुंचता है हमने काल अटैन्ा ान मो ान के द्वाराभी सरकार का ध्यान खीचज था कि भिवानी जिले के सा इता अन्याय न करों कि लोगों को वहां पर पीने का पानी तक न मिले। पहले ऐसा समय

थ ाकि पीने के पानी की कोई कमी नही थी लेहरा साहब अब छाती ठोंक ठों कर कह रहे है कि हमने डि–सिलटि पर एक करोड़ रूपया खर्च कर दिया मै। कहता हूं कि डि–सिलटिग का कोई भी काम भिवानी जिले मे ंनही हुआ है। सारा पैसा खा गये ये लोग। डिप्टी स्पीकर साहब, मै ाअपके माध्यम से इनसे यह कहना चाहता हूं कि इसे पैसे को निकलवाईये अगर सरकार इस पैसे को सदुपयोग करवाना चाहती है तो इम्लीमैंन्टे ान ठीक तरके से करवाए ओर फिर कोई ऐसा वजह नही होगी कि रूपया ठीक जगह पर न लगे। पैसे का सही सदपुयोग करवाना अगरसरकार चाहती है तो इस और ध्यान देना होगा। इ वर्श 940 करोड़ रूपये का वित्त मंत्री महोदयने बजट रखा है हर विभाग के लिए अलग अलग ऐलोक ान होगी। अगर हम इस पैसे को सही तरके से खर्च नही कर पाएंगे तो हमारा यहां पर मिनिस्टर या एम0 एल0 ए0 बनकर बैठने का क्या फायदा?

डिप्टी स्पीकर साहब, 7 मार्च 1993 का हिन्दुस्तान टाईमज पेपर का मै हवाला देना चाहता हू। इन्होने ंकुछ सर्वे करवाया था कि 'वैयर हरियाणा स्टैण्डज' पर हमारे अनुसार हरियाणा पेपर्ज में कही भी स्टैण्ड नही करता। मै यहां हाउस में बताना चाहता हूं कि स्टेट की ग्रोथ रेट क्या हेागी, ये वित्त मंत्री महोदय बता दें (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मै केवल एक दो मिनट में बोल कर समाप्त करने ही वाला हूं। मै कंक्लूड कर रहा हूं कि जी। इस समय 10 लाख लोग ऐम्पलायमैंन्ट एक्सचेथ्जज मं

अन–एम्पलायड रोल पर रजिस्टर्ड है, 70 हजार लोग टैक्नीकल आदमी बेरोजार है और साढे तीन लाख ऐसे है जो बिलों स्टैण्डर्ड है। मै वित्त मंत्री महोदय ये यह जानना चाहता हूं कि कब तक इन बेरोजगार लोगों को रोजगार सरकार दिवलवानक का यत्न करेगी? लकिन इस प्रदे ा में तथ दे ा में महांगई करप् ान आप पापुले ान बढ रही हैं उसको रोकने के लिए सरकार बिल्कुल असफल रही हैं और न ही इस बजट स्पीच के अन्दर इस की रोकथाम के लिए कोई सरकार ने उपाय ही द ार्या है। अतः मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि सरकार इसओर ध्यान दे।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै इतना ही कहूंगा कि मैने जो जो प्रोपोजलज यहां पर दी है। उनकी और सरकार वि ोश ध्यान देवे ओर साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा ऐग्रो बेसड इंडस्ट्रीज को सरकार प्रोत्साहन दे। अन्त में यह कहता हूं कि पहले तो असीरी का गम था अब आजाद हुए तो वह गम।

''हर भााखा पर उल्लू बैठा है अन्जामें गुलस्तान क्या होगा।''

आपका धन्यवाद जयहिन्द।

डा0 राम प्रका ा (थानेसर): डिप्टी स्पीकर साहब, इस समय सदन में बजट पर चर्चा चल रही है। इससे पहले राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में कई ऐसी स्कीम्ज की तरफ संकेत किय ागया था कि जो सरकार एस0 सी0 एस0टी0 और बैकवर्ड

क्लासिज के लोगों के वैलफेयर के लिए कर रही है। लेकिन बजट में उन स्कीमों की कोई झलक मुझे दिखाई नही पड़ी है। उस नाते मै कुछ सुझाव आपके माध्यम से सरकार को देना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, इस समय छोटा ि ाल्प धीरे धीरे लुप्त हो रहा है बड़े कारखाने उन्हें खा गए है इसलिए ि ाल्पी एंव ि ाल्पकी सुरक्षा एंव संरक्षण की ओर ज्यादा ध्यान देने की आव यकता है। प्रधान मंत्री जी ने 15 अगस्ता का लालकिले से अपने पहले भाशण में यह बात कही थी कि दस्तकारों के औजार को और बेहतर बनाने का प्रबन्ध किया जाएगा। इन सारी बातों का ध्यान में रखते हुए यह बहुत जरूरी है कि हरियाणा में एक वि वकर्मा ि ालपकार बोर्ड की स्थापना की जाए। कर्नाटक सरकार ने एक आर्टीजन डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया है, उसी तरह के एक डिवैल्पमैंट बोर्ड की या वि वकर्मा ि ाल्पकार बोर्ड की हरियाणा के अन्दर भी स्थापना की जानी चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, जैसे छोटै किसान की जमीन का मालिया आज से कुछ समय पहले माफ किया गया था वैसे ही छोटै दस्तकारों के ऊपर जो 10 हजार रूप तक का कर्जा है, उसे भी माफ किया जाना चाहिए। यह बात मै इस संदर्भ में भी कहना चाहा हूं कि अभी पंजाब सरकार ने इस बतट के दौरान 3 निगमों के द्वारा एस0 सी0, एस0 टी0 को 5 हजार रूपये तक के कर्जो की माफी की घोशणा की है। उसी नाते हमारे यहां हरियाणा में भी कोई न कोई प उठाए जाने चाहिए। कोई योजना बनाई जानी चाहिये ताकि हाथ से काम करने वालों को सुविधाएं दी जा सके जिससे

एस0 सी0, एस0 टी0 और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को 10 हजार तक के कर्जे की माफी मिल सकें। पिछडा वर्ग कल्याण निगम रियाती दरों पर ऋण दे, सबसिडी दे और वि ोकर उन लोगों को दे जो हाथ से काम करते है, उनको ज्यादा सुविधाएं मिलनी चिहए। मेरी जानकारी के मुताबिक इस निगम कावर्श 1991–92 का बजट प्रावधान 50 लाख रूपय था और उसमें से केवल मात्र 10 लाख रूपया रिलीज किय गया। इसीत हतरह से 1992–93 का बजट प्रावधानी भी 50 लाख रूपया है। इस निमग ने दो बार 15 लाख रूपया रिलीज करने के लिए लिख है लकिन आज से दस दिन पहले तक कोई पैसा रिलीज नही हुआ। अगर साल समाप्त होने के दस दिन पहले जैसा आ भी गया तो इतने किम सकयम में लोगों को भला कैसे होगा? मै इसकी तनखाह की मद का जिक्र नही करना चाहता बल्कि इस निमग को समाज कल्याण के लिए दिये जाने वाले पैसे की बात कर रहा हूं।

हमारे समाज के कुछ ऐसे लोग है जो जिनको अपना कमा करने के लिए कुद सहूलियत की जरूरत है। जैसे मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए मिट्टी के प्रोवीजन की जरूरत होती हैं इसलिए मै चाहूंगा कि इस प्राजापत बिरादरी को मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए हर भाहर व गांव में थोड़ी जमीन नि चित करने के लिखित आदे ा जारी करे। मैने कहा पर पहली बारबोलते हुए सुझाव रखे थे कि गांव गांव मे ंपीने क पानी पहुंचाना बहुत जरूरी हैं मै सरकार को बंधाई देता हूं। मै चाहूंगा कि इस

क यप राजपूत बिरादरी को आबादी के हिसाब से जितना हिस्सा बनता है उतना इनकों अलग अलग रोजगार देकर जैसे वाटर वर्कस पर काम देकर, इनका हिस्सा दें।

जहां तक हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के बैकलाग की बात है उसके लिए सरकार ने जा`कदम उठाए है वहसराहनीय है। इसबात का तो हमारे विपक्ष के भाई भी समर्थन करते है कि बैगलाक पूरा होना चाहिए कम हुआ है। मै चाहूंगा कि टाईम बाऊंड एक साल के अन्दर अन्दर इसको पूरा कर दिया जाए ताकि बैकलागा बाकी न रहे। इसके बाद में यक कहूंगा कि एक बिरा री सिर पर मैला उठाक कर ोजी कमाती है, यह हमारे लिए भार्म की बात है। मुल्क को आजाद हुए 45–46 साल हो चुके है। लकिन फिर भी कोई मां–बहिन अपने सिर पर गन्दगी उठा कर चले और गन्दा पानी उसके मुहं पर गिरे यह ठीक नही। सरकार इस दि ाा में जो कदम उठा रही है। उसका मै समर्थन करता हू। मै चाहूंगा कि इस काम को भी एक साल के अन्दर अन्दर पूरा देना चाहिए हरियाणा में कांग्रेस की सरकार ने बहुत अच्छा काम किया था कि अगर बैकवर्ड क्लास को कोई भी भाई पंचायत में चुन कर न आ सके तो उसके लिए एक सीट आरक्षित रखी जाती है। मै चाहूंगा कि इसी तरह अगर बैकवर्ड क्लास को कोई भाई नगरपालिका चुनाव में चुन कर न आ सके तो यहां भी उसके लिए एक सीट आरक्षित रखी जाएं इसके अलावा मै चाहूंगा कि वि वकर्म बिरादरी के महापुरूश/देवता के नाम पर एक तकनीकी वि वविद्यालय की

स्थापना की जाए ओर जब तक सरकार इस का को नही कर पाती तब तक किसी इंजीनियकरिंग कालेज का नाम वि वकार्म के नाम से रखा जाए। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में ि ाडूयूल्ड कांस्टस और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों की चौपालों की चर्चा की गई। आज तक जो चौपालें बनाई है उसके लिए मै सरकार को बधाई देता हूं लेकिन मैने देखा है कि बहुत सी चौपालों के दरवाजे नही है, खिडकिया नहीहै , चारदिवारी नही है और पंखे तो भाायद ही किसी चौपाल में हो। मै सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि जो इस तरह अधूरी पड़ी चौपाले है उनको एक साल के अन्दर अन्दर पूरा किया जाए। मै सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि व्यापारियों के लिए जा नियम बने हुए है उनको सरलीकरण किया जाना चाहिए ताकि कोई औफिसर उनको नाजयज तौर पर तंग न कर सके। मै एक उदाहरण देता हूं। मेरे हल्के लाड0ा का एक केस चल रहा है। वह चावल पर लैवी का केस है। जो पंजाब नम्बर बन चावल है। उस पर लैवी का केस है। पहले लाउद्धा मंडी में सिी चावल पर लैवी नहीथी। एक अधिकारी ने गल्ती से केवल लाडवा मंडी में चावल की इस किस्म पर लेवी लागा दी। वां के व्यापारियों को उसके विरूद्ध कोर्ट में जाना पड़ा। मै कहना चहांगा कि अगर लाडवा की मंडी के व्यापरियों को वह लैवी देने` लिए मजबूर किया जाएगा तो उनका सारा व्यापार चौपट हो जाएगा। उनकी मांग बिल्कुल जायज है। जिस साल में लाउव मउी के पंजाब म्बर बव चावल लैवी को कैस बनाया गयाउसके कही बादमें सरकार ने आडिनैस जारी करके

पंजाब नम्बर वन चावल पर लैवी लगाई थी। उससे पहले लैबी नही थी इसलिए मै चाहूंगा कि इस समस्या का समाधान किया जाए।

पिछले दिनों कुरूक्षेत्र में महात्मा जोतिराव फुले का 102 वा जन्म दिन मनाया गया था उसमें महामहिम राज्यपाल महोदय भी पधारे थे। वहां पूरे सैने समाज ने मांग की थी कि जिस महात्म ने समाज के उत्थान के लिए बहुत घोर संघर्य किय ाहै, जिन्होने पिछडे हुए लोगों को ऊपर उठाने के लिए अपनी तमाम जिदंगी लाग दी उनके नाम से वहां पर एक चौक बनाया जाए। और उनका बुत लगाया जाए ाकिन उनकी यह मांग अधूरी पड़ी है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपक माध्यम से मुख्य मंत्री जी ओर वित्त मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि अगर अमर आत्मा मदन लाल ढीगरा और महाराणा प्रताप जैसे भाहीद हुए है जिनकी वहज से आज हम इस आजाद दे ाके वासी कहलाने के हकदार हुए है तो कुरूक्षेत्र के लोगों की मांग है कि वहां पर उनके नाम से चौक बना दिए जाएं ओरबुत लगा दिए जाए इस पर कोई ज्यादा पैसा खर्च नही होगा।

मैने एक प्र न दिया था कि कुरूक्षेत्र में एक गीता केन्द्र स्थापित किया जाए लेकिन उस सवाल का नम्बन नही आ सका। इसलिए मै उसके बारे में कोठ बात नही पूछ सका। आज से सवा साल पहले उसकाि ालान्याय किया जाना था। कुरूक्षेत्र केवल मात्र एक नगर ही नही है बथ्लक भारत की सभ्यता ओर

संस्कृति का प्रतीक है, इसलिए वहां पर गीता केन्द्र की स्थपना जल्दी से जल्दी की जाए। यदि इसी महीने उसका ि ालान्यस कर दिया जाए तो मै समझता हूं कि यह सही दि ाा में कदम होगा। कुरूक्षेत्र डिवैल्पमैंट बोर्ड ने पिपली के पास पिपली से यूनिवसिटी तक जानेवाले सड़क पर एक गीता द्वारा बनाने की बात तकय की थी आत तक साल हा गया वहां र गीता द्वारा बनाने क लिए कोई काम भाुरू नही हुआ। कुरूक्षेत्र में एक पुराना बस स्टैड होता था। उस बस स्टैड को बनवाने के लिए वहां से जो भी एम0 एल0 ए0 बनाताथा, उसका नीवपत्थर रखवाता थां मैने मुख्य मंत्री जी से कहा था कि बस स्टैड की तीन दीवारें होती हैं एक दीवार बनाने का काम तो वहा पर इन पत्थरों से हो हो जाएगा। मेरे प्रयत्न से थानेसर का बस अड्डा तो बन गया लकिन डेढ साल हो गया आज तक उसके आगे फ र्ा नही बनाया गया हैं मै सरकार से कहना चाहूंगा कि सरकार ने एक 25 प्वायंट प्रोग्राम घोशित कियाथा, उस में कुरूक्षेत्र में 8वी पंचवर्शीय योजना में एक तारा मण्डल बनाने की स्वीकृति दी थी लेकिन वह काम भी अभी तक भाुरू नही हुआ हैं मै चाहूंगा कि सरकार इस तरफ ध्यान दे। कुरूक्षेत्र की धरती पर दूर दूर से यात्री आते है। लेकिन कुरूक्षेत्र की गलियों टूटी पड़ी है। सड़के भी टूटी पडी हैं ज्ञहर का बहुत बुरा हाल है। मै मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी दोनों से प्रार्थना करता हूं कि कुरूक्षेत्र की गलियों ओर सड़कों के सुधार के लिए कुछ न कुछ पैसे का प्रावधान किया जाना चाहिए। वां पाण्डुवान गली हैं उस गली के अन्दर कई मेन होल है जिस पर

दक्कन नही हैं उस मेन होलों पर ढक्कन लागए जाने चाहिए। यदि उन पर ढक्कन नही होगे तो कोई भी दुर्घना घट सकती है ंमै बताना चाहूंगा कि फरवरी महीने में बिना ढक्कन के मेन हौल में एक डेढ साल की बच्ची की गिर कर मौत हो गई इस से बड़ा दुर्भारू क्या होगा? मेरा कहना यह है कि यदि इन गलियों की हालत को सुधारा नही जायेगा तो ओर भी दुर्घनाए घट सकती है। इसलिए मेरी मांग है कि वहां के लिए और पैसा मिलना चाहिये। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार मै सरकार का ध्यान आकर्शित करते हुए बताना चाहता हूं कि थानेसर के एक मुहल्ले में दरार आ गई हैं वे मकान रने लाय नही हरे है ंसरकारको उनकी आर्थिक सहायता करनी चाहिये। कुरूक्षेत्र डिवैल्पमैंट बोर्ड को भी ज्यादा पैसा मिलना चाहिए क्योंकि जिन जिन कामों को उस बोर्ड ने करना है, उसके रख रखाव के लिए पैसा उतना नही मिलता। नरकातरी तालाब का बुरा हाल हैं उसकी दीवार गिर गइ हैं सरकार इस तरफ भी ध्यान दे मेरा अनुरोध है कि कुरूक्षेत्र डिवैल्पमैंट बोर्ड को दयालपुरगांव का ऐतिहासिक ताला भी अपने अन्तर्गत ले लेना चाहिए। लाडवा में एक बहुंमजिला होस्पीटल बनान की मांग काफी दिनों से चल रही है। इस पर विभाग ने कुछ ध्यान ीाी दिया हैं इसलिए मेरी मांग है कि इसको जल्दी से जल्दी आरम्भ कर पूरा किया जाये। उस हास्पिटल में कोई भी लेडी डाक्टर नही है जिसकी वजह से वहां देवियों को काफी दिक्कत रहती है। वहां एक लेडी डाक्टर भी तुरन्त भेजी जाये। इसी तरह पिपली से युनिवसिटी थर्डगेट तक जो सड़क जाती है।

उस पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक रहता है। इस सड़क का फौर लेनिग की जाये मै यह बताना चाहूंगा कि इस सड़के के पिछले वर्श टेण्डर भी हो गए ाि। सह काम किसी कारण से बीच में रूक गया इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि इसकाम को जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाए। इसके साथ ही लाडवा से रादौर तक एक मेन सड़के है, यह भाहर के बची मेंसे गुजरती है। यह सड़क कुरूक्षेत्र से यमुनानगर जाती है। इसकी भी लाडवा से रादौर तक एक मैन सड़क हैं, यह भाहर के बची में से गुजरती हैं यह सड़क कुरूक्षेत्र से यमुनानगर जाती है इसकी भी लाडवा भाहर के बची के भाग की फोर लेनिन करने की जरूरत है क्योंकि इस पर वहां काफी भीड रहती है। मैसरकार का ध्यान इस तरफ भी दिलवाना चाहता हूं कि उमरी में एक पोलिटैक्नीक खोलने के बारे मैं फैसला हुआ था। गाव की पंचायत फ्री जमीन दे रही है इसके अलवा कुछ अं ाक आर्थिक सहयोग के लिए भी तैयार है। एक एक्सपर्ट कमेटी ने वहा का दौरा किया था और उसने इसका मंजूर किया थ इसलिए मेरी सरकर से मांग है। कि उस पर जल्दी से जल्दी कार्यवाही की जाये।

डिप्टी स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र हरियाणा के लिए चावल का कटोरा है। इसलिए उमरी में एक 220 के0 वी0 का सब स्टे ान बनाना चाहिए ताकि वह इलाका और अधिक चावल हरियाणा को दे सके। मेरी यह भी मांग है कि लाडवा का जो सब स्टे ान है उसकी कैपेसिटी को बढ़ाया जाना चाहिए। आज के

प्र न काल में मैने एक प्र न पूछा था कि क्या लाडवा नहर के निर्माण का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है? यदि हां, तो इसे कब तक निर्मित, पूरा किए जाने की संभावना है। इसके जवाब में सरकार की तरफ से यह कहा गया है:–

The Project for construction of Ladwa Irrigation schem stares scanctioned by Haryana Government. It has not been approved by Government of India, so far. Work would be stared after approval of Government of India subject to avialability of funds.

इस बारे में आपके माध्यम से मंत्री मजहोदय से जानना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार के पास इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए कब भ्ळोज गया और अग इसके लिए क्या सीरियस कदम उठाये जा रहे है? केन्द्र सरकार का क्या जवाब रहा है? मै यह बताना चाहता हूं कि भााहबाद नलवी सिचाई स्कीम में यमुनानगर जिले के 8 गावों की 324 एकड जमीन एक्वायर करने के लिए जून 1987 में स्वीकृति के बाद एक करोड़ रूपया जमा कराया गया था परन्तु नवम्बन, 1991 में वह पैसे किसानों से वापस लेने के लिए आदे ज्ञ हुए जिसके विरूद्ध गांवों के लोग हाईकोर्ट में गए है। ऐसी स्थिति में क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि लाडवा सिचाई स्कीम कार्यान्वित करने के लिए क्या सीरियस पग उठाए जाएंगे? इस स्कीम के पूरा न होने से वहां के लोगों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। मैने आपके माध्यम से सरकार का ध्यान कुछ बातों की तरफ आकर्शित किया है। मै ऐसे उम्मीद करता हूं

कि अगले बजट तक इन पर कार्यवाही हो जायेगी। आपके मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

चौधरी सुरजभान काजल (जुलाना): डिप्टी स्पीकर साहब, मै इस बजट पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह बजट वित्त मंत्री जी ने कागजों का एक * * * * बना कर पे ा किया है जब बजट पे ा होने जा रहा थ ाउससे हरियाणा की जनता को वित्त मंत्री जी से बहुत सी उम्मीदे थी।

श्री उपाध्यक्षः ये भाब्द कार्यवाही से निकाल दिये जाये।

चौधरी सूजरभान काजलः डिप्टी स्पीकर साहब, भारतवर्श और हमारा हरियाणा प्रदे ा कृशि प्रधान दे ा है। 70 फीयदी से अधिक लोगों का जीवन निर्वाह कृशि कार्यो और कृशि उत्पादों पर आधारित है लेकिन बजट देखने से पता लगता है कि सिफ 8.2 परसेंट बजट कृशि के लिए रखा गया हैं उपाध्यक्ष महोदय, हालांकि यह दे ा और प्रदे ा कृशि के लिए रखा गया है। लेकिन खेद की बात की बता है कि इस दे ाऔर प्रदे ा का कांग्रेस सरकार किसान विरोधी और मजदूर विरोधी है। कृशि के लिए और ग्रामीण विकास के लिए इस बजट में सन्तोशजनक पैसा नही रखा हैं यह सरकार किसान विरोधी है, जिसका एक उदाहरण मैं हाउस के अन्दर देना चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, जैसे खाद की बात है, बीज की बात है, कीडे मारे की दवाईया, कृशि उपकरणोभाव आज दुगने तिगने ऊचे हो गये है, दूसरी तरफ

किसानों की मेहनत से पैदा की गई फसल के भाव नीचे होगये है, चाहे गन्ने की बात हो, चहे बाजरा या गेहूं की बात हो इस सरकार ने किसानों को उनकी उपज का मूलय न दिलाकर ओर किसान विरोधीनीति अपनाकर, हरियाणा प्रदे ा को पीछे ले जाने वाली बात की है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार इस सरकार की नति रही है कि म ीनों के द्वारा जो चीजे बनाई जाए। उनके भाव तो ऊंचे रखे ओर जो चीजे गरीब मेहनतक ा मजदूर लौहार बढ़ई आपरने हाथ से मेहनत से बनाता है, उनके भाव नीचे रखे। डिप्टभ स्पीकर साहब, इस दे ा और प्रदे ज्ञ का विकास करने के लिए सबसे पहले हमें देहात में बसने वाले लोगोंक विकास करना होगा। दे ा की 80 फीसदी से ज्यादा आबादी गांवों में बसती है लेकिन गांवों के विकास के लिए बजट में केवल 5 करोड़ 65 लाख रूपये ही रखे गये है जो बहुत ही कम हैं डिप्टी स्पीकर साहब, आज की सरकार की जो नीतिया है, पिछली सरकार मजो नीतिया रही है, मै उनके बारे में बताना चाहूंगा। ग्रामीण विकास के लिए मैचिग ग्रान्ट चोधीर देवी लाल जी की सरकार के समय मे ंदी जाती थी जो गांवों में बसने 36 बिरादरी के लोगों पर सामूहिक रूप से गऊ घाट, कुएं, स्कूल, धर्मयाला, गलिया आदि बनाने के लिए खर्च होती थी। मैचिग ग्रान्ट की स्कीम पिछली सरकार ने गावों के विकास के लिए बनाई थी लेकिन इस सरकार ने यह स्कीम बन्द कर दी हैं दूसरी और वर्ल्ड बैक की मदद से कई स्कीमे पिछली सरकार ने चालू की थी लेकिन इस सरकार ने वे स्कीमें बन्द कर दी है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट में स्कूलों

और होस्पीटलों के लिए पैसे का कोई खास प्रावधान नही किया है। एक सवाल के जवाब में बहिन भाान्ति`दवी राठी ने कहा था कि स्कूल्ज के लिए हमारे कुछ नार्मज है। और जो इन नार्मज को पूरा करंगा, वहां पर स्कूल बनाया जाएगा। मै कहिन जी के नोटि में लाना चाहूंगा कि गांव दरेड़ा खेड़ा के लोगों ने 14 कमरे स्कूल के लिए बनवाएं है। अैर उसके साथ ही 5 एकड जमीन स्कूल के मैदान के लिए है, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नही हुई। इसी तरह`सजेा गांव से गहर स्कूल है, उनमें पीने के पानी की कोई व्यवस्था नही है। इसलिए यह व्यवस्था भी सरकार को करनी चाहिए। इसीत हरत से मै स्वास्थ्य और ि ाक्षा के बारे में उदाहरण दे कर बताना चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर सहाब, जुलाना एक बहुत बडा कस्बा है। जिसकी आबादी 50 हजार है वहां पर मंडी, हस्पताल, और ब्लाक लैवल की दूसरी चीजे है लेकिन वहां पर दस जमा दो का एक भी स्कूल नही हैं जबकि डिग्री कालेज होना चाहिए लेकिन खेद की बात है कि यह सरकार जुलाना को 56 गांवों के साथ भेदभाव की नीत अपना रखी है। इस इलाके के लोगों को सुवधिाओं से महरूप रखकर अहमारे साथ भेदभाव किया जा रहा है।

इसी प्रकार में स्वास्थ्य के बारे में कहना चाहता हूं। जुलाना एक बहुत ही बड़ा कस्बा है। वहां पर एक हास्पीटल है। लेकिन न तो उसमें डाक्टर है ओर न ही उसकी बिल्डिग ठीक है। वहां पर डैन्टल म ाीन तो है परडाक्टर नही हैं एक्सरे म ाीन तो

है पर एक्सरे करनेवाला नहीहै वहां पर सर्जन की पोस्टे भी खाली पड़ी हुई हैं जुलाना के आस पास मेहत, जींद में रोहतक भ्ाुय होने से पहले कोई कालेज और हास्पीटल नही है। मै यह भी चाहता हूं कि वहां पर स्कूल की बजाय कालिज होना चाहिए और हास्पीटल की बिल्डिग को भीसुधारा जाना चाहिए। दूसरे ट्रेजरी का महकमा वित्त मंत्री जी के अन्डर आता है। ट्रेजरी आफिस की बिल्डिग के बारे मे ंपी डब्ल्यू0 डी0 ने क दिया है कि यह बिल्डिग अनसेफ हैं लेकिन आत तक इन्होने न तो स्टाफ के बारे में सोचा है और न ही उस बिल्डिग के बारे मेंसोचा है, जबकि वह बिल्डिग अनसेफ घोशित कर दी गई है। उस बिल्डिगर के गिरने से काफी जान माल का नुक्सान हो सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस को बनाने के लिए बजट में कोई पैसा नही रखा है।

अब भाईनर्ज की बात ले ले। जुलाना हल्के में जितनी भी माईनर्ज है, उनके मोघे ऊंच कर दिये गये है और तंग भी कर दिये है जिस वजह से टेल तक पानी नही पहुंचता। आप इस बोर मे ंएक कमेटी बनाए जो इस बात की इन्क्वायरी करे। खेतों मे ंपानी देने की बात तो दूर रही, वहा पर तो गांवों मे ंपीने का पानी ळाी नही है। 8—10 गांव तो ऐसे है जहां पीने का पानी बिल्कुल ही नही है। वहां पर माईनर्ज की सफाई भी नही करवाई गई। जब हम अफसरों के पस जाते है तो वे कहते है थ्क सफाई आप खुरी करवा ले। सफाई तो करवा ली लेकिन अभी तक उनकी पैमैन्ट नही हुई हैं मै सरकार से निवेदन करूंगा कि इन माईनर्ज

की सफाई करवाई जाए और पीने के पानी की भी व्यवस्था की जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै बिजली के बारे में में भी कहना चाहता हूं। वहां पर बिजली जाती ही नही है अज्ञै रअगर जाती भी है तो वोल्टेज बहुत ही कम होती है जिस वजअ से न तो किसानों का गंडासा चल पात है अैर न ही उनकी चक्की चल पाती है। बल्कि मोटरे सड़ा ाती ह जब लोग अफसरो ंके पास जात`है तो वे कहते है कि उनके पास ट्रांस्फार्मर्ज और कंडक्टर्ज नही हैं इस तरफ भी मंत्री जी को ध्यान देना चाहिए।

जब मै स्मला फार्मर्ज की बात कहता हूं। स्माल फार्मर्ज के लिए प्रयरीटी बेसिज पर लोन देने की व्यवस्था होनी चाहिए, साथ हि जिन किसानों की फसले बर्बाद होती हैं, उनके लिए वित्त मंत्री जी ने बजट में कोई प्रावधान नही रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री से कहूंगा कि इस तरफ ध्यान दे।

जहां तक सहकारिता विभाग की बात है, सहकारिता में भाूगर मिले है। मै इनको बताना चाहता हूं कि आज किसानों को गन्ने की तोलते समय लूटा जा रहा है, नकली पर्चिया देकर किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है। उनकी पचियो ंकी पेमैंट एक एक साल स`नही हो रही है। अगर किसान किसी बैक से लोन लेने जाता है, तो वहां पर उससे पहले भी रि वत के रूप में पैसा लिया जात है और रिकवरी के समय पर भी पैसा लिया

जता है। इस तरह उसका सारा पैसा वही पर खत्म हो जाता है और सारे का सारा लोन किसानों के सिर पर वैसे को वैसा ही खड़ा रहता है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै विकास की बात करूंगा। जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी तो उनहोने विकास के अनेक कार्य किये थे, लेकिन इस सरकार ने आते ही वह सारे कार्य बन्द कर दिये क्योंकि वे चौधरी देवी लाल जी ने चलाये थें मै इनको उदाहरण के रूप में बताना चाहता हूं। 1990 में दो ग्रौथ सैन्अर उन्होने भारत सरकार से हरियाणा को दिलवाये थे। ये ग्रौथ सैन्टर एक तो पलवल में था और दूसरा जुलाना मे ंथा। पलवल का ग्रौथ सैन्अर तो चालू हालत में है लेकन जुलाना के बारे में अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। इसलिए मै इनसे जानना चाहूंगा कि कया यह सरकार इस ग्रौथ सैन्अर को चलाने के लिए भारत सरकार से कोई पत्र व्यवहार कर रही है, और अगर कर रही है तो यह किस हालत में है तथा यह चालू भी हो पाएगा या नही? अगर यह ग्रौथ सैन्टर चालू हो जाता है। तो इससे बेरोजगारों को रोजगार भी मिलेगा सरकार को टैक्स भी मिलेगा तथा लोगों की हालत भी अच्छी होगी।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बस स्टैण्ड की बात है। चौ0 देवी लाल जी की सरकार ने जुलाना में एक बस स्टैण्डा का उद्घाटन किया था। उसकी जमीन भी एक्वायर हो गयी थी एवार्ड भी हो गया था तथा उसके लिए पी0 डब्ल्यू0 डी0 में पैसा भी जमा

करवा दिया गया था। लेकिन इस सरकार ने आते ही उस बस स्टैन्ड को जुलाना से उठाकर महेन्द्रगढ़ ि ाफ्ट कर दिया। इस तरह से यह सरकार भेदभाव की नीति अपनाती है। डिप्टी स्पीकरसाहब, मै एक बात महनाचाहूंगा। यह सरकार बड़े बड़े नारे लगा रही है कि विदे ाों के उद्योगपतियों को बुलाकर यहां पर नये उद्योग लगवायेगी.....

प्रो0 बिलास वर्माः डिप्टी स्पीकर साहब, भाईसूरज भाज जी ने ठीक फरमाया है कि ये गाय के नीचे का बच्चा भैस के नीचे लगा देत`है ओ रभैस के नीचे का बच्चा गाय के नीचे लगा देत `है। जिस बस स्टैन्ड की इन्होने चर्चा की है, मै बताना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़ बस स्टैनड पर भी दो साल से पत्थर ही रखा हुआ है, वह भी अधूरा पड़ा है तथा उस पर छत भी नही लगी है।

चौधरी सूरजभान काजलः डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार की जो गलत नीति है उसके बारे में मै आपको बतानाचाहता हूं कि मेरे हल्के जुलाना के अन्प्दर सरकार की गलत नीति की वजह से आइ ार फैक्टरी बन्द पडत्री है गलौरी फैन भी बन्द हो गयी है। इसी तरह से इन्टरने ाल सिरप सिम्कस प्लांट भी बन्द होने के कगार पर है। सरकार की मजदूरों के साथ गलत नीति है। मै तो सरकार से कहूंगा कि सरकार को प्रदे ा में अच्छा औद्योगिक वातावरण पैदा करना चाहिए। जिन उद्योगपतियों के उद्योग आज बन्द हालत में पड़े है या वह खराब हालत में है। सरकार को बेरोजगार लोगों को लोन देकर रोजगार देना चाहिए। डिप्टी

स्पीकर साहब, इसी तरह से एक एम0 आई0 टी0 सी0 का महकमा है, इसके बारे में मै आपको बताता हू कि यह मेरे हल्के की ही बात नही है, बल्कि पूरे प्रदे श की बात है। किसानों के खेतों तक पानी जाने वाली नालिया टूटी पड़ी है। लोग दस दस बार औफिस में चक्कर लगाते है और आफिस वाले कहते है कि सामान आपेन प ही देगे क्योंकि अभी सरकार ने सामान नही भेजा है, सरकार क`पास पैसा नपही हैं उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह से किसान दस दस बार आफिसजि के चक्कर लगाता है। लेकिन महकता उनको कोई सही राय नही देता। आज किसानों की खाले नही बनी है। तथा जेा बनी भी हैं उनकी हालत बहुत खराब हैं किसानों के खेतों तक आज पानी नही पहुंच रहा है। इसलि मै सरकार सेहूंकि वह इस बात के लिए बजट में प्रोविजन रखे तथा एम0 आई0 टी0 सी0 महकमा बेकार नालियों को ठीक करें। इसके अलावा, मुख्यम मंत्री जी ब्यान दते हेथ क दिहाडीदारों को हटाया नही जाएगा मै आपकों बताना चाहूंगा कि हमारे यही पर इस प्रकार के लैटर गये है। जिन में लिखा है। कि दिहाडीदारों को हटा दिया जाए। यह भार्म की बात है। बयान कुछ देते है। और व्यवहारिक तौर पर कुछ और बात आती है। सरकार को ऐसा नही करना चाहिए। एक बात मै नहर के बारे में कहूंगा। यह सरकार और मुख्यमंत्री महोदय यमुना एस0 वाई0 एल0 कैनाल या रावी व्यास के मामला में बिल्कुल गंभीर नही है। पंजाब के मुख्य मंत्री कुछऔर ही ब्यान देते है। मै सरकार से यह बात जरूर कहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा के लिए पानी बहुत जरूरी चीज है, इसके लिए

गंभीर होकर जिम्मेदारी से बात कहे। हाउस में कुछ ब्यान देते है, अखबार में कुछ ब्यान देते हैं ऐसा लगता है कि भजन लाल के रहते हुए पानी नही मिलेगा। (घंटी) जहां तक पीने का पानी की व्यवस्था की बात है। जो वाटर वर्कस 15–20 साल पहले बने थे, वह उस समय की आबदी के हिसाब से बने थे। अब आबादी भी बढ गई है इसलि उनकी कैपेसीटी बढाई जाए ओर जो वाटर लाईन बिछाई है, उनहें भी बदलकर लाईन बिछाई जाए। इसी प्रकार वृद्धावस्था पे ान बुर्जगों को उनके मान सम्मान में दी गई थी। लेकिन पैन् ान के जो असली हकदार है, उनको नही मिली है। डेढ़ साल से कोई पे ान नही बनी हैं इस पीरियड़ में कई और बुजुर्ग इसके इकदार हो गए होगे, उन्हें भी पैन् ान मिलनी चाहिए।

स्पीकर साहब, एक परिवार के लिए एक रोजगार योजना के बारे में ये बाहर भी बयान देते है लेकिर हमं आज तक कोई केस ऐसा नही मिला। जिसको एक परिवार को एक रोजगार है जिनमें ऐ परिवार में 5–6 लड़े पढ़े लिखे बैठें है। इसलिए इस स्कीम को भी मै ढकोसला मानता हूं। गावों में भौचालय बनाने की इस बजट में कोई व्यवस्था नही रखी गई। गांवों में वि ोंकर महिलाओं को इससे काफी तकलीफ होती है, इसलिए सरकार इर गांव में भौचालय बनाने की इस बजट में कोई व्यव्था नही रखी गई। गांवों में वि ोशकर महिलाओं को इससे काफी, तकलीफ

होती है, इसलिए सरकार हर गांव मं भौचालय बनाने की व्यवस्था करेगी, हम ऐसी उम्मीद करते है।

श्री उपाध्यक्षः सूरजभान जी, जहां तक हो, लम्बा न खीचिए। Please conclude it now.

चौधरी सूरजभाज काजलः डिप्टी स्पीकर, मै कन्कलूड कर रहा हूं। जहां तक रोड्ज की बात है। उस बारे में कहा गया है। कि 31 मार्च तक रोड्ज की रिपेयरिंग हो जाएगी। छोटी छोटी रोड्ज है। उन पर रिपयरिंग तो क्या करनी थी, रोड़ियां डाली और ताराकोल दिखा बदया। मै चाहूंगा कि सड़कों की रिपेयरिग ईमानदारी से की जाए ओर इसमें कोई हेरा–फेरा न की जाए। (विध्न) मांगे राम गुप्ता जी की भ बात मै बताता हूं * * *

* * *

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): डिप्टी स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै माननीय सदस्य से प्रार्थना करूंगा कि वे इस तरह के पर्सनल एलीगे ान न लगाए। इस तरह की बात करेगे तो वही हाल होगा जो नही होना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः मांग्र राज गुप्ता जी के बारे में जो बात कही गई है, उसे रिकार्ड न किया जाए।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहबा, जो बात अभी अभी माननीय

सदस्य ने कही है, वह बहुत की गैर जिम्मेवाराना है। यह रिकार्ड से एकसपंच की जानी चाहिए।

Mr. Deputy Speaker: It has already been expunged.

श्री किताब सिंह (गोहाना): उपाध्यक्ष महोदय, कई दिनों से बजअ पर चर्च हा`रही हैं मै भी बजट पर चर्चा करना चाहूंगां अभी मेरे साथी पानी के बारे में बात कर रहे थे। (व्यवधान एवं भाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साह, आप माननीय सदस्य को कन्कलूड तो कर लेने दें That was a point of order. He was contiunously speaking. He was on his legs. चाहे आप उनपको आधा सैकंड दें, लकिर कनकल्यूड तो करने दें। (व्यवधान एवं भाोर)

Sh. Mange Ram Gupta: Sh. Sampat Singh Ji you are the senior memeber of the House. You should not interrupt like this.

Mr. Deputy Speaker: Fourt imes, I have extended the time of the Hon'ble Member.

श्री किताब सिंहः जी आप बोलिए।

श्री किताब सिंहः उपउध्यक्ष महोदय, मै भी बजट पर चर्चा करना चाहूंगा। सबसे बपहले तोमै पानी का जिकर करन

चाहूंगा। काजल साहब अभी अभी पानी का जिकर कर रहे थे। (व्यवधान व भाोर)

श्री अमर सिंहः डिप्टी स्पीकरसाहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि पार्टी की ओर से बजट पर सिफ मैं ही बोला हूं, केवल 20 मिनट के लिए बोला हू। इसके बाद हमर `अनरेबल मम्मबर्ज, जिन्होने बोलना है, उनकी लिस्ट दी हुई हैं किताब सिह जी तो गवर्नर एड्रैस पर भी बोल चुके है। टाईम तो हमारी पार्टी को मिलना चाहिए। (व्यवधान व भाोर)

श्री उपाध्यक्षः किताबा सिंह जी, आप बोलिए, अमर सिंह जी, आप बैठिए।

श्री किबात सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै तो पहली बार बोल रहा हूं। मै तो बजट पर बोला ही नही हूं। मतै तो बची में भी कभी नही बोलता। (व्यवधान व भाोर) प्रदे ा में सबसे ज्यादा आव यकता आज पानी की हैं (व्यवधान व भाोर) सम्पत सिंह जी सुनने की हिममत रखे। मै पानी की बााबत जिकर कर रहा था। पानी एक आव यक चीज हैं पानी खेती के लिए और पीने के लिए बहुत आव यक है। पानी के बगैर न तो जीवन सुरक्षित है ओर न ही खेती सुरिक्षत है। सरकार ने सिचाई विभाग कक `लिए कोई एक्स्ट्रा प्रबन्ध बजट में नही कयाहैं मै सरकार को यह सुझाव देना चाहता हूं कि सिंचाई विभाग को और ज्यादा बजट दिया

जाये ताकि किसानों की पैदावार बढ़े। आज जो वर्तमान पानी है, उस पानी का बंटवार भी ठीक नही है। मै कह कहना चाहूंगा कि पानी का बंटवारा ठीक तरीक से होना चाहिए। जो मेन भाखड़ा ब्रांच है, वहां पर वटर अलाउन्स 3.05 हैं डब्ल्यू0 जे0 सी0 पर आज कमांड एरिया आता है। यह 2.4 क्यूसिक है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा मुख्य मंत्री जी से अनुरोध है कि पानी का बंटवारा ठीक ढंग से हाना चहिए और इस बटवारे को दुबारा किया जाए। मै सम्पत सिंह जी कोकहना चाहता हूं कि जब इनकीसरकारथी तो इनकी सरकार भी अपानी क बारे में चुप बैठी रही। उस वक्त इनकी हिम्मत नही थी कि पानी के बारे में कुछ बात अपने नेता से करें। उपाध्यक्ष महोदय, मेरेा कई साथियों ने पानी के बंटवारे के बारे में काफी कुछ कहा है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा है कि पानी का बंटवारा ठीक ढंग से होना चाहिए। मै पूछना चाहता हूं कि ये कौन से पानी का बंटवारा ठीक चाहते है? क्या उस पानी का ये बंटवार चाहते जिसके बारे में सरदार बेअंत सिंह कर रहे है।

श्री किबात सिंहः आज हरियाणा को भाखड़ा से जो पानी मिलता है और जिस एरिया को वह कामण्ड करताहै वहां आज किसान को 3.05 रूकूसिक कहीो या गैनल कहो, इतना पानी मिलता हैं डब्ल्यू0 जी0 सी0 से जो रिसा कमाण्ड होता है। उस एरिया के किसान को एक क्यूसिंह काह या गैनल काहे, क्रम ाः 3.

05:1 इतना पानी मिलताहै। मै सम्पत सिंह जी से कहना चाहता हूं कि वे खड़े होकर कहे कि पानी का बंटवारा ठीक ढंग से होना चाहिए। आप अपनी जिम्मेदारी से भाग नही सकते। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री फूल चन्द मुलाना विराजमान हुए) चेयरमैन साहब, आज हालत यह है कि जब कोई सरकार आती है तो अपोजी ान में जो लोग हाते है वे कहने लग जाते है कि यक एन्टी किसान सरकार है। चेयरमैन साहब, काजल साहब ने कहा कि किसान को उसकी उपज को ठीक भाव मिलना चाहिए। मै उनको बतना चाहता हूं कि जब चोधीर देवी लाल मुख्य मंत्री थे, उस समय क्या भाव किसाना को दिया जाता था। उनके जमने मे ंदस रूपया बढाया गया था और जो आज की सरकार है, उसने पिछले साल पचपन रूपया बढाया था और अब पचास रूपया बढ़ाया है। अगर एक किसान की पैदावार सोलह क्विंटल हो तेा ाचौधरी देवी लाल के समय में किसान को केवल एक सौ साठ रूपया ज्यादा मिला और एक सौ साठ रूपय से सवा कट्टा यूरिया आदि डालकर भी किसान को फायदा रहता है इस हिसाब से इस बार केन्द्रीय सरकार ने कुछ भाव ठीक बढद्याया हैं चेयरमैन साहब, चौधरी बंसी लाल भी भाव के बारे में बत कर रहे थे कि किसान को चार सौ या पांच यौ यपय की क्विंटल मिलना चाहिए। चौधरी बसी लाल इस प्रदे ज्ञ के मुख्य मंत्री रहे है। ओर केन्द्रीय सरकार में भी मंत्री रहे है। ओर एम0 पी0 भी रहे है, क्या कभी उन्होने भाव बढ़ाने के बोर में कोई बात की थी। क्या कभी उन्होने कहा था कि किसान को चार सौ या पांच सौ रूपया का भाव किलना

चाहिए? मै समझता हूं कि उन्होने कभी भी ऐसा नही कहा। चौधरी देवी लाल भी इस प्रदे ज्ञ के मुख्य मंत्री रहे है। और केन्द्र में उपप्रधान मंत्री भी रहे ओर चौधरी भजन लाल भी इस प्रदे ज्ञ के मुख्य मंत्री रहे और केन्द्र में मंत्री रहे लेकिन आज तक किसी ने यह नही कहा कि किसान को उसी उपज का भाव मूल्य सूचकांक के साथ जाड़ दिया जाए। आज पैडी के भाव की बात की ाजती है बिजली के रेट के बारे में कहा जाता है और गेहू के भाव की बात की जाती है। चेयरमैन साहब, मेरी सुजै ान यह है कि सारे पावडे को खत्म कर दिया जाए और किसान की उत्रति के लिए और किसान की देखभाल के लिए किसान की पैदावा का रेट मूल्या सूचकांक के साथ जोड़ दिया जाए। मूल्य सूचकांक के साथ उसकी उपज का भाव घटता बढ़द्यता रहे। सम्पत सिंह जी से मै कहना चाहता हूं कि पानी के बंटवारे की बात आपके समय मे चली थी और यह बात 1977–78 की है जब चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री थे और आप भी मंत्री होते थे। उसके बाद एस0 वाई0 एल0 की बात आ गई। चेयरमैन साहब, एस0 वाई0 एल0 के बारे में बताना चाहता हूं कि चोधरी देवी लाल जी की सरकार कम सके कम 3–4 साल रही तभी कोई काम नही हुआ। अब चौधरी भजन लाल जी आए, वे कहते हे। कि एस0 वाई0 एल0 का पानी हरियाणा के अन्दर हम लाएंगे। चेयरमैन साहब, मै स्पश्ट व साफ बात करने का आदी हूं जो भी मुख्य मंत्री आता है, वह यही कहता है कि मै पानी लेकर के आऊंगा और मुण्े ऐसा लगता है। कि यह सारा पोलिटिकल मुद्दा है। सम्पत सिंह जी, पिछले दिनों पंजाब

के मुख्य मंत्री सरदार बेअन्त सिंह जी का ब्यान था कि हरियाणा को उसके पानी का हिस्सा मिलाा चाहिए। लेकिन सम्पत सिंह जी के ही नेता चौधरी देवी लाल जब हरियाणा के मुख्य मंत्री थे और पंजाब के चीफ मिनिस्टर सरदार प्रका ा सिंह बादल थे, ये दोनो आपस में पगड़ी बदल भाई थे, उस समय इन दोनों ने कभी पानी का जिकर नही किया। उस समय इन दोनों को इसके लिए क्या दिक्कत थी। चौधरी बंसी लाल जी ने एस0 वाई0 एल0 बनवाई। उनको पता है कि किसान पहले अना टयूबवैल लगाता है फिर नाली बनाता है, या खाल बनाता है लेकिन उधर क्या हुआ कि हरियाणा के अन्दर तो एस0 वाई0 एल0 बना दी गई लेकिन बननी चाहिए थी पहले पंजाब में। हरियाणा मे ंपीछे बननी चाहिए थी तो मै कह रहा ि कि जब सम्पत सिंह जे नेता इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री थी, उस वक्त हरियणा के हितों के लिए पानी को बात बिल्कुल नही उठाई गई और आज ये लोग किसान के हमदर्द बनते है, किसानों की बातें करते है। किसानों के साथ ज्यादा हमदर्दी दिखाते है। मै इनसे पूछता हूं कि उस वक्त यह कहा थे जब इनके नेता मुख्य मंत्री थे। अब जब किसानों की हमदर्दी की बात यहां सदन में कहते है तेा सम्पत सिंह जी के कानों पर जूं तक नही रेगती।

चेयरमैन साहब, हरियाणा मं 1987 में सूखा पड़ा थ और पंजाब में भी सूखा पड़ा था। पंजाब में उस वक्त राश्ट्रपति राज था और वहां पर किसानों को पैडी पर बोनस दिया गया था।

इसी बात को लेकर के हमने कुरूक्षेत्र, करनाल, यमुना नगर ओर अम्बाला इत्यादि में धरना दिया था। कि यहां पर यहां पर भी किसानों को काफी नुक्सान हुआ है ओर उन्हें पैडी पर बोनस मिलना चाहिए लेकिन इनके नेता चौधरी देवी लला जी ने यह कह दिया कि किसानों को पहले ही भाव ठीक मिल रहाह ै। तो फिर ये यहां पर किस मुंह से किसानों के हमदर्दी बनते है। अगर सचमुच में सम्पत सिंह जी किसानों के हमदर्दी बनते है। तो वे बताए कि किसानों को जो वर्तमान रेट दिया जाताहै वह ठीक था, पानी का जो वर्तमना बंटवारा था, क्या वही सही थी? मै इसके साथ साथ यह भी कहना चाहता हूं कि डब्ल्यू0 जे0 सी0 के अन्डर जो एरिया आता है, क्या उस इलाके के लोगों के साथ भेदभाव नही है? इसलिए मै सरकार से कह कहूंगा कि पानी के बंटवारे के सम्बन्ध मेंसरकार दोबारा विचार करे तो बेहतर रहेगा। मै यह भी कहनाचाहता हूं कि जब तक सिानों को उनके हिस्से का पूरा पानी नही मिल पाएगा, उस समय तक प्रदे ा ऊपर नही उठा पाएगा। चेयरमैन साहब, गवर्नर एड्रैस और बजट स्पीच में यह द र्ाया गया है कि कृशि को प्राथमिकता दी जाएगी। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि चाहे सरकार सही से भी पैसा लाए लकिन हरियाणा को उसके हिस्से का पानी मिलना चाहिए। यह डब्ल्यू0 जे0 सी0 सिस्टम बहुत पुराना है। यह उस वक्त का सिस्टम बना हुआ हैं जबकि लोग पानीपत के इलाके में ज्यावर–ग्वार लगाया करते थे, लेकिन आज के वक्त में यह पानी झज्झर तक जाता है और लोग वहां पर जीरों ओर ज्वार ग्वार लगते है। और जब यह

पानी आगे राजस्थान के इलाके तक भी जाता है। इसलिए मेरी रिक्वैस्ट है कि डब्ल्यू0 जे0 सी0 का सिस्टम इस तरह का सरकार को करना चाहिए ताकि सभी जगहो ंपर इसका डिस्ट्रीब्यू ान ठीक तरीके से हो ओर यह सिस्टम इस तरह हो होना चाहिए कि तीन महीनों के अन्दर अन्दर ही किसानों की जरूरत पूरी हो जाए ओर जब किसान की तीन महीन की जरूरत पूरी होगी तो वह तीन महीनों में अपनी पैडी पका लेगा ओर उसी हिसार से अगली रबी की फसल भी बोई जा सकेगी जिससे हरियण और भी खु ाहाल हो जाएगा। इसी तरह से मै दादपुर नलवी कैनाल का जिक्र करना चाहता हूं। सोनीपत, करनाल, कुरूक्षेत्र, पानीपत का जो यमुना के साथ लगता एरियाहै वहां पर वाटर लैवल बहुत नीचे चला गया हैं कुरूक्षेत्र का तो वाटर लैवल 70 फूअ तक नीचे चला गया हैं अम्बाला की स्थिति ओर भी बुरी हैं ेरा मुख्य ंत्री जी से निवेदन है कि वे इस काम को जल्द पूरा करवाए। इरीगे ान के बारे में मैने पीछे भी कहाथा औरा आज फिर कहता हूं कि डब्ल्यू0 जे0 सी0 के एरिया में जो किसान आते है उनके साथ बहुत भेद भाव है। चेयरमैन साहब, यह बात मै मुख्य मंत्री जी को कह रहा हूं लजेकिन सम्पत सिंह जी इसमें सबसे ज्यादा जिम्मेवार हैं ओर फिर ये किसान की बात करते है।

प्रो0 सम्पत सिंहः चेयरमेन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चेयरमैन साहब, जब से इन्होन ेबोलना भाुरू किया है तब से लेकर मेरा ख्याल में इन्होने सौ डैढ़ सौ बार मेरा नाम

लिया है। मै इनको भी कह रहा हूं और मुख्य मंत्री जी को कह रहा हे और सत्ता मे ंपरिवर्तन हो रहा है जो ये मांग रख रहे है हम उसे बाकायदा पूरी करेगे (हंसी)

श्री सभापतिः यह कोई प्यायंट आफ आर्डर नही हैं

श्री किताब सिंहः सम्पत सिंह जी चिन्ता न करें मै जो कह रहा हूं वे मेरे अपने विचार है, और मेरे ही विचार नही बल्कि जों कुछ लोगों के साथ हो रहा है वास्तविकता में वह कह रहा ूं। जो लोग कह रहे है, मै वह कह रहा हूं। चेयरमैन साहब, सम्तप सिह जी सुननु की हिम्म कम रखते हैं इनके वक्त में कानून ओर व्यवस्था की बहुत बुरी हालत थी। इसलिए ये भी ऐसी बात कहे तो अच्छा नही लगता इनके समय में जो होता था, ये खुद जानते है। अब तो कानून व्यवस्था की दशा बहुत सुधर गई है। (विध्न) सब कुछ तो अच्छा नही है लेकिन सम्पत सिंह जी के समय में मुझे याद है कि लोग जब बाजार में सामान खरीदने जाया करते थे तो कहा करते थे कि पैसे ताऊ देगा। जब सम्पत सिंह जी होम मिनिस्टर थे ते उस समय इनके नेता कहा था कि इन्होने भर्ती में हेराफेरी की हैं ओर इनको उस कारण इस्तीफा देना पड़ा था। (विध्न) चेयरमैन साहब, जब मेहम में इलैक ान हुआ था तो वहां क्या हुआ था मै तो वहां था नही क्योंकि इनकी सरकार थी ओर मेरे का `पकड़ कर इन्होन अन्दउर कर दिया था। लेकिन जनता बात रही है कि रेट हाउस मेंसम्पत सिंह जी सोफा सैट के नीच

बड़ गए और कहने लगे कि मै तुम्हारी काली गऊ हूं, मुझे छोड दो।

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): आप इन पर इस तरह के एलीगे ान्ज क्यों लगाते हो नीचे बड़ गए, चारपाई के नीचे बड़ गए उसके बाद नाले में बड़ गए। यह कोई बड़ना थोडे ही होता है। होम मिनिस्टर के लिए। (हंसी)

श्री मनी राम केहरवाला: चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य से अर्ज करूंगा कि वचह कह रह है कि नीये बड़ गया, इस बात को डिटेल में बात दे कि किस तरह से बड़े।

श्री किताब सिंह मलिक: चेयरमैन सहाब, यह बात मै नही कहता, वहां के लोगों ने मुझे बताई हजै। जो बात मुझे बताई,वही बात कै कह रहा हूं। इनके समय में जो भ्रश्टाचार था उसके बारे में तो आप लोगों का पता ही है।

श्री धर्मपाल सिंह: चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपके माध्यम से किताब सिंह मलिक से पूछना चाहूंगा कि पिछले सै ान में आपने यह एलीगे ान भी लगाया था कि इनको एक थानेदार ने पांच हजार रूपए दिए। क्या वह बात सच थी या नही?

Mr. Charimean: This is no point of order. Point of order arises out of a speech just for clarification. Hon'ble

member, Sh. Kitab Singh is a member if this August House and he had stated in this August House about theGohana incident and the Hon'ble member is seeking clarification. It is a very relevenat point of roder and he should clarify this because in this August House in the previous Session he had alleged that a SHO came to him an dhe tried to vie his a bribe. He has said all this. This is a clear point or order and he should clarify it.

Mr. Chairman: He has never stated like this since the time I occupied this chair.

श्री किताब सिंहः चेयरमैन साहब, आदरणीय मैम्बर बहुत पुराने और सीनियर मैम्बर हैं मैने उस समय में भैसा टिब्बा काण्ड हुआ था, उस समय आप मंत्री थे। जब इनकी सरकार आई तो फाईल मंगवा ली ओर फाईल मंगवा कर भैसा टिब्बा गांव की 18 एकड जमीन एक्वायर करने के आर्डर कर दिए क्योंकि वह जमीन किसी प्राइवेट आदमी हो दे दी गई थी। उस जमीन का चार और 6 को नोटिस भी जारी हो गयाथा। इन्होने आर्डर कियाथा कि यह जमीन एक्वायर कर ली जाए तो वह फाईल मुख्यम मंत्री जी के पास चली गई। उस समय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी थे। जब मुख्य मंत्री जी के पास फाईल गई तो भयाम सुन्दर का पता लगा। चौधरी दवेी लाल के छोटे पुत्र रणजीत सिह को ले कर भयाम सुन्दर चौधरी देवी लाल जी के पास गए। 6 महीने तक उस फाईल का पता नही लगा। उस जमीन पर 60–65 भाोरूम भी बना दिए, वह जमीन एक्वायर नही कर सके। वह जमीन 20 हजार रूपए

गज के हिसाब से गई थी लेकिन जहां तक मेरी जानकारी है, वह जमीन 40–50 हजार रूपए प्रति गज के हिसाब से गई थी। जो कुछ मैने सुना है वह मैने कहा है, आप इन्कवायरी करवा ले, यह बात स्पश्ट हो जाएगी।

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, माननीय सदस्य का कहना यह है कि 18 एकड जमीन थी। उस जमीन का रेट 40–50 हजार रूपए प्रति था। 5 हजार एकड का एक एकड़ होता है। माननीस सदस्य को यह कहना कि इस केस में अरबों रूपए का घोटाला चौधरी सम्पत सिंह जी ने किया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब माननीय सदस्य ने जो कहा है, उस बार में मै यह कहना चाहता हूं कि हमने कुछ नही कय, इन्होने यह घोटाला किया होगा।

श्री किताब सिंहः चेयरमैन साहब, अब मै कृशि के बारे में कहना चाहता हूं। हमारे प्रदे ा कृ शि प्रधान प्रदे ा है। और कृशि प्रधान प्रांत दे ा की रीड हड्डी होती है। संयुक्त अमेरिका ने 1926 में एक कृशि आयोग बनाया था। उसने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि किसान कृशि के माध्यम से केवल धन कमाने का ही रास्ता नही अै बल्कि यह एक सार्वजनिक सेवा भी है। भावों की बात यहां पर हो रही थी। रि ाया, अमेरिका से कृशि की पैदावार

आयात करता थ। इस बारे में चौधरी चरण सिंह जी ने अपनी किताब में एक जगह यह लिखा था कि रि ाया, जो सामूहिक तौर पर आद र्ा खेती कर रहा है, वह ठीक नही है। उसी का नतीजा है कि रि ाया की हालत बहजुत खराब हुई और उसकी जो हालत हुइ है उसका सभी का`पता है। मेरे कहने का मतलब यह है कि कृशि प्रदे ा रीड की हड्डी हैं हमारे बजट मतें कहा गया है कि कृशि को हम प्राथमिकता देगे। मै भी चाहता हूं कि प्राथमिकता दी जानी चाहिए जबकि बजट को देखने से यह पता चलता हैं कि जितना पैसा कृशि के लिए पिछले साल दिया गया था उतना ही अब की बात यानी अगले ाल के लिए दिया जा रहा हैं यह काफी कम हैं मै चाहता हूं कि सरकार गंभीरता से चिार करते हुए कृशि पर अधिक से अधिक पैसा खर्च करे। मै यह भी चाहूंगा कि कृशि की पैदावार बढ़ाने के लिए पानी बहुत जरूरी है। जितना पानी कृशि के लिए किसानों को अधिक मिलेगा उतनी ही कृशि की पैदावार में भी बढौतरी होगी। इस बारे में मै यह भी कहना चाहता हूं कि चहो कोई आमदी किसी भी धर्म से संबंध रखता हो और किसी भी बिरादरी से संबंध रखता हो उसकी कृशि की पैदावार अधिक होने के बारे में हमदर्दी होनी चाहिए ताकि हमारा प्रदे ा और दे ा मजबूत हो सके।

चेयरमैन साहब, बिजली क बारे में बहन चन्द्रावती जी कह रही थी कि बिजली की चोरी हो रही हैं मैसरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि बिजली बोर्ड में जा`अनियमितताएं 1988–89

और 90 अर्थात तीन सालों में हुइ उतनी कभी नही हुइ। उस समय के बारे में चौधरी संपत सिंह जी अच्दी तरह से बता सकते है कि उस समय किस का राज था। बहन जी ने यह भी कहा था कि कोयला घटिया खरीदा जाता हैं चेयमैन साहब संपत सिंह जी के वक्त मं जो जो कोयला बंगवाया गया था, उसकों उतरवाया नही गया जिसकी वजह से रेलवे ने 41 लाख रूपये का लौस हुआ। मुख्य मंत्री जी ने मेरा निवेदनहै कि छोटी छोटी बातों की तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए, जैसे कि पिछले 3 साल में बिजली बोर्ड को रोल वैगनों की जवह से 41 लाख रूपए का चुना लगा है। चेयरमैन साहब, मेरा एक सुझाव है कि एक बोर्ड बना दिया जाए। (विध्न) मै यह कहना चाहता हूं कि 4–5 आदमियेां की एक कमेटी बना दी जाए जिसमें सभी पटियों के एक एक या दो दो एम0 एल0 ए0 हो। यह कमेटी इस बात को दखे कि किस तरह से किसानों के लिए बिजली ओर पानी का प्रबन्ध हो सकता हैं इस मं हो ताकि बिजली और पानी का ठीक प्रबन्ध हो सके जिससे किसान और यह प्रदे ा मजबूत बन सके। चेयरमैन साहब, हम लोग इन बातों को यहा ंपर कह तो जे है, लकिन बाद में इनकी तरफ ध्यान नही दिया जाता। इसलिए मुख्य मत्री जी से मेरा निवेदन है कि वे इस बात की तरफ सीरिसयली ध्यान दे, सिर्फ बजट भाशण देने भर स बात नही बनती। इसके साळा मै अपनी बात समाप्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

साथी लहरी सिंह (रादौरा–अनुसूचित जाति): सभापति महोदय, आप का बहुत बहुत धन्यवाद, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मै बजट पर बोलने के लिएखड़ा हुआ हूं। और आपके माध्यम से सरकार को अपने जिले की ऐउमिनिसटे ान के बारे में सबसे ज्यादा पहले बतानाचाहता हूं। मै यमुनानगर जिले की ऐडमिनिस्ट्रे ान को बधाई देना चाहता हूं कयोंकि वहां पर ऐडमिनिस्ट्रे ान ने काफी सोच समझ से काम लिया जो विपत्ति इस जिले परआइ बहुत अच्छी तरह से उसको टैक्ल किया ओर मेवात के दंगों जैसी स्थित वहां पर पैदा नही होने दी। यह बात वास्तव में सराहनीय हैं हमारे जिले के एस0 पी0 डी0, डी0 सी0 औ जिले की ऐडमिनिस्ट्रे ान ने काफी सूझ बूझ से काम लिया। सभापति महोदय, यहां पर उग्रवादी भी मारे गये, उग्रवादियें को मुकाबला करने के लिए मेरे हल्के के दो आदमियों ने साथ दिया। उस गांव मे ंएस0 पी0 दिन रात बैइे रहे, जब तक कि यह आप्रे ान पूरा नही हो गया। मै इसके लिए सरका को बधाई देता हूं क्योंकि इसका सारा क्रेडिट सरकार को जाता है।

इसके साथ ही सभापति महोदय, मै हरियाणा मे जूडि ारी के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। जुडि ियल सर्विसिज का जो हाल है, वह बहुत ही बुरा है। मै जूडि ारी के बारे में एक सुझाव देना चाहता हूं जैसे मार्किट फीस किसानों की भलाई के लिए इस्तेमाल होती है, उसी प्रकार जो कोर्ट फीस ली जाती है,वह जूडि ारी की बेटरमैन्ट के लिए इस्तेमाल होनी चाहिए। सभापति

महोदय, किसी कोर्अ मे ंचले जाइये, वहां पर छतों की हालत खस्ता हैं अभी पिछले किदनों एक छत की कड़ी गिर जाने की वजह से एक जज के सिर मे ंचोट आ गई थी। (विध्न) इसलिए मेरा सुझाव है कि जो कोर्ट फीस ली जाती है, वह दूसरे मदों में न डाल कर, जजों को बैटर फैसिलिटीज प्रोवाईड करने में इस्तेमाल होना चाहिए और उनके रहने सहने का भी ठीक इन्तजमा होना चाहिए। किसी भी कोर्ट में चले जाईए, जज की कुर्सी टूटी हइ या खस्ता हालत में मिलेगी। यदि हम जूडि ारी को फ्री हैंड देना चाहते है तेा हमें उनको सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवानी चाहिए ताकि वे ठीक न्या कर सके। सभापति महोदय, अब मै आई0ए0एस0 और एच0 सी0 एस0 के बारे में कहना चाहूंगा। मेरा कहना है कि एच0सी0एस0 की भर्ती हर साल होनी चाहिए। एच0सी0एस0 की भर्ती कई बार सरकार करती हैं और कई बार नही करती। लेकिननर्मली भर्ती हरसाल होनी चाहिए। सभापति महोदय, सरकार से मेरा निवेदन है कि जो व्यक्ति एच0सी0एस0 भर्ती होत है, वह एच0सी0एस0 ही रिटायर हो जाता है। उनकी टाईम बांउ प्रमो ान होनी चाहिए 10 साल की सर्विस के बाद उसको ज्वायंट सैक्रेटरी बना दिया जाये या कमि ानर बना दिया जाए। जो आई0ए0एस0 सीधे भर्ती हो कर आते है, वे हमारी स्टेट पर बर्डर बढ़ाते ही हैं सभापति जी मेरा निवेदन है कि एक आदमी एच0सी0एस0 भर्ती होकर सारी जिन्दगी काटकर चला जाता है। सर्विस में उस का कोई ग्रेस नही रहता हैं काम के प्रति उसकी

भावना को देखते हुए सरकार को उनका ध्यान रखना चाहिए। यह भी मेरा सकरार को एक सुझाव है।

सभापति महोदय, आज हरियाणा की सारे वि व भर में साख गिरी हैं हमारी जीरी 12 सौ से लेकर 2 हजार रूपए क्विंटल तक बिकी हैं (ाोर एवं व्यवधान) सभापति जी, बात असल में यह हुइ कि जब हमारे चावल का एक्सपोर्ट हुआ तो हमारे दे ा में कुछ ऐसे दे ा द्रोही थे जिन्होन 40 रूपए वाले चावल में 10 रूपया वाला चावल मिक्स कर दिया और वह सारा का सारा चावल विदे ा से वापिस आ गया, परिणामस्वरूप आज हमारी साख विदे ाों में खत्म हो गई है। मेरा सरकार से निवेदन है कि इसमें जो भी आदमी इन्वाल्ब्ड है, उसके खिलाफ अगर ऐक ान हुआ है तो ठीक है ओर अगर नही हुआ है, तेा सरकार क्या एक ान लेने जा रही है। यह मै जानना चाहता हूं।

सभापति जी, अब मै दादुपुर नलवी स्कीम के बारे में कहना चाहता हूं। इस स्कीम के अन्दर स्पीकर साहब, डिप्टी स्पीकर साहब, भाई भोर सिंह ओर मेरा हल्का आता है। इन सब हल्कों को दादुपुर नलवी नहर कवर करती हैं इसके कई फायदे है। अगर यह चल पड़े तो काफी फायदा हो जाएगा। अब की बार तो सरकार ने जवाब भी दे दिया है। कि बना देगे। * * *

*

श्री सभापतिः अभी लहरी सिंह जी ने जो भाब्द कहे है, वे कार्यवाही से निकाल दिये जाएं।

साथी लहरी सिंहः सभापति जी, मेरा सरकार से नम्र निवेदन है कि पि चमी यमुना नहर में पानी की जगह जहर चल रहा हैं आप जाकर देखे, उसमें पानी नही बल्कि गन्दी नालियों का पानी डाला जा रहा है। वैस्टन जमुना कैनाल ओर आगमैन्टे ान कैनाल मेरे हल्के से छाती चीरती हुई निकलती है। मै मंत्री जी से कहूंगा कि जब हमारी जीरी ही नश्ट होने जा रही है। तो कम सक कम इस समय उसको एक या दो बार पानी मिल जानाचाहिए।

सभापति जी मेरा आपके द्वारा सरकार से एक ओर निवेदन है कि धनौरा गांव चार कांस्टीच्यूऐंसीज को जोड़ता है? जिसमें लाडवा, कुरूक्षेत्र, इन्दरी और जमुना नहर आते है पुल नह होने की जह से 150 गांवों का रास्ता बन्द है और दो आदमी भी डूब कर मर गए। इसके लिए भी मेरा सरकार से निवेदन है कि वे जल्दी से जल्दी इस पुल को बनवाए। सभापति महोदय, इसी तरहे से बस अड्डों की बात आ गयी। ट्रांसपोर्ट में जिस तरह से सरकार ने टैक्स लगाया है, किराया बढ़ाया है, इसको देखते हुए मेरा सरकार से नम्र निवेदन है कि बबैन, खेडी लाखा सिंह रादौर मे ंजो बस अड्डे बने हुए हैं वे कोई बस अड्डे नही गिने जाते। इसलिए गोदाना में एक बस अड्डे का निर्माण सरकार को जल्दी से जल्दी करना चाहिएं

सभापति महोदय, इसी तहर से मै सड़कों के बारे में कहना चाहूंगा कि एक सड़क करनाल से यमुना नगर, यमुना के किनारे किनारे जाती है। इस सड़क पर बड़ा भारी ट्रैफिक है

जिसको संभालना मु कल हो जाता है। इसलिए इसका डबल किया जाए। मेरे हल्के के लोगों की भी यही मांग है। तीनचार जिले इस सड़क से मिलते है। (घंटी) सभापति महोदय, इसके साथ ही नाजायज कब्जों की बात के बारे में मै आपको बताना चाहता हूं। पंचकुला में बड़े बड़े ओफिसर्ज ने सारी जमीनों पर कब्जा कर लिया है और सड़को को भी बंद कर दिया हैं सरकार को इस बात का नोटिस लेना चाहिए, क्योंकि अगर बड़े बड़े ओफिसर्ज भी कब्जा करेगे तेा फिर दूसरों को ये क्या कानून और व्यवस्था सिखलायेगे? इसी तरह से महिला एवं बच्चो के डिपार्टमेंट, सो ाल वैलफेयर डिपार्टमैंट, ि ाडयूल कास्ट डिपार्टमैंट में काफी कम संख्या में हरिजन काम कर रहे है, वहा पर डायरैक्टर भी नोन हरिजन काम कर रहै, वहं पर डयरैक्टर भी नोन हरिजन है तथा दूसरे औफिसर्ज भी नान–हरिजन हैं इसके साथ ही हरिजनों के लिए बजट में पैसे का कोई प्रोविजन नही किया गया। इसके लिए सरकार से मारा नम्र निवेदन है कि कम से कम मौरल बूस्ट करने के लिए इन डिपार्टमैंट्स में हमारे आदमी लगने चाहिए क्योंकि वहां पर हमारे आदमियों की जाने की हिम्मत नही ड़ती हैं सभापति महोदय, मै आपको एक उदाहण देना चाहता हूं कि पहले एक आदमी को रिवर्ट कर दिया गया और जब उसने पैर कपड़ लिए तो फिर उसकी बहाल कर दिया गया। इसलिए ऐसी बातें नही होनी चाहिए। सभापति महोदय, अगर रिवर्ट करने के बाद उस आदमी को हाडट अटैक हो जाता तो इसका जिम्मेदार कौन होता? इसलिए खासतौर से इस बात पर सरकार का ऐक ान

लेना चाहिए साथ ही साथ जितने डिपार्टमैंटस है उनमें कोर्ट के हिसार से ि ाडूलय कास्ट्स के औफिसर्ज को लगाया जाए। सभापति महोदय, ऐसा ही एक आंगनवाडी डिपार्डमो।ट है, वहं पर जो गेहूं देते है, वह बाहर से ही भेजा जातहैं यह गेहूं आंगन वर्करों तक नही पहंहुता। अगर उनका कोटा चार बोरे गहूं का बनताहै ते केवल एक बोरा ही दिया जाता है। वह वर्कर किस तरह से गेहूं का खिलायेगी, मेरा इस बारे में सुजै ान है। कि सरकार को गेहूं की बजाय, दलिया देना चाहिए क्यों दलिया बाजार में भी नही बिक सकेगा। इसके अलावा, अगर सरकार दलिया देगी तो इसकी पूरी की पूरी मात्रा भी वहां पर पहुंचेगी। सभापति महोदय, इसके साथ ही पुलिस की भर्ती की बात आयी। हम सरकार को इबात का धन्यवाद देते है कि इन्होने पहले जो पुलिस की भर्ती की थी, उसमें रिजर्वे ान का ध्यान रखा था। लेकिन पिछले साल जो भर्ती की है, उसमें कसर छोड़ी है। इसलिए मै सरकार से कहूंगा कि इस रिजर्वे ान को भी पूरा किया जाए इसके अलावा चाहे वह भती एच0 सी0एस0 की हो, चाहे चपरासी की हो, उनमें जो भी रिजर्वे ान हौ, उसको पूरा किया जए। पुराने अम्बाला ओर पुराने करनाल में जिस औफिस में लिस्ट देखते है, लेकिन इन लिस्टों में एक भी आदमी ि ाडयूल कास्ट्स का नही मिलता हैं इसलिए मेरा सरकार से नम्र निवेदन है कि वह हिसार, सिरसा को छोडकर बाकी जिले में हमारे आदमी लगाये। जिस तरह से भिवानी, हिसार और सिरकसा मे ंपानीचला जाता है। उसी तरह से मेरा सरकार स नम्र निवेदन है कि मेरे हल्के में मेरे जिले के मात्रा

मे ंपैदा हाता है। अगर हमरे इलाके के किसान खेती करना खत्म कर दें तो मै आपको बताना चाहता हूं कि आधा हिन्दूस्तान भूखा मर जाएगा। यहां का किसान अपना खून पसीना एक करके अनाज पैदा करता है, काम करता है इसलिए यहां के बच्चे नौकरियों में लगाये जाएं, ऐसा मेरा सरकार से निवेदन है। इसके साथ ही मै सरदार हरपाल सिंह जी को मुबारिकबाद देना चाहता हूं। इन्होने सारे हिन्दूस्तान में सूरजमुखी मैं प्रथम इनाम लिया है। मुझे इस बात की बड़ी खु ाी है। इसी तरह से ये गत्रे में अपने गरतब दिखाए और सूरजमुखी के बची में भी सुधार करे। मै भाई छतरपाल सिंह जी को भी कांगरेचुलेट करता हूं। आज इस बात की जरूरत है। कि हर स्टेट में हर जिला हैडक्वाटर और सब डिवीजन हैडक्वाटर पर, एक–एक पोलिटैक्नीक इन्टीच्यू ान खुलना चाहिए जिससे हमारे बच्चे ि ाक्षा प्राप्त कर सके ओर बेरोजगार भाई रोजी रोटी कम सके।

इसी के साथ में यह भी नर्म निवेदन करनाचाहता हूं कि यमुना नदी में यू0 पी0 वाले ंने हमारे से दुगुने लम्बे स्टड लगा रखे है, उनकी ठोकर ंसवा सौ फुट की हैं हौर हमारी तरफ 65 फुट से अधिक की ठोकरे नही लगाते। इन्होने गवर्नमैं आफ इंडिया के रूल को तोड़ा है। अतः यू0 पी0 के जो स्टड है, वे छोटे करवाए जाएं ओश्र यमुना की ठोकरे साथ में लगाई जाए ताकि हमारे इलाके की जो हजारों एकड़ जमीन हर साल चली जाती है, वह बच सके। बबैन के पावर हाउस को अपग्रेड करनाथा लेकिन

अभी तक नही किया। बेरथली, जठलाना, बसन्तपुरा और भीमखेड़ी पावर हाउस नए बनने थे। मेरा नग्र निवेदन है कि इस ओर तुरन्त गौर करके इसी साल बनाया जाए। कोआपरेटिव डिपार्टमैंट ने दिलेरी दिखाई है और पीने दो लाख आदमी जो ि ाडयूलड कास्ट्स है, को किनी बैकों से लाख, दो लाख या चार लाख रूपया कर्जा मिलना चाहिए। मै यह कहे बगैर नही रह सकता कि गत्रा सोसायटी, रादौर मै, आप जानते है पर्ची का क्या हाल है। डिप्टी कमि नर सोसायटी की मीटिग बुला रखी थी लेकिन डी0 सी0 किसी कारणव ा नही आ सके। इसके बाद इन्तजार कर के कामदार भी उठकरचले गए। इन का मदारी का बड़ा बुरा हाल कर रखा है सरकार इनकी सविसिज पक्की करें दूसरे जिस जमीदारों की पर्ची एकबार बन गई, उसका गत्रा डलवाना ही चाहिए इसे अलावा कमगारों कीभर्ती में हरिजनों की रिजर्वे ान का ध्यान भी रखा जाना चाहिए। वहां पर 50–60 वर्कर्स रखे है, लेकिन उनमें से कोई भी हरिजन नही है। आज बेरोजगारों की बड़ी बुरी हालत है। इसका इंतजमा एक परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने से होसकता हैं सरकार यह सर्वे कर` कि कौन से परिवार की किस हिसाब से कितनी इंकम है। सरकार ने बसों के रूटस के परमिट इ ाू करने है उनको जल्द से जल्द इ ाू करके कार्यान्वित करे। ि ाडयूड कास्टस नौजवान जो बेरोजगार हे, उनको ओर दूसरे बेरोजगार नौजवानों को रूट परमिट दे ताकि थोड़ी बहुत बेरोजगारी की समस्या खत्म हो और समाज में हरिजनों का अच्दा अस्तित्व हो। जिन नौजवानों को काम नही मिल रहौ, वे गलत

लाइन में जा रहे, है कोई भाराब पीने लगा है, कोई दूसरे गलत धन्धे में पड़ गया हैं इसके अलावा, जितनी भी चौपाले है, जितनी भी स्कूलों की बिलिडंगज मेरे हल्के में है, वे अनसेफ है। कम से कम इन अनसेफ बिल्डिग्ज की मुरम्मत तो करा दे। हरिजन चौपाले और बैकवर्ड क्लासिज की चौपाले अधूरी पड़ी है। उनको भी जल्दी से जल्दी पूरा करा दें यह काफी जरूरी चीजे है। जो सरकार को तुरन्त करनी चाहिए। इसी तरह से वाटर वर्क्स का मामला आयाहैं जन स्वास्थ्य मंत्री श्री निर्मल सिंह जी यहां बैइे है अब पानी ता नलकों से निकलता है। लकिन नालिया पूरी बनी हैं वहां इस पर इस तरह पानी फैलने से मच्छर ही पैदा हेागे। इसके सिवाय ओर कोई चारा भी तो नही है। कि मच्छर की फौज को हम इस तरह से तैयार करे। इसलिए इस बारे में मेरा नम्र निवेदन है कि वहां की नालियों को पक्का बनाया जाये। काफी सड़के भी टूटी पड़ी हैं इसके साथ ही कुछ जगहो ंपर जोहड़ों की रिटेनिग वाल्ज बनाने की आव यकता है। इनको भी अव य ही बनाया जाये। मेरे क्षेत्र में बेरथली से लखमड़ी, मंधार से रजहेड़ी, जठलाना, से पुनहेड़ी, रादौरा अर्बन की सड़क खेडी दाबदलान से महरा, मेहरा से खड़काली, दौलतपुरी से कलेसरा, धौलरा से जंघेड़ा, अलहरा से जयपुर, धलोड से अड़तान वाया हरिन छप्पर, बोड़ला से बागडों की सड़के बहुत जरूरी सडके है इनको तुरन्त ही बनया जानाचाहिए। इसके अलावा भोगपुर से सिकन्दरा के बची मं एक पुल है, वह भी बनना है, उसे भी जल्दी से जल्दी बनाया जये। मेरा इस बोर में नम्र निवेदन है कि यह सारी सड़के तो बननी ही

चाहिए। इनके अलजावा मेरे क्षेत्र में कुछ जगह ऐसीा है जां पर 20—30 किलोमीअर का रस्ता कोई एक आध किलोमीटर का टुकडा बनाने से बच जाता है। यदि यह आधे किलोमीटर का टुकडा बन जाए, तो वहां के लोगों को आसानी होसकती है ंकांजनू से सड़क का छोटा या गैप है, उसको भी बना दिया जाए तो वहां के गांवों के लोगों को आने जाने मे आसानी हो सकती है। इसी तरह से धलौरा से संगीतपर, दोलतपर से कलेसरा, महमपुरा से थम्बड़ और बलसुहा से जमलपुर के बची में एक आध किलोमीटर के गैप्स है, इनको जल्दी से जल्दी बनाया जाए चाहिय ताक वहां के लोगों को सहूलियत मिल सके। मेरा नम्र निवेदन एक औरभी है रा ा की चीनी डेढ़ रूपये किलों महंगी कर दी गयी हैं आप अन्दाज लगाये। एक गरीब आदमी जब डिपों पर चीनी लोने जात हैं अेर वह डिपां वाला कहता है कि रो ज्ञन की चीनी तो अब डेढ़ रूपये किलो बढ़ गयी है तो वह उसके लिए मुसीबत वाली बात हो जाती है। इसलि मेरा कहना यह है कि जो डेढ़ रूपये किलो की बढ़ौतरी की गयी है, इसको वापिस लिया जाना चाहिए। इसी तरह से मेरा नमग्र निवेदन एक ओर भी है, जो गन्ने की ैदावार है, वह इस बातर कम हुई हैं गन्ने की कम पैदावार किसान के लिए ड़ी हानिकारक है ओर मजदूर के लिए भी बहुत हानिकारक है। उस पड़ने वाली पैनल्टी माफ की जानी चाहिए इसके साथ ही गन्ने की जो नई स्मि है, वह जल्दी से जल्दी किसानों को दइी जाये ताकि वह ज्यादा गन्ना पैदा कर सके। इससे गन्ने की ज्यादा खेती होगी ओर ज्यादा गन्ना पैदा कर सके। इससे गन्ने की ज्यादा खेती

होगी और ज्यादा गन्न पैदा होगा। इससे किसन और मजदूर दोनो को लाभ होगा। इसी तरह से मेरा नम्र निवेदन एक ओर भी है। (विध्न)

अब मै स्वास्थ्य विभाग की बाबत भी कहनाचाहता हूं डिस्पैसंरियों की बात तो दूसरी है। सबसे पहली बात यह है कि कई जगहों पर दवाईयों ही नही मिली है मेरे क्षेत्र में कई जगह पर डिस्पैसरियों की सख्ता जरूरत हैं इसलिए मै बहिन जी से यह निवेदन करूंगा कि खेड़ी लखासिंह, गुहडा, टाटका जठलाना गुमथला, गीवान गढ़ और गुदियान में डिसपैसरीज जरूर बननी चाहिए। इसके अलावा रादौर में कम्यूनिटी हैल्थ सैन्टर बनना चाहिए। इसे अलाव मेरी प्रार्थना यह हभ है कि सरकारी कर्मचारियो के साथ उनके पे स्केल्ज देने के बारे में जो समझौता हुआ था, उसको भी औनर किया जाना चाहिऐ। इस बारे में सरकार को उनके प्रतिनिधियों से मिल बैठकर बातचीत करनी चाहिए और उनके प्रतिनिधियों को पूरी अहमियत दी जानी चाहिए।

इसी तरह से मेरा एक नर्म निवेदन यह भी है कि ि ाक्षा की ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। पता नही बहिन जी इस समय हाउस में बैठी ळाी है या नही लेकिन मै आपके माध्यम से एक बात जरूर अर्ज करना चाहता हूं मै केवल अपने हल्के की बात नही कहता। यमुना नगर ओर कुरूक्षेत्र जिले के अन्दर कोई भी ऐसा स्कूल नही है। जिसमें पूरी टीचर्ज हों। आधे स्कूलों में तो हैडमास्टर्ज तक नही है। इसके अलावा मेरा नर्म निवेदन यह भी

है कि जे0 बी0 टी0 टीचजर्स की जितनी पोस्टे है, उनमें रिजर्वेशन का भी ध्यान रखा जाना चाहिये। मेरे ख्याल से 8000 के करीब जे0 बी0 टी0 टीचर्ज आप भरते जा रहे है। मेरा निवेदन यह है कि ि ाड्यूल्ड कांस्टस की संख्या कही पर भी पूरी नही है। ि ाडयूल्ड कास्टस की संख्या पूरी करने के लिए स्पै ाल क्लासिज लगाये सैन्अर खोल कर उनको स्पै ाल ट्रेनिग देकर उनकी संख्या पूरी करें ताकि ि ाडयूल्ड कास्टस बच्चे परी तरह से एडजस्ट हो सके। वास्तव में जो ईमानदारी से काम करनेवाले गरीब से गरीब बच्चे है, उनको रोजगार मिल सके।

इसके बोद मै टैक्नीकल एजूके ान के बारे में बोलना चाहूंगा कि हमारे रादौर हल्के में भी एक इंस्टीच्यूट बनाया जाना चाहिए। (घंटी) चेयरमैन साहब, बस थोड़ा सा समय और दे। नगरपालिकाओं की इतनी खस्ता हालत है कि इनके पास तनख्वाह देने के लिए पैसे नही है। गरीब आदमी बेचारे जो सफाई करते है, या दूसरे कर्मचारी है, उनको टाईम पर तनख्वाह नही दी जाती है। हमारी गलिया पक्की नही हैं हमारे रास्ते पक्के नही है। इसलिए माकिटिग बोर्ड ने जो सड़के बनानी है, वह भी अधूरी पड़ी हैं अधूरी तो क्या, वे भाुरू ही नही हुई है। इसके अलावा देहातों में हरिजनों की हालत बहुत ही खस्ता है। एक एक हरिजन परिवार में अब 10—10 मैम्बर हो गये है। उनके पास रहने के लिए कोई जगह नही हैं इसलिए मेरा कहनेा यह है कि उन हरिजन परिवारों को जिनके परिवार बढ़ गये है, गावों मे ंहरने के लिए व्यवस्था

करने के लिए रिहाय ाी प्लाट दिये जाने चाहिए अगर वहां पर गांवों मे जगह न तो तो जमीन एक्वायर करके उनको दी जानी चाहिए लेकिन उनको रहने के लिए कोई न कोई सुविधा जरूर दी जानी चाहिऐ क्योंकि वे तो नर्क से भी बदतर जीवन जी रहे है। इसके साथ साथ माकिटिग बोर्ड ने जो सड़के बनाई थी उन सब के केसिज आज विजिलैन्स क`पास है लेकिन जिन अधिकारियो ने ये सड़के बनाई थी वे सड़कों का सारा पैसा खा गए और उनको प्रोमोट भी कर दिया है। चेयरमैन साहब, जिन अधिकारियों के खिलाफ विजिलैन्स के पास केस है। और जिन्होने पैसा खया उनको प्रोमोट तो करना ही नही चाहिए था। उनके खिलाफ तो ऐक ान लिया जाना चाहिए था, उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। आज उन सड़कों की हालत यह है कि उन पर बसिज नही चल सकती। आज उन सड़कों की हालत यह है कि उनपर बसिज नही चलसती। ये सड़कों को बनने का कोई फायदा नही हुआ है। चेयरमैन साहब, सरकार ने टूरिज्म के बारे में बहुत अच्छा काम किया है और आज हिन्दुस्तान भीर में हमारे टूरिज्म की प्र ांसा की जात ी। जो अच्छे काम हुए है उन कामों की सरकार हमे ाा प्र ांसा करती हैं आज हिन्दुस्तान में हिी भी चले जाओं हरियाणा टूरिज्म की तारीफ की जाती है। यह बड़ी खु ाी की बात है। चौधरी भजन लाल बहुत अच्छे आतदी है। ये हर कंस्ट्रक्टि सुजे ान को मानते है। चौधरी बंसी लाल ने सुझाव दिया था कि बी0 ए0 तक लड़कियों की ि ाक्षा मुफ्त होनी चाहिए और चौधरी भजन लाल ने उस सजे ान का माना और लड़कियों की ि ाक्षा

बी0 ए0 तक मुफ्त कर दी। हम भी सरकार को यही सुझाव देते है जो अच्छा होता है। चेयरमैन साहब, मै एक बात और कहना चाहता हूं कि यहां पर कई विधायक ऐसे है कि वे थानेदार तक अपने आपको महदूद रखते है। उनका आचरण ठीक करना चाहिए। आज ने ज्ञलन करक्टर की बहुत आव यकता है। ने ालन करैक्टर से ही दे ा का भला हो सकता है। चेयरमैन साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू।

श्री सभापतिः अब करण सिंह दलाल बोलेगे। उसके बाद कृश्ण लाल और उसके बाद मनी राम केहरवाला बोलेगें।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): चेयरमैन महोदय, सरकार ने जो बजट पे ा किया है। उसका विरोध करने ` लिए खड़ा हुआ हूं। चेयरमैन साहब, बजट को जब पढ़ने लगते है तो यह बात साबित होती है कि न तो यह सरकार और न इस सरकार के अधिकारी जिनको हरियाणा के लोगों ने इतना भारी बहुमत देकर इस प्रदे ा की सत्ता सौपी थी, यह लोगों का भला करेगे लोगों की जो दिक्कते है, जो लोगों की कठिनाईयां है या लोगों की आव यकताए हैं उनकी तरफ यह सरकार ध्यान देगी, ऐसा नही लगता। चेयरमैन साहब जब हम बजट पर एक नजर डालते है तो ऐसा लगता है कि प्रजातन्त्र के ये नुमाइंदे जिन्होने लोगों के हितों को देखने की भापथ खाई थी, उन्होने यह नही देखा कि इन अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं की ओर या इस

प्रदे ा की भलाई के लिए कोई काम किया है? यह बड़े अफसोस की बात है। चेयरमैन साह, मिसाल के तौर पर इससे नहरों का जिकर किया गया हैं मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री से यह जाननाचाहूंगा कि इस प्रदे ा के किसानों के खेतों को जितने पानी की जरूरत है। क्या इस सरकार ने उस पानी का कोई इन्तजाम किया है। है। यह प्रदे ा एक कृशि प्रधान है और यहां के ज्यादातर लोग खेती पर निर्भर करते है। पानी के लिए कोई इन्तजाम किया है। इस बारे में कोई बात इस बजट मे ंनहर नही आती। चेयरमैन साहब, हमारे जिले फरीदाबाद में आगरा कैनाल के बारें में मैने और उस जिले के दूसरे विधायकों ने इस नहर के बारे में काफी कुछ कहा है लेकिन आत तक इस सरकार के कान पर जूं तक नही रेंगी। सरकार को कहा गयाथा कि वह यू0 पी0 सरकार से केन्द्रीय सरकार से इस बारे में बात करें ओर अगर यू0 पी0 की सरकार कोई व्यवस्था नही करती तो हरियाणा प्रदे ा की सरकार किसी भी प्रकार फरीदाबाद के किसानों के खेतों में पानी पहुंचाने की व्यवस्था करें। चेयरमैन साहब हमारे यहां केवल आगरा कैनाल ही नही वहां पर रजोला ओर घतीर डिस्ट्रीब्यूटरी पुरानी डिस्ट्रीब्यूटरी है। रजोला माइनर का उद्घाटन उस वक्त के जो इरीगे ान मिनिस्टर श्री रिजक राम थे,उनहोने इसका ि ालान्यास रखा था लकिन इतने सालों के बाद भी रजोला माइनर की तरफ कोई ध्यान नही दिया गया है। इसके लिए जमीन ऐक्वायर की जा चुकी है। ओर किसानों को उस जमीन का मुआवजा भी दे दिया गया हैं जरूरत इस बा की है कि सरकार अधिकारियों को यह

आदे ादे कि जब मुआवजा दिया जा चुका है तो आठ गांव है जिनको रजोला माईनर की तरफ कोई ध्यान नही दिया गया है। इसके लिए जमीन ऐक्वायर की जा चुकी है। और किसानों को उस जमीन का मुआवजा भी दे दिया गया है। जरूरत इस बात की है कि सरकार अधिकारियों को यह आदे ा दे क जब मुआवजा दिया जा चुका है। तो जो आठ गांव है जिनको रजोला माइनर से पानी मिलतना है, उनको जल्दी दिया जाए। लेकिन चेयरमैन साहब, इस ओर सरकार को कोई ध्यान ही नही है। इसके बाद मै पलवल ड्रेनेज डिवीजन की बात कहना चाहूंगा कि वह ड्रेनेज डिवीजन पलवल के इलावा हथीन हसनपुरव होडल को भी कवर करताहै। अभी जब मै घर गया तो मुझे बताया कि सरकार ने यह मन बना लिया है। कि इस ड्रेनेज डिवीजन को उठाकर किसी दूसरे जिला में बदल दिया जाए। अगर सरकार ने इस तरह का अपना इरादाबनाया है तो उस इलाके के लोगां का सरकार परक्या असर पड़ेगा। सरकार द्वारा इस तरह के लोगों केसाथ भेदभाव बरता जा रहा है। चेयरमैन साहब, मै अकेला ही विपक्ष का सदस्य उस इलाके से हूं, बाकी जिला फरीदाबाद के सभी सदस्य सत्ता पक्ष के है, पता नही भाायद इसी कारण से सरकार ने यह मन बनाया है कि पलवल ड्रेनेज डिवीजन को वहांसे बदल कर किसी दूसरे जिला मं ला जाया जाए। इसलिऐ मेरा सरकार से अनुरोध है कि उस ड्रेनेज डिवीजन को वहां से ले जाया जाए। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है। कि उस ड्रेनेज डिवीजन को वहां से ि ाफ्ट न किया जाए।

इससे आगे चेयरमैन साहब, मै जूडीशियल सर्विसिज की बात कहना चाहूंगा। सरकार ने कंज्यूमर फोरम के नाम से कंज्यूमर सैल्ज बनाये है, जिसका अध्यक्ष जिला के सैशन जज होगे और दो नान आफिशियल मैम्बर उसमें जोड़े गये है। चेयरमैन साहब, आज के दिन उपभोक्ता का परिचय इस प्रदेश देश में हीनही है, बल्कि दूसरे देशों में भी व्यक्ति कही न कही उपभोक्ता बना हुआ है और उपभोक्ताओं के साथ बहुत धोखाधड़ी की जा रही है। जिस तरह से हर बड़ी मछली छोटी मछली को खाती है, उसी तरह से हर बड़ा व्यापारी, हर बड़ा दुकानदार छोटे दुकानदारा को लूट रहा है, गुमराइ कर रहा है। कोई बड़ा आदमी जब किसी को कोई सामान बेचता है, तो उस बारे हिदायतें होती है ओर उन्ही हिदायतों के मुताबिक उसे करना पड़ता है या कहा जाता है। कि जिस तरह का पदार्थ होगा, उसी के आधार पर उसे बचोना होगो। अगर उसके नार्मज के मुताबिक चीजे नही है, पदार्थ सही नही है तो फिर सरकार को उसके पति क्या रवैया होना चाहिए। लेकिन मुझ अफसोस की साथ कहना पड़ रा है कि उपभोक्ताओं को दैनिक जरूरतों की तरफ, रोजमर्रा की चीजो की तरफ इस सरकार का कोइ्ध्यान ही नही है ओर न ही यह सरकार किसी के प्रति अना कर्त्तव्य हीसमझती है। अगर यह सरकार उपभोक्ताओं की चीजे के बारे में अखबारों के जरिये लोगों तक यह बात पहुंचाये कि सरकार ने कंज्यूमर फोरम बनाये हुए है ओर अगर सिी को कोई शिकायत है कि हिदाायतों के मुताबिक चीज नही है। तो वह आदमी, अमुक व्यक्ति फला अदालत मं जा सकता

है। चेयरमैन साहब, 90 दिनों कासमय कंज्यूकर फोरम में फैसला करने क लिए नि चत है लेकिन मै दावे के साथ कह सकता हे कि डेढ़–डेढ़ साल के मुकदमें पड़े हुए है, लेकिनआज तक उनका फैसला नही हुआ हैं मिसाल के तौर पर अगर एक आदमी एक जूता या खाने की चीज खरीदता है तो उस चीजम में, वह अमुक व्यकित किसी प्राकर कमी पानी `पर वह कंज्यूमर फोरम में केस डालताह ै ओर उसका फैसला अगर साल डेढ साल के अन्दर अन्छर होगो ता उस व्यक्ति को क्या लाभी होगा। मै आपके माध्यम से सरकार से रिक्वैस्ट करूंगा कि आज उपभोक्ताओं की जरूर तो देखत हुए इस काम के लिए चहो सरकार को जितनी भी ओर अदालते क्यों न बनानी पड़े अलग से इसकाम के कलिए अदालते बनायी जानी चाहिए ओर उन अदालतों को यह हिदायतें होनी चाहिए कि ऐसे केसिज को वे अदालते बनायी जानी चाहिए ओर उन अदालतों को यह हिदायतें होनी चाहिए कि ऐसे केसिज का वे अदालते जल्द से जल्द फैसला करतें ताक उपभोक्ताओं कासही समय पर न्याया मिल सकें।

इसी तरह से चेयरमैन साहब, यह सरकार इंडस्ट्रीज को बढ़ाया देने की बात कहती है। इस बारे में मैने पिछले * *

* * महीने मुख्य मंत्री पूरी एक एक टीम बनार इस कार्य के लिए विदे ाों के दौरे परगये थे ओर उन्होनं यह बात कही कि वे विदे ाों में, जो एन0 आर0 आई0 के लोग है,उनको इस ात के

लिए राजी करने के लिए जा रहा हूं। कि वे हमारे दे ा प्रदे ा में आ कर अपना उद्योग लगाएं।

श्री सभापतिः ये भाब्द रिकार्ड से निकाल दिया जाए।

श्री करण सिंह दलालः मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि फाइनैन्स विभाग वालो ने इस विदे ाी टूर का विरोध किया था। इन्होने रूल्ज की उल्लंघना करते हुए, विदे ाों को टूर किया। मै समझता हूं कि भाायद मुख्य मंत्री महोदय, अपने किसी निजी कार्य से गये होगे, उद्योगों को बढ़ावा देने की बात तो उन्होने लोगों की अकल मारने के लिए की होगी ओर कह दिया कि अगर कोई उद्योगपति हमारे प्रदे ा में आकर उद्योग लगायेगा तो उसको हर तह की सहूलियतें दी जाएंगी। मैने चेयरमैन साहब, इस संबंध में में एक काल अटैन्शन मो ान भी दिया था। चेयरमैन साहब, अगर हामरे प्रदे ा के अन्दर हमारी जानें ही सलामत नही होगी तो वे लो किस बात के ऊपर इस प्रदे ा में अगार अपने उद्योग धन्धे लगाएंगे। किसी भी उद्योग में पोल्यू ान के नार्मज का पालन नही किया जा रहा है। जो संबंधित अधिकारी है, उनकी जेबे भरी जा रही है। फरीदाबाद से आप गुजर का देखे, पांच बजे भााम के बाद इनता धुआं निकलता है। कि आंखों से पानी निकलने लगा जाता हैं मै चाहता हूं कि पर्यावरण का महकमा इस बारे में गौर करें। चेयमरैन साहब, पलवल में एक मिल्क प्लांट ाक पानी निकलने का कोठ/जरिया नही है। वहां पर अधिकारियों के मुह बन्द कर दिए है। ओर वह अपनी गांव के अन्दर से जा रहा है। इसी प्राकर से

हथीन में ऐ अ ाोक डिव्टलरी कै जिसकी बहुत बुरी बदबू है ओर वह सात आठ किलोमीटर तक जाती है। (घंटी) मेरा ख्याल है कि मुख्य मंत्री जी के रि तेदारों को उस डिस्टलरी सके कुछ लेन देन होगा। वहां की जो ट्रक यूनियन है उसके ट्रकों द्वारा वहां कका सामान नही भिजवाते क्योंकि वे जो एक्सइज डियूटी की चोरी करते हैं वे पकड़ी जाएगी। वे अपने ट्रकों से सामान लेकर नि चत स्थानों पर जाते है। इसी तरीके से हमारे फरीदाबाद में ट्रक यूनियन का मामला उठा थ। कुछ निदउ के लिए तो उस युनियर को खत्म कर दिया गया था लेकिन अब फिर से वह वैसो की वैसी बना दी गई है। वैसे हमें सामने खंभे पर लिखा हुआ बार बार पढ़ाया जात है लेकिन वास्तव में इस पर अमल नही किया जाता। जब हम यहां पर लोगों के नुमायंदे बन कर आते है तो क्या भापथ लेते हे? तो क्या हम यही लोगों की भलाई का काम करते है। इस सरकार की आप कोई भी कार्यवाही देखे, हाउस में ही आप देखे कि कितन मंत्री सदस्यों की बातें सुनने के लिए बैठे है। कितने अधिकारी यहां पर बैठे हुए है। चेयरमैन साहब, मै एक दिन सैक्रेटेरियएट में चला गया। मै एक जानकारी देने के लिए एक अफसर को मिलना चाहता था। वहां पर कोई * * *

* नाम का फाईनै ियल कमि ानर है। मैने सोचा कि फरीदाबाद में सेल्ज टैक्स की बहुत धांधली है, वे रजिस्ट्रियों के भी वित्तायुक्त हैं जो रजिस्ट्रियां होती हैं उनका जितना ैसा खाजने में जाना चाहिए वह नही जाता। तो मै उनके कमरे में चला गया। वे मेरे को देख कर एक दम घबराए। मैने कहा कि मै एम0

एल0 ए0 हूं। ओर आपको कुछ बातें बताने आया हूं। वे कहने लगे कि मेरे पास टाइम नही हैं मैने कहा कि मै विधायक हूं ओर आपकों कुछ वि ोश बात बतानाचाहता हूं तो फिर कहने लगे कि मेरे पास टाईम नही हैं जब मै कमरे से बाहर निकला तो बहार खडे दो तनी आदमी मेरे से पूछने लगे कि आप किस के पस थे मैन कहा कि मै * * * * पास गया था। वे कहने लगे कि वह तो * * * * है, आप कहां घुए गए?

श्री सभापतिः अधिकारी का नाम ओर यह * * * * भाब्द रिकार्ड पर न लाया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, यह वित्तायुक्त है। ओर इता बड़ा अफसर है अगर हमें अपनी बात कहने का उसके सामने हक नही है तो वह ओर किस की बात सुनेगा?

Mr. Chairman: The Leader of teh House has expressed his views that the Hon'ble Members are respected by the officers.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमेन साहब, हरियाणा प्रदे ा का कोई भी सीनियर आफिसर किसी विधायक को ऐसी बात नही कह सता। आप बगैर टाईम लिए किसी आफिसर के कमरे में चले गए होगो ओर बगैर बातए चले गए होगे। फिर भी कोई अधिकारी ऐसी बात नही कह सकता जो बात आप कर रहे है। एफ0 सी0 आर0 बहुत सीनियर औफिसर हैं उनके यहां कोर्ट केस भी लगते है। चेयरमैन साहब, आप वकील है, आप

इस बात को अच्छी तरहा से जानते है कि एफ0 सी0 आर0 के सामने कोर्ट केस लगते है। बिना किसी बात के ऐसे इल्जाम लगाना कोई अच्छी बात नही हैं माननीय सदस्य ने जिस औफिसर के बारे में जो इल्जाम लगाए है, वे हाउस की कार्यवाही से निकलवाएं।

श्री सभापतिः यह तो मैने पहले ही कह दिया कि उन औफिसर का नाम ओर उन पर लगाए गए इल्जम रिकार्ड न किए जाए।

श्री अमर सिंहः आप तो कोर्ट केस की बात करते है। बिना कोर्ट केस के भी उस औफिसर के कमरे में जाने की किसी कि हिम्मत ही नही पडती। कांग्रेस के काफी सदस्यों ने भ्यी यह बातेरे को कही है कि वह औफिसर किसी एम0 एल0 ए0 को यह भी नही कहता कि बैठ जाओ। ये हमारे एक्साइज एण्ड टैक्से ान मिनिस्टर हाउस में बैठे है। वह आफिसर एक हरिजन केस के कारण विन्डिक्टिव हो गया है। मै कहता हूं कि वह ऐन्टी हरिजन है एक हरिजन गोल्ड मैडलिस्ट है उसको भी यह औफिसर ड्यू प्रोमो ान देने के लिए तैयार नही हैं लीडर औफ दि हाउस ने कोर्ट केस को रैफ्रैस दिया है। यह आफिसर अमूमन किसी को यह नही कहता कि आओं बैठ जाआ। चेयरमैन साहब, अब मत्री जी इस बात का कंट्राडिक्ट गरेगे लेकिन वे स्वयं हते है कि वह औफिसर इनकी नही मानता।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री ए0सी चौधरी): माननीय सदस्य ने जो एस्प र्न किये ये है, ये बिल्कुल बेसलैस है।

श्री अमर सिंहः यदि यह बात गलत साबित हो जाए तो मै इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

श्री ए0 सी0 चौधरीः आपने जो बात कही, अगर वह साबि कर दें तो मै भी इस्तीफा देने के लिए तेयार हूं ये बिल्कुल बेसलैस बातें है। मै हरिजन के मामले में इतना ही कह सकता हूं ओर यह सारा हाउस इस बात से सहमत होगा कि किसी को परमोट करने से पहले बेकिक नार्म्ज देखेन पड़ते है। यदि किसी की ए0 सी0 आर0 खराब होगी तो वह प्रमो ान के लिए इन्टाइटल भी नही होता। इस केस में माननीय सदस्य को मानना पड़ेगा कि पिछली सरकार ने इसकी ए0 सी0 आर0 खराब की थी। हमने तो उसकी एक ए0 सी0 आर0 में जो एडवर्ड रिमार्कस थे, उनकों भी एक्सपंज किया है। प्रमो ान के वक्त काबिलियत भी देखी जाती है। ऐसे मामले में किसी औफिसर या किसी औफिसर या किसी मिनिस्टर की मजबूरी भी होती है।

श्री अमर सिंहः मुख्य मंत्री जी स्वयं इस बात को मानेगे कि दो तीन ए0 ई0 टी0 ओज हरिजन है, उनको प्रमोट नही किया गया उनसे जूनियर को प्रमोट कर दिया। आप वह केस मुख्य मंत्री जी के पास भिजवा दें। उस हरिजन ने खद ाा जाहिर किया है

और लिख कर भी दे दिया। लेकिन फिर भी वह औफिसर उसकी बात नही मानता।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमैन साहब, किसी औफिसर पर इज्जाम लगाना ओर मंत्री जी को यह कहना कि उनकी बात नही मानता, यह बिल्कुल बेबुनियाद बात है। इन्होने किसी हरिजन के बारे में बात कही है। हम किसी हरिजन के साथ कोई ज्यादती नही करते। हरिजन तो क्या, हम किसी भ आदमी के साथ कोई जयादती नही करते। कायदे कानून के मुताबिक जिसकों प्रमो ान मिलनी चिहाए, वह मिलनी चाहिए। जिन किसी की प्रमो ान के बारे में मामला है, उसका नाम मेरे पास लिख कर भेज दे, उसको हम पूरा इन्साफ देगें मै उस फाईल को मंगवा कर देख लूंगा। यदि वह हकदार है तो उसको उसका हक दिया जाएगा यदि उसका हक नही नही बनता है। और कोई कमी है तो फिर उसको प्रमो ान नही मिलेगी।

Mr. Chairman: I have given you 5 minutes and you have laready taken 16 minutes.

श्री कर्ण सिंह दलाल: चेयरमैन साहब, मेरी रिक्वैस्ट है कि मुण्े पाचं मिनट का टाईम और दिया जाए।

Mr. Chairman: Ho much time you will take to sum up? Please conclude within two minutes.

श्री कर्ण सिंह दलाल: चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से सदन का ध्यान दिलानपा चाहता हूं क हिन्दुस्तान की 70

परसेंट जनता गांवों में रहती है। यदि प्रजातन्त्र में चुने हुए नुामइन्दे ही उन लोगों के हितों की बात नही करेगे तो ओर कौन करेगा? अगर कोई ुना हुआ नुमायन्दा लोगों की तफली का तरु ध्यान आकशित नही करता तो यह अच्छी बात नही। आज आप अन्दाजा लगाए, जिस तरह से गांवों से लोग निकल कर ाहरों की तरफ जला रहे है, उसी तरह से इस प्रदे ा और दे ा का क्या होगा। यह सरकार किसानों की और गरीब लोगों के खून पसीने की कमाई को किसानों पर ओर मजदूरो ंपरखर्च न करके,, बेड़े सुनियोजित ढंग इन लोगों को भाोशण कर रही है। चेयरमैन साहब, आपेन देख ाहेागा कि जो भी दिल्ली के साथ लगते बड़े बड़े भाहर है, वहां पर सैक्टर बना कर डिवैल्प किया जा रहा है। अतः मेरी प्रार्थना है कि उनमें हरने वाले जो लोग है, उनकी लिस्ट में दी जाय। पैसा तो गारी बालेागो का और किसानों को सैक्टरों को डिवैल्प करके खर्च किया जा रहा है, जबकि इन सैक्टरों मे ंाकेई तो साउथ इण्डिया का रहने वाला हैं और कोई व्यक्ति कस एन0 आई0 आर0 बन कर प्लाट ले रहा है। यह सरकार ग्रीन बैल्ट में भी लोागें को डिस्क्रि ानरी कोटे से प्लाट दे रही हैं विधायकों को खु ा रखने के लिए उनको ग्रीन बैल्ट में से जमीन दी जा रही है।

चौधरी भजन लालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब, इस 20 महीने की अवधि में इस सरकार ने कोई भी प्लाट ग्रीन बैल्ट में काट कर नही दिया। यदि ये साबित कर

देत`मै इस्तीफा देने` लिए तैयार हूं। आप जो बात कहे, सच कहे। यह कोई चौपाल नही हैं सामने इसपोल पर लिखा है कि यहां पर जो कहा जाए, वह सच कहा जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, इस्तीफा देने की बात तो ये कई बार सदन में और सदन के बाहर भी कर चुके है। इनका दिल जाने ओर भगवान जोन। हमारा फर्ज तो कहना है, वह हम कह रे है। (ाोर एवं विध्न)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब, बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि भाई कर्ण सिंह दलाल बिल्कुल बेसलैस बात कर रहे है। यह सदन है, इसकी कुछ गरिमा है। आपको कम से कम ऐसेा आरोप नही लगाने चाहिए। जिनमें कोई सच्चई ही न हो। मै बताना चाहता हूं कि जब से यह सरकार आई है, हमारे फरीदाबाद जिले में एक इंच भी जमीन ग्रीन बैल्ट से काटर कर नही दी गई है। इसलिए मेरी आपके प्रार्थना है कि सदन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए ही आप कोई बात कहें। (ाोर एवं विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, इस बारे में मेरा आपसे अनुरोध है कि हाउस की एक कमेटी बना दी जाए, सच्चाई का पता चल जाऐगा। (विध्न एवं भाोर)

श्री सभापतिः अब आप बैठिये।

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, अभी खत्म करता हू।

Mr. Chairman: Now, I have called Sh. Krishan Lal. Please take your seat.

श्री कण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, मै कहना चाहता हूं कि .....(व्यवधान)

Mr. Chairman: you will get opportunity while speaking on demands. I ahve alrady given you 24 munutes. Now you should take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, सच्चाई का पता लगना चाहिए।

Mr. Chairmen: I gave you three opportunites. Nw you please conclude your speach within one minute.

श्री कर्ण सिंह दलालः चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से सरकार केनोटिस में यह तथ्य लानाचाहता हूं कि हमारे यहां पलवल के ऐरिया का, धान उत्पादन ऐरिया घोशित करने में सरकार को कोई दिक्कत नही है। चेयरमैन साहब, इसके अलावा, मेरे हल्के मं एक भी स्कूल अपग्रेड नही कियागया। वहां पर सिर्फ एक स्केल प्रिथला में अपग्रेड किया हुआ था। चेयरमेन साहब, इसी तरह से सरकारीभवानो का जो निर्माण कराया गया है, उसमें फरीदाबाद के अधिकारियों ने इतने घटिया स्तर पर सीमेंट, ईंटों, और दूसरे मैटीरियल की खरीद की है, जिसे बाजार में खरीदने के

लिए कोई भी तैयार नही है। भवन सामग्री खरीदने में क्वालिटी का कोढ धन नही रखा गया, केवल इस बात का ध्यान में रखा गया है कि ज्यादा से ज्यादा कमी ान किस प्रकार मिल सकता हैं लोगों के हितों के पूरी तरह से उपेक्षा की गई हैं चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करताा हूं कि ये लोग भगवान को यार रखे और लोगों के दु:ख तकलीफो को दूर करने के लिए सही कामर करें। इन भाब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद

(इस समय कई सदस्य खडे हो कर बोलने के लिए समय की मांग करने लगे)

सिचाई मत्री (जगदी ा नेहरा): चेयरमेन साहब, हमने स्पीकरसाहब, ये यह अनुरोध किया था कि दो हिस्से टाईम हमें और एक हिस्सा टाईम माननीय विपक्ष के साथियों को दिया जाए। मेरी आपसे भी यह रिक्वैस्ट है कि आप उसी के मुताबिक सही तरीके से टाईम ऐलोट करने की कृपा करे। हमारी तरफ से सिर्फ डा0 राम प्रका ा जी ही बोले है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है है कि अब हमारी पार्टी के मैम्बर को बोलने की इजाजत दें। (विध्न एवं भाोर)

श्री सभापति: श्री कर्ण सिंह जी के कन्कलूडकरने से पूर्व मैने श्री कृश्ण लाल जीह को बोलने के लिए काल किया था,

इसलिएपहले वे बोलेगे ओर उसके बाद किसी और मैम्बर को बोलने का समय दिया जाएगा। (विध्न)

श्री कृश्ण लाल (अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, आपेन मुझ बोलने के लिए टाईम दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। मांगे राम गुप्ता जी न`सदन में में जो बजट पे ा किया है, मै उसके विरोध में खड़ा हुआ हूं। चेयरमैन साहब, जो बजट पे ा किया गया है वह किसान, मजदूर हरिजन और व्यापारी विरोधी बजट हैं चेयरमैन साहब, सबसे पहे मै कानून और व्यवस्था की बात करना चाहता हूं। कांग्रेस सरकार आने से पहले, कांगेस ने चुनाव केसमय जो मनिफैस्टी तैयार किया था, उसमं कहा गया था कि हरियाणा के अन्दर कांग्रेस की सरकार अगर आई ओर चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने, तो कानून और व्यवस्था की स्थिति को सुधारा जाएगा।

मुख्यम मंत्री जी ने कहा था कि अगर रात के 12बजे भी कोई बहन–बेटी जेवर पहनकर जाए तो उसे भी खतरे की कोई बात नही है। चेयरमैन साहब, रात की बात दो दूर रही, आजकल तो दिन में भी हमारी मां–बेटिया की इज्जत सुरक्षित नही हैं हारे जिले करनाल के घरौडा कस्बे में एक 16 साल की बाल्मीकि लड़की स्कूल जा रही थी। (इस समय सभापतियों की सूची मं से श्री रामपाल सिंह पदासीन हुए) उसे साथ बलात्कार किया गया। लेकिन आज तक उन बदमा ाों को कोई पता नहीचलाऔर न ही कोई मुकदता दर्ज हुआ हैं

मेरे हल्के असंध में सालवन गांव पड़ता है, वहां पर एक साल पहले एक (हरिजन) लड़की को उठा लिया गय। जिस आदमी ने उस लड़की को उठाया था, उसका नाम भी पताहै, उसको अभी तक गिरफ्तार नही कियागया है। यह वाकया 30 अक्तूबर, 1992 का है। इसी तरह गांव भााहपुर जिला जींद मे ंहरिजन लड़के का कत्ल कर दिया गया। उस लड़के का जींद के सिविल हास्पीटल में पोस्टमार्टमें तक नही होने दिया, रोहतक के मैडीकल कालेज में जाकर पोस्टमार्टमें करवाया गया। चेयरमेन साहब, इनके राज में जो काम हुआ हुए है। वे सब हरिजनों पर हुए है। हरिजन की भलाई के लिए जो भक काम हुआ है वह देवी लाल जी की सरकार में हुआ हैं चौधरी देवी लाल जी ने दो हरिजनों को डी0 जी0 पी0 बनाया था और भजन लाल जी के राज में जो भी हरिजन सीनियर आफिसर था, उनको खुड्डो जाईन लगाया हुआ है। किसी को भी की पोस्ट पर नही लगाया है। चेयरमेन साहब, इसी प्रकार से किसानों को हितों की बात करते है और किसानों को सबसीडी देने की बात करते है। मै आपके नोटिस में लाना चाहता हूंकि अम्बाला सर्कल में एक एग्रीकल्चर इंस्पैक्टर था जो डी0 ए0 पी0 के 21 कट्टे यूरिया के 31 कट्टे लेकर यू0 पी0 जा रहा था। उनका नमा महावीर सिंह है ओर वह यू0 पी0 कह ही रहने वाला जै। जिस ट्रैक्टर ट्रोली में हय लेकर जा रहा हथा, उसका नम्बर यू0 आर0 एम0 6740 है। उसको कलानौर बैरियर पर रोका गया तथा उसको पकड़ा गया है। जहां वह पहले था। दूसीर तरफ से किसानों को सबसीडी देने की बात कहरते है लेकिन वह

एग्रीकल्चर इंसपैक्टर पुराने रेट की खाद को पुराने रेट पर ले जा रहा था।

चेयरमैन साहब, एक एग्जैक्टिव इंजीनियर, नगरपालिका, अभियन्ता, जिसके खिलाफ 4 लाख रूपया का गबन का केस है। यमुना नगर के डी0 सपी0 ने भी लिखकर दिया है कि उसको बदलाजाए ओर जब वह पानीपत नगरपालिका में था, वहां पर भी उसक खिलाफ केस दर्ज था। इस सरकार न उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नही की।

अब रही कानून और व्यवस्था की बात। हमने पहली बार सरकार को दीवारों को तोड़ कर भागते हुए देखाा है। मेरे हल्के के पास नीसिग पड़ताहै, जब पिछले दिनों किसान भाान्ति प्रिय प्रद र्न कर रहे थे तो पुलिस ने किसानों पर लाठी चार्जा किया और फायरिंग की। किसान भाान्तिपूर्वक अपनी मांगों के लिए प्रद र्न कर रहे थे।

संसदीय सचिव (श्री राजकुमार): चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपको बताना चाहता हूं कि लाबी मं भाई कृश्णलाल के साथ मेरी निसिग कांड के बारे में बाते हुई थी। इन्होने कहा था कि वहां पर किसान यूनियननही थी बल्कि सजाप यूनियन थी। इन्होने खुद कहा कहा था कि वे खुद 150 ट्राली आदमी लेकर वहां पर गये थे और उस दिन पर भाराब के ठेके पर चालीस हजार रूपय की आमदनी हुई थी। इससे पता

लगता है। कि भाराब पीकर भाोर मचाया गया। यह तो चौधरी भजन लाल जी को श्रेय जाता है। कि इसक बादभी इन्होन`हवां पर भाान्तिपूर्वक ढंग से चार घंटे रैली की। अगर ऐसी स्थिति में वहां पर चौटाला जैसे मुख्य मंत्री होते तो पता नही उस दिन कितने मर्डर होते। (ाोर एवं व्वधान)

श्री कृश्ण लालाः चेयरमैन साहब, जैसा कि मेरे साथी ने बताया है कि हमने वहां पर यह सब करवाया ळै तो मै इनको बताना चाहता हूं कि मै सात तारीख को वहां पर नही था। जैसे ही मुझे यह पता लगा कि वहां पर गोली चली है, वैसे ही मै वहां गयाथा। मैने वहां पर देखा कि दो किसानों की हत्या हो चुकी थी। किसान यूनियर नके प्रधान ने भी मुझे गोली के खोल दिखाये। मैने वह खाल अखबार वालो को दिखाये थे। मै 4.30 बजे वहा पर गया था। सभापति महोदय, जब किसानों और मजदूरों पर अत्याचार हो रहे हो तो हमारा यह कर्त्तव्य बनत हैं कि हम वहा जाकर पता करे। चेयरमैन साहब, इसी प्राकर से नाजायज कब्जों की बातहै। सह सरकार हरिजनों केवोट लेने के लिए नारा देती है और कहती है कि हम आपकों जमीन देगे। सरप्लस की जमीन का झूठा नारा देकर भजनलाल जी वेट ले लेते है। लेकिन चेयरमैन साहब, मै आपको उदाहरण देनाचाहता हूं कि यहां पर छछरौली के विधायक है, जिनके पास 200 एकड़ जमीन सरप्लस है, लेकिन वह जमीन हरिजनों को इसलिए नही दी गयी

क्योंकि वह एक कांग्रेस विधायक की जमीन है। इस जमीन को हरिजनों को दिया जाना चाए।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि हमने पहले भी यह प्रार्थना की है। कि पर्सनल ऐलीगे ान नही लागए जाने चाहिए। ऐसी बाते तेा मै भी इनके खिलाफ कर सकता हूं। ये हमें बताएं के 200 एकड़ की सरप्लस जमीन पर कहां पर कब्जा किया हुआ है, किसने किया है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः चेयरमैन साहबा, यह तो इनकी ड्यूटी है कि यह इस चीज का पता लगाये।

चौधरी जगदी ा नेहराः चेयरमैन साहब, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि इस तरह की बाते न की जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः बेहतर यही होगा कि आप अपने हल्के की जा प्राब्लम्ज है, वे यहां बताये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः चेयरमेन सहाब, यह तो मैम्बरो के साथ ज्यादती हो रही है।

श्री सभापतिः चेयरमैन साहब, इसी प्रकार से धुरीवाला (पंचकुला) में एक हजार एकड़ सरप्लस जमीन है, जिस पर नाजायज रूप से लोगों ने कब्जा किया हुआ है।

श्री सभापतिः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का टाईम दस मिन के लिए बढ़ा दिया जाए।

बैठक का समय बढ़ाना

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमैन साहब, अब राज हो गयी हैं साथ ही हमने सबकों खाने पर भी बुला रखा है। इसलिए अब टाईम को न बढ़ाए।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): चेयरमैन साहब, मरा सुझाव यह है कि आप पांच मिनट कृश्ण लाा जी को ओर दस मिनट रामरत्न जी को बोलने के लिए हाउस का टाईम बढ़ा दे।

श्री सभापतिः ठीक है यदि हाउस की सहमति हो तो टाईम 15 मिनट बढ़ा दिया जाऐ।

आवाजेः ठीक है।

श्री सभापतिः हाउस का टाईम 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुररारम्भ)

श्री कृश्ण लालः चेयरमैन सर, इसी प्रकार से गांव धुरीवाला, जो पंचकूला में पड़ता है, वहा की एक हजार एकड भूमि लोगों के नाजायज कब्जे में है। इसी प्रकार से गुलाब नगर, जो जगाधरी म्यूनिसिपल कमेटी मे ंपड़ता है, उसकी 13 एकड भूमि

हरिजनों के लिए गऊजरान के लिए रखी गई ीि। हरिजनों के प्रोटैस्रूट किया, डी0 सी0 के पास मैमोरेन्डम लेकर गए ओर स्थानीय विधायक के पास भी गए लेकिन उन्हें कोई न्याया नही मिला। जबरदस्ती जगाधरी के अन्दर वह जमीने दे रहे है अैर वहां पर ट्रक यूनियन बना दी।

Mr. Chairman: Please try to wind up.

श्री कृश्ण लालः इसी तरह से ट्रांसपोर्ट की बात है। सरकार हरियाणा के अन्दर बेरोजगारों को प्राइवेट रूट परमिट देने की बाम करती हैं मै कहता हूं कि सरकार ने रूट परमिट तो पहले ही एलाट कर रखे है। मै एक दिन हिसार से आ रहा था, रास्ते में मेहम रूक गया, वहा ंजिस तरहे स सिनेमा हाल के बार आवाजे लगा लगा कर 3 के 6 टिकट बेचीा करते है, उसी तरह से लोग मेहम रोहतक की आवाजे लगा रहे थे उन गाड़ियों में वी0 आई0 पी0 नम्बर है वे टाटामोबाईल के नम्बर एच0 आर0 15, 0014, एच0 आर0 15—0028, एच0 आर0—15—0029 और एच0 आर0 15—0043। मुख्य मंत्री जी ये गाड़ियों सवारिया ढो रही थी, मेहम से रोहतक के बीच में। ये सारे वी0 आई0 पी0 नम्बर है। मै नम्बर नोट करके लाया हूं, आप इंक्वायरी कराएं। पूरे प्रांत के अन्दर, ये प्राइवेट रूट परमिट देने की बात करते है, ययह आंखों में धुल झोंकने वाली बात है। मंत्रियों एवं एम0 एल0 एज0 के चहेते बेटे, वी0 आई0 पी0 नम्बर देकर, पूरे प्रांत में सवारियां ढो रहे है। इस प्रकार ट्रांसपोर्ट

विभाग को हर रोज लाखों रूपये का चुना लगाया जाता है, इसलिए इन पर रोक लगाई जाए।

चेयरमैन साहब, इसी प्रकार से आप पै ान को लो। चौधरी देवी लाल ने बुजुर्गों को सम्मानित करने क लि पैन् ान दी थी लेकिन इस सरकार के समय में बुजुगों को अपमानित किया गया है। जब चौधरी भजन लाल जी सरकार आई तो उन्होने कैबिन्ेट की मीटिग इसलिए बुलाई की पैन् ज्ञान को कैसक कम कियाजा सकता है? कांग्रेस के मंत्रियों और एम0 एल0 एज0 के सुझाव आने क बाद यह फैसला किया कि जो पांच एकड़ जमीन के जमीदार है, उनकी पैन् ान काट दी जाए। आज चौधरी भजन लाल को 5 एकड़ जमीन है जमींदार पूंजीपति नजर आता है। ओर जो मैम्बर करोड़पति है उनको ये पूंजीपति नही मानते। स्पीकर साहब, एक सर्वे कमेटी बनी थी। पहली बात तो यह है कि जब ये कमेटी गांव के अन्दर जाती थी तो कभी टाईम पर नही आती थी, मु कल से आती थी। गांव में जो 80–82 साल के बुजुर्ग थे, उनको कहते थे मुंह खोलकर दिखाएं कि आपके दांत भी है या नही। कुछ बुजुर्गे ने तो अपने दांत भी निकलवा दिए,उनको पैन् ान तो क्या मिलनी थी बेचारे अपने दांत भी निकलवा बैठे (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Chariman: Try to wind up with a minute, please.

श्री कृश्ण लालः सभापति जी, अब मै टूरिज्म के बारे में भी आपक माध्यम से कुछ अर्ज करना चाहता हू। टूरिज्म डिपाटमैंट के अन्दर एह ही थाली के दो पेट वाली बात बनी है। हमारएक कैटरिग इंस्टीच्यूट पानीपत में हे। जो भी लड़का ट्रेनिग करने के लिए लिया जाता है, उसके दाखले के लिए 55 परसैंट मार्क्स होने चाहिए, तब उसको एडमि ान दिया जाता है। इसके अलावा उसकसे 600 रूपया स्टाईपैन्ड भ दिया जाता है। इसी तरह का हमारा फूडक्राफट टीचिग इंस्टीच्यूट, फरीदाबाद में हे। उसके अन्दा कैडीडेट्स के दो इंस्टीच्यूट है, जहां पर अलग अलग नार्म्ज हैं

श्रीसभापतिः अब आप समाप्त कीजिए। आपको मैक्सिम टाईम दे दिया गया है।

श्री कृश्ण लालः बस, एक मिनट मे खत्म कर रहा हूं चेयरमैन साहब, अब मै हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे में जिकर करना चाहूंगा। हैल्थ के बारे में प्रांत में वि ोशकर देहातों में जो रूरल डिस्पैसरिया व पी0 एच0 सैन्टर बनी हुई हं, उनके अन्दर दवाईया उपलब्ध ही नही हैं परोसीटमोल एक सबसे ज्यादा सस्ती दवाई है,वह भी नही देते। अगर देते है तो ऐसे देते है कि जैस ब्लैक वोर्ड का चाह होता है, उसको काट कर टुकड़े किये हाते हैं मेरा कहना यहा है कि वहां पर सुधार किया जाना चाहिए। (व्यवधान व भाोर) चेयरमैन साहब, मै अन्त में खाद्य सलाहकार समिति के बारे में एक बताना चाहता हूं। हमारे क्षेत्र के हल्का असन्ध के अन्दर भी यह खाद्य सलाहकार समिति बनी हुई हैं वहां पर उस समिति के

एक मैम्बर श्री * * * * जी है, वह मतलौडा के अन्दर आये। वहां के फूड एण्ड सप्लाईज आफिस के अन्दर गये ओर इंस्पेक्अर प्रेम सिंह से 5000 रूपये मांगने लगे। कहने लगे कि हमारे खर्चे बहुत ज्यादा है। आप देखिए एक सलाहकार समिति के सदस्य एक इंस्पैक्टर से रि वत मांगते है।

एक आवाजः यह तो इन्होने मैम्बर का नात लिया है, यह रिकार्ड में नही आना चाहिए।

श्री सभापतिः ठीक है, उसको रिकार्ड से निकाल दें।

श्री कृश्ण लालः चेयरमैन सहब, यही नही, उस इंस्पैक्टर ने डी0 सी0 पानीपत को लिखकर भी दिया है। इस सदस्य ने मेरे से इसतरह से रि वत मांगी है। आप चाहे तो डी0 सी0 पानीपत से इस बात की जांच करवा लें कि यह बात सही है या नही। लेकिन आत तक भी उस पर कोई कार्यवाही हुई हो तो यह बताये कि क्या कार्यवाही हुई है। चेयरमैन साहब, मै किसानों की बात भी कुछ कहनाचाहता हूं।

श्रीसभापतिः बाकी बातें आप बोद में बोल लेना। अभी आप बैठिय।

श्री कृश्ण लालाः अच्छा जी, धन्यवाद

श्री अमर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि स्पीकर साहब ने यह फैसला किया

था कि लीटर आफ दी अपोजी ान ओर हमारे लीडर जो प्रैफरैि ायल लिस्ट देगे, उस आर्डर के मुताबिक बुलाया जायेगा।

श्री सभापतिः यह स्पीकर साहब की लिस्म मेंरे सामने है।

श्री अमर सिंहः अर्डर आफ प्रैफरैंस के हिसाब से जो लिस्ट दी है, क्या आप उसक बारे में हमें कुछ बतायंगे कि उयकी क्या स्थिति है?

श्री सभापतिः उसी आर्डर आफ प्रैफरैस की लिस्ट मेरं सामने पड़ी है। उसमें मनी राम का नाम सबसे पहले आता है। (व्यवधान व भाोर).....इसके साथ ही मिनिस्टर फार पालियामैंअरी एफेयर्ज ने यह आब्जैक्शन उठाया था कि टाईम पार्टी स्ट्रैन्थ के हिसाब से दिया जाये। इसलिए अब यह फैसला लिया गया है कि जितना टाईम उधरके साथियों को दिया गया है, उतना टाईम इधर के साथियों को भी दिया जाये। ये प्रैफरे ीयल लिस्ट मेंर सामने है। और I am calling upon the membes acordance with that list.

श्री मनीराम केहरवाला (एलनाबाद): चेयरमैन साहब, आपका बहुत धन्यवाद। मै श्री मांगे राम गुप्ता जी ने जो बजट प्रस्ताव रखा है, उसक समर्थन में तथा उसका अनुमोदन करने ` लिए खड़ा हुआ हूं। चेयरमैनसाहब, मै इसआउस को यह याद दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा नेपिछले चार पांच साल में बहुत

बुरे दिन देखे है। हरियाणा के आम आदमी ने, हरियाणा के किसान ने, हरियाणा के हरिजन ने, हरियाणा के बिजनैसमैन ने ओर हरियाणा के सरकारी कर्मचारी तथा औफिसर ने ऐसी काली रात देाी है और ऐसा बुरा वक्त देखा है जिसका अन्दाजा नही किया जा सकता। चेयमरैन साहब, आपको याद होगा ओर दूसरे लोगों को जानकारी होगी कि जब दे ा की आजादी मिली थी उस वक्त दे ा का क्या हाल था। आजादी को प्राप्त करने के लिए बड़ी भारी कुर्बानी देनी पडत्री थी और उस आजादी को प्राप्त करने के लिए भारत की 36 बिरादरियों ने कुर्बानी दी थी। 1947 में दे ा आजाद हुआ और आजादी के बाद हर आदमी को चाहे वह सड़क परसोता था या महल मेंसोता था, वोट देने काअध्किार मिला। लेकिन हरियाणा में ऐसे दिन भी देखने मे ंआए जब महात्मा गांधी, सुभाश चन्द्र बोस, चन्द्र ोखर आजाद ओर राम प्रसाद बिस्मिल तथा भगत सिंह द्वारा दी गई कुर्बानियों से जो आम लोगों को वोट देने का अधिकार मिला था, उसकसे छीनने की कोि ा ा की गई। आज जब यह वक्त याद करते है, चौटाला ओर देवी लाल ने टाईम को याद करते है तो लोग कहते है कि उनसे बुरे दिनउन्होनक कभी नही देखे। मै इसबार जब गांव मेंथा तो लोग कहने लगे कि देा सालों से हम होली का त्यौहार मना रहे हे। लेकिन पिछले चार साल में हमने होली की खु ाी नही मनाई। वह वक्त ऐसा था जैस किसी जगह मा र्ाल ला लगा हुआ हो। वह डिक्टेटरि ाप का जमानाथ। उस वक्त ऐसा राज था कि चाहे पंचायी के चुनाव हुए, चाहे किसी विधान सभा या लोकर सभा

के चुनाव हेए या नगरपालिका के चुनाव हुए, चाहे किसी तरह हुए, यह बात सब का`पता है उस समय हारने वाले को जिताया जाता था। ओर जीतने वाले को हरिाया जाता था। किस तरह से अफसरों को और दूसरे कर्मचारियों को गल्त काम करने के लिए मजबूर किया जाता था। उनकी आत्मा पर दबाव डालकर और उनकी आत्म को मारकर उनसे गल्त काम करवाए जात`थे। लेकिन आज हालत बिल्कुल बदल गई हैं आज चाहे चपरासी है या चीफ सैक्रेटरी है सबा को अपनी बात कहने की आजादी हैं आज छोटै से छोटे औफिसर और बड़े से बड़ा औफिसर, बड़े से बड़ा आदमी छोटै से छोटे आदमी राहत महसूक करता है। किसी किस्म की कोई रूकावट नही हैं हमारी कोई भी बहन आज रात के बारह बाजे भी आजादी के साथ कही जा सकती है,कोई रूकावट नही है। आज हरियाणा में ऐसा राज है। आज हरियाणा की अपनी भााान। चौधरी भजन लाल के समय में जो चुनाव हुए चाहे वं पंचायतां के चुनाव हुए, चाहे म्यूनिसिपल कमेटियों के चुनाव हुए ओर चाहे पंचायत समितियों के चुनाव हुए ओरचहो ब्लॉक समितियों के चुनाव हुए वे बिल्कुल निश्पक्ष हु। मै मुख्य मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं। उन्होने कोई पार्टीज्म की बात नही होनी दी उन्होनें कहां कि कोई जीते ओर कोई हारे, जनता जिसकी जिताना चाहे उसको जिता दे ओर जिसको हरान चाहे उसको हरा दे। चेयरमेन साहब, किसी भी संस्था के चुनाव हुए वे बिल्कुल निश्पक्ष हुए। मै चौधरी भजन लाल को एक बार बधाई देना चाहता हूं कि उन्होने हरियाणा पर लगे हुए कलंक को

धो दिया। जो स्याही हरियाणा के मुंह पर चार साल में लगी थी चौधरी भजन लाल ने उस स्यायी को मिटा दिया। चौधरी सम्पत सिंह जी आपको दो बार हरियाणा में राज करने का मौका मिला था लेकिन चोधरी देवी लाल ने ओर चौटाला ने कभी भी सतलुज ब्यास की बात नही की। पानी लाने की कभी कोि ा ा नही की लेकिनआज ये बहुत सतलुज ब्यास के पानी की बात करते है।

Mr. Chairman: Now the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrwo, the 10th March, 1993; and Sh. Mani Ram will contiune

6.45 P.M.

(The Sabha then * adjourned till 9.30 A.M. on Wednesday, the 10th March, 19993)